

इरकाँन लुधियाना रूपनगर

हाईवे लिमिटेड

इरकाँन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक  
कंपनी (सीआईएन: U45309DL2021GOI391675)

वार्षिक रिपोर्ट

2022-23

## लुधियान रूपनगर परियोजना फोटोग्राफ



**GEO-GRID LAYING @ Chainage 81+850 to 82+100**



**Abutment (A2) of Flyover @ Ch:9+270**

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड  
(इरकॉन एलआरएचएल) की वार्षिक रिपोर्ट की विषय-सूची

क्र.सं	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	कंपनी का परिचय	1
2.	अध्यक्ष का संदेश	3
3.	निदेशक की रिपोर्ट	6
	❖ एओसी-2	18
4.	कंपनी का वित्तीय विवरण	
	❖ लेखापरीक्षक की रिपोर्ट	20
	❖ तुलन पत्र	34
	❖ लाभ और हानि विवरण	36
	❖ इक्विटी परिवर्तन विवरण	37
	❖ रोकड़ प्रवाह विवरण	39
	❖ लेखों व अन्य विवरणात्मक सूचना पर नोट	40
5.	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां	97

## कंपनी परियोजना

हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर पंजाब राज्य में भारतमाला परियोजना के तहत लुधियाना बाईपास पर स्पर सहित मानेवाल (लुधियाना) के पास एनई-5 गांव के जंक्शन से भेओरा गांव (रूपनगर) के पास एनएच 205 के साथ जंक्शन तक चार/छह लेन वाले ग्रीनफील्ड लुधियाना-रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एनएच-205के का निर्माण : पैकेज- 3 (डिजाइन सीएच 66.440 से डिजाइन सीएच 90.500 और खरड़ के लिए स्तर, डिजाइन सीएच 0.000 से डिजाइन सीएच 19.200 तक, कुल लंबाई 43.26 किमी)

## निदेशक मंडल

श्री पराग वर्मा, अध्यक्ष

श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, निदेशक

श्री मुगुंथन बोजू गौड़ा, निदेशक

श्री मसूद अहमद, निदेशक

### सांविधिक लेखापरीक्षक

मैसर्स प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार

### कंपनी के ईपीसी संविदाकार

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

### सम्पर्क अधिकारी

सुश्री शिवी कपूर  
अनुपालन अधिकारी  
ईमेल : [cospv.ircon@gmail.com](mailto:cospv.ircon@gmail.com)

### पंजीकृत कार्यालय

सी-4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत,  
नई दिल्ली-110017

# निदेशक मंडल



श्री पराग वर्मा  
अध्यक्ष



श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा  
निदेशक



श्री बी. मुगुंथनथ  
निदेशक



श्री मसूद अहमद  
निदेशक

## अध्यक्ष का संदेश

प्रिय शेयरधारकों,



इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड (इरकॉनएलआरएचएल) की दूसरी (2) वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में बोर्ड के सम्मानित सदस्यों की ओर से आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए निदेशक की रिपोर्ट और लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण पहले से ही आपके पास हैं और आपकी अनुमति से, मैं उन्हें पढ़ा हुआ मानता हूँ। इस एजीएम में भाग लेने को मैं आपका सहृदय आभार व्यक्त करना चाहता हूँ।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ("इरकॉन") को हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर पंजाब राज्य में भारतमाला परियोजना के तहत लुधियाना बाईपास पर स्पर सहित मानेवाल (लुधियाना) के पास एनई-5 गांव के जंक्शन से भेओरा गांव (रूपनगर) के पास एनएच 205 के साथ जंक्शन तक चार/छह लेन वाले ग्रीनफील्ड लुधियाना-रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एनएच-205के का निर्माण: पैकेज- 3 (डिजाइन सीएच 66.440 से डिजाइन सीएच 90.500 और खरड़ के लिए स्पर, डिजाइन सीएच 0.000 से डिजाइन सीएच 19.200 तक, कुल लंबाई 43.26 किमी) प्रदान किया गया है। एनएचएआई द्वारा जारी अवार्ड पत्र (लेटर ऑफ अवार्ड) में निर्धारित शर्त के अनुसार, इरकॉन ने रियायत समझौते और उक्त परियोजना के निष्पादन के लिए, अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और एक विशेष प्रयोजन वाहन के रूप में आपकी कंपनी का निगमन किया है।

मैं आपके सामने इरकॉनएलआरएचएल की कुछ विशेषताएं प्रस्तुत करना चाहता हूँ।

दिनांक 25 मार्च, 2022 को एनएचएआई के साथ रियायत समझौता किया है। परियोजना की रियायत अवधि में, नियत तारीख से 730 दिन की निर्माण अवधि और वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) से शुरू होने वाले 15 वर्ष की प्रचालन अवधि शामिल है।

रियायती समझौते के अनुसार, बोली परियोजना लागत 1,107.00 करोड़ रुपये जमा जीएसटी (वृद्धि को छोड़कर) है। परियोजना बोली लागत का 40% निर्माण चरण के दौरान एनएचएआई द्वारा प्रतिपूर्ति की जाएगी और शेष 60% वार्षिकी के रूप में निर्माण के बाद प्राप्य होगा। कंपनी परियोजना की लागत को 570.82 करोड़ रुपये के ऋण और 142.70 करोड़ रुपये की इक्विटी के माध्यम से वित्तपोषित करेगी। कर्ज के संबंध में बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 570.82 करोड़ रुपये का सावधि ऋण स्वीकृति किया है। अब तक, बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 47.00 करोड़

रुपये का सावधि ऋण वितरित किया है और इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा 39.31 करोड़ रुपये की कुल इक्विटी लगाई गई है।

रियायत समझौते के प्रावधानों के अनुरूप, इरकॉन को 993.86 करोड़ रुपये के ईपीसी मूल्य जमा लागू जीएसटी पर पांच (05) वर्षों के लिए ओ एंड एम सहित परियोजना कार्य के निष्पादन के लिए ईपीसी ठेकेदार के रूप में नियुक्त किया गया है।

आज की तारीख तक प्रगति 16.5% प्राप्त कर ली गई है और परियोजना क्षेत्र में अभूतपूर्व मानसून के बावजूद रियायत समझौते की अनुसूची के भीतर 20% प्रगति का पहला लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा।

### **अनुपालन और प्रकटन**

कंपनी अधिनियम, 2013 और उससे अंतर्गत आने वाले नियमों का आपकी कंपनी द्वारा अनुपालन और प्रकटीकरण का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिनांक 10 जुलाई 2014 और 11 जुलाई 2019 को जारी कार्यालय ज्ञापनों के तहत, विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में गठित सीपीएसई को सीपीएसई के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन से छूट दी गई है। इसलिए, ये आपकी कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

### **समझौता ज्ञापन (एम ओ यू)**

आपकी कंपनी ने सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा दिनांक 10 मार्च, 2023 को जारी किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) दिशानिर्देशों के अनुरूप, वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए वार्षिक समझौता ज्ञापन प्रक्रिया के अनुपालन से छूट देने के लिए इरकॉन से अनुरोध किया है, और इरकॉन ने अपने दिनांक 07 नवंबर, 2022 और 06 फरवरी, 2023 के पत्रों के माध्यम से कंपनी को क्रमशः वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए वार्षिक समझौता ज्ञापन प्रक्रिया के अनुपालन से छूट प्रदान की है।

### **आभारोक्ति**

मैं, निदेशक मंडल की ओर से, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, कंपनी के लेखापरीक्षकों और उन सभी लोगों द्वारा कंपनी को दी गई बहुमूल्य सहायता और सहयोग के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता हूं, जिन्होंने वर्ष के दौरान हमारा समर्थन और मार्गदर्शन किया है। मैं सभी कर्मचारियों को उनके समर्पण, विवेक और कड़ी के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। और

अंत में, मैं बोर्ड में अपने सहयोगियों को उनके मार्गदर्शन और निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ।

हम आगे की यात्रा में आपके निरंतर समर्थन की आशा करते हैं।

निदेशक मंडल के निमित्त औरा उनकी ओर से  
इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड

ह/-

(पराग वर्मा)

अध्यक्ष

डीआईएन: 05272169

दिनांक: 04.08.2023

स्थान : नई दिल्ली



## निदेशक की रिपोर्ट

प्रिय सदस्यों,

आपके निदेशकों को दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु **इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड (इरकॉनएलआरएचएल)** के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों और लेखापरीक्षा रिपोर्ट सहित **2 वार्षिक रिपोर्ट** प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है।

### 1. व्यावसायिक प्रचालनिक विशेषताएं: कंपनी के कार्यों की वर्तमान स्थिति :

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी **इरकॉन एलआरएचएल** को दिनांक 24 दिसंबर, 2021 को एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में निगमित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य हाइब्रिड वार्षिकी माध्यम पर पंजाब राज्य में भारतमाला परियोजना के तहत लुधियाना बाईपास पर स्पर सहित मानेवाल (लुधियाना) के पास एनई-5 गांव के जंक्शन से भेओरा गांव (रूपनगर) के पास एनएच 205 के साथ जंक्शन तक चार/छह लेन वाले ग्रीनफील्ड लुधियाना-रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एनएच-205के का निर्माण ("रियोजना") : पैकेज- 3 (डिजाइन सीएच 66.440 से डिजाइन सीएच 90.500 और खरड़ के लिए स्पर, डिजाइन सीएच 0.000 से डिजाइन सीएच 19.200 तक, कुल लंबाई 43.26 किमी) का निर्माण एनएचएआई के रियायत समझौते के अनुरूप करना है।

वित्तीय समापन प्राप्त कर लिया गया है और एनएचएआई ने निर्माण शुरू करने के लिए दिनांक 16 फरवरी, 2023 से नियत तिथि घोषित की है। परियोजना की रियायत अवधि में नियत तिथि (अर्थात् 16 फरवरी, 2023) से 730 दिनों की निर्माण अवधि और वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) से शुरू होने वाली 15 वर्षों की संचालन अवधि शामिल है। परियोजना कार्यान्वयन चरण में है। इरकॉन द्वारा एनएचएआई को प्रस्तुत तकनीकी बोली के संदर्भ में इरकॉन को ईपीसी ठेकेदार के रूप में नियुक्त किया गया है।

रियायती समझौते के अनुसार, बोली परियोजना लागत 1,107.00 करोड़ रुपये जमा जीएसटी (वृद्धि को छोड़कर) है। परियोजना बोली लागत का 40% निर्माण चरण के दौरान एनएचएआई द्वारा प्रतिपूर्ति की जाएगी और शेष 60% वार्षिकी के रूप में निर्माण के बाद प्राप्य होगा। कंपनी परियोजना की लागत को 570.82 करोड़ रुपये के ऋण और 142.70 करोड़ रुपये की इक्विटी के माध्यम से वित्तपोषित करेगी। कर्ज के संबंध में बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 570.82 करोड़ रुपये का सावधि ऋण स्वीकृति किया है। अब तक, बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 47.00 करोड़ रुपये का सावधि ऋण वितरित किया है और इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा 39.31 करोड़ रुपये की कुल इक्विटी लगाई गई है।

रियायत समझौते के प्रावधानों के अनुरूप, इरकॉन को 993.86 करोड़ रुपये के ईपीसी मूल्य जमा लागू जीएसटी पर पांच (05) वर्षों के लिए ओ एंड एम सहित परियोजना कार्य के निष्पादन के लिए ईपीसी ठेकेदार के रूप में नियुक्त किया गया है।

आज की तारीख तक प्रगति 16.5% प्राप्त कर ली गई है और परियोजना क्षेत्र में अभूतपूर्व मानसून के बावजूद रियायत समझौते की अनुसूची के भीतर 20% प्रगति का पहला लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा।

## 2. वित्तीय विशेषताएं

कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के तहत उल्लिखित प्रावधानों के अनुसरण में, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अपने वार्षिक वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखा मानकों (इंड एस) के अनुसार तैयार किया है।

दिनांक 31 मार्च 2023 को वित्तीय निष्पादन के संकेतक निम्नानुसार हैं:

(राशि लाख रूप में)

क्र.सं	विवरण	31.03.2023 को समाप्त वर्ष हेतु	24.12.2021 से 31.03.2022 तक की अवधि हेतु
1.	इक्विटी शेयर पूंजी	5.00	5.00
2.	अन्य इक्विटी ( रिजर्व और अतिरेक सहित)	88.93	(0.06)
3.	निवल परिसंपत्ति	93.93	4.94
6.	<b>कुल संपत्ति और देनदारियां</b>	<b>2,879.09</b>	<b>5.42</b>
7.	संचालन से राजस्व	2,422.15	1.47
9.	<b>कुल आय (7) + (8)</b>	2,422.15	1.47
10.	<b>कर पूर्व लाभ</b>	-	-
11.	कर पश्चात लाभ	<b>(0.01)</b>	<b>(0.06)</b>
12.	प्रति इक्विटी शेयर आय (प्रति 10 रूपए के अंकित मूल्य पर)		
	(i) मूल	(0.02)	(0.12)
	(ii) विलयित	(0.02)	(0.12)

## 3. लाभांश और आरक्षण निधि का विनियोग:

निदेशक मंडल, दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के इक्विटी शेयरों पर किसी लाभांश की सिफारिश नहीं करता है।

इंड एस की प्रयोज्यता के अनुसार, आरक्षित निधि को वित्तीय विवरणों में 'अन्य इक्विटी' के तहत प्रतिधारित आमदनी के रूप में परिलक्षित किया जाता है और आपकी कंपनी के पास दिनांक 31 मार्च 2023 तक प्रतिधारित आमदनियों में (0.07) लाख रुपए की शेष राशि है।

**4. शेयर पूंजी / डीमैटीरियलाइजेशन:**

आपकी कंपनी को 5 लाख रुपए की अधिकृत शेयर पूंजी और प्रदत्त शेयर पूंजी के साथ निगमित किया गया था, जिसमें प्रत्येक 10/- रुपए के 50,000 इक्विटी शेयर शामिल थे। इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) के पास इरकॉन एलआरएचएल की 100% प्रदत्त शेयर पूंजी है।

दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी की शेयर पूंजी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ, और इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) के पास इरकॉनएलआरएचएल की 100% चुकता शेयर पूंजी यथावत है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के समापन के बाद, कंपनी ने अपनी अधिकृत शेयर पूंजी को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 14.50 करोड़ रुपये और प्रदत्त शेयर पूंजी को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 3.62 करोड़ रुपये कर दिया है।

दिनांक 22.01.2019 के कंपनी (प्रॉस्पेक्टस और प्रतिभूतियों का आवंटन) संशोधन नियम, 2019 के नियम 9क के अनुसार, पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (डब्ल्यूओएस) होने के नाते कंपनी को अपनी प्रतिभूतियों को डीमैट रूप में प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है।

**5. परियोजना से रोकड़ प्रवाह:**

दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी की परिचालन गतिविधियों से 81.02 लाख रुपये का ऋणात्मक नकदी प्रवाह हुआ है।

**6. सहायक/संयुक्त उद्यम/ संबद्ध कंपनियों का विवरण:**

समीक्षाधीन अवधि के लिए कंपनी की कोई सहायक/संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी नहीं थी।

**7. निदेशक मंडल और प्रमुख प्रबंधन कार्मिक:**

**निदेशक मंडल:**

वर्ष 2022-23 के दौरान निदेशकों की श्रेणी, नाम और पदनाम

कंपनी के आंतरिक नियमों के अनुसार, कंपनी के बोर्ड की नियुक्ति धारक कंपनी (इरकॉन) द्वारा की जाती है।

दिनांक 31 मार्च, 2023 तक, इरकॉन द्वारा नामित अध्यक्ष सहित निदेशकों की कुल संख्या चार है। निदेशकों का विवरण इस प्रकार है:

श्रेणी, नाम और पदनाम	डीआईएन	नियुक्ति या कार्यमुक्ति (वर्ष के दौरान, यदि कोई हो)
श्री पराग वर्मा, अध्यक्ष	05272169	10.10.2022 को अध्यक्ष के रूप में पुनःनामित
श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, निदेशक	08556821	10.10.2022 को अतिरिक्त अंशकालीन निदेशक के रूप में नियुक्त
श्री बी. मुगुंथन, निदेशक	08517013	-
श्री मसूद अहमद, निदेशक	09008553	-

आपकी कंपनी के अध्यक्ष (अंशकालिक नामांकित) श्री अशोक कुमार गोयल, इरकॉन द्वारा दिनांक 10 अक्टूबर 2022 से नामांकन वापस लेने के परिणामस्वरूप, आपकी कंपनी के निदेशक और अध्यक्ष पद से पदमुक्त हो गए हैं। बोर्ड ने श्री अशोक कुमार गोयल द्वारा दिए गए बहुमूल्य योगदान, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए उनकी सराहना की है।

इरकॉन ने दिनांक 10 अक्टूबर 2022 से श्री पराग वर्मा, निदेशक (कार्य), इरकॉन को इरकॉनएलआरएचएल के अध्यक्ष के रूप में पुनः नामित किया है।

श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, निदेशक, को इरकॉन द्वारा दिनांक 10 अक्टूबर 2022 से कंपनी के अपर अंशकालिक निदेशक के रूप में नामित किया गया था, जो वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद पर बने रहेंगे। कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 के तहत श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा से वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए अपनी उम्मीदवारी देने का नोटिस प्राप्त हुआ है। शेयरधारकों द्वारा निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति एजीएम की सूचना में शामिल है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152(6) के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी के सभी निदेशक आपकी कंपनी की वार्षिक आम बैठक में रोटेशन के आधार पर सेवानिवृत्त होने के लिए उत्तरदायी हैं। श्री पराग वर्मा, श्री बी. मुगुंथन और श्री मसूद अहमद को कंपनी के पहले निदेशक होने के कारण, समान तारीख अर्थात् 24 दिसंबर, 2021 को नियुक्त किया गया और श्री पराग वर्मा

आपकी कंपनी की वार्षिक आम बैठक में रोटेशन से सेवानिवृत्त होंगे, और पात्र होने पर स्वयं को पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तुत करते हैं। निदेशक मंडल, निदेशक के रूप में उनकी पुनर्नियुक्ति की सिफारिश करता है और उनका संक्षिप्त विवरण, वार्षिक आम बैठक की सूचना के साथ संलग्न है। कोई भी निदेशक, निदेशक के रूप में नियुक्त/पुनर्नियुक्त होने से अयोग्य नहीं है।

**प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी):**

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 203 के अनुसार, आपकी कंपनी को समीक्षाधीन अवधि के दौरान किसी भी प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी) को नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है।

**8. बोर्ड की बैठकें:**

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, बोर्ड की दिनांक 17.05.2022, 22.07.2022, 04.08.2022, 16.09.2022, 03.11.2022, 31.01.2023 और 23.02.2023 को सात (7) बार बैठक हुई। बोर्ड बैठकों के बीच का अंतराल कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित अवधि के भीतर था। बोर्ड बैठकों की उपस्थिति का विवरण इस प्रकार है:

बैठक की तारीख	बोर्ड सदस्यों की संख्या	उपस्थित निदेशकों की संख्या
17.05.2022	4	4
22.07.2022	4	4
04.08.2022	4	3
16.09.2022	4	3
03.11.2022	4	4
31.01.2023	4	4
23.02.2023	4	3

नीचे दी गई तालिका समीक्षाधीन अवधि के दौरान आयोजित बोर्ड की बैठकों में बोर्ड के सदस्यों की उपस्थिति और पिछली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में उनकी उपस्थिति को दर्शाती है:

निदेशक का नाम	बैठक की तारीख							वार्षिक आम बैठक में उपस्थित	वि.व 2022-23 के दौरान आयोजित कुल बैठक में उपस्थित होने के दावेदार	वि.व 2022-23 के दौरान उपस्थित बैठकों की संख्या में उपस्थिति	उपस्थिति %
	17.05.2022	22.07.2022	04.08.2022	16.09.2022	03.11.2022	31.01.2023	23.02.2023				
श्री अशोक कुमार गोयल	✓	✓	✓	✓	-	-	-	हां	4	4	100
श्री पराग वर्मा,	✓	✓	×	✓	✓	✓	×	हां	7	5	71.43
श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा	-	-	-	-	✓	✓	✓	लागू नहीं	3	3	100
श्री बी. मुगुंथन	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	नहीं	7	7	100
श्री मसूद अहमद,	✓	✓	✓	×	✓	✓	✓	हां	7	6	85.71

**9. स्वतंत्र निदेशक और बोर्ड समितियां और डीपीई द्वारा जारी कॉर्पोरेट शासन दिशानिर्देश:**

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा जारी दिनांक 5 जुलाई, 2017 की अधिसूचना के अनुसार, एक गैर-सूचीबद्ध पब्लिक कंपनी और एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होने के कारण, इसके बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की आवश्यकता और लेखापरीक्षा समिति और नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) के गठन की आवश्यकता से छूट दी गई है।

इरकॉनएलआरएचएल, एक असूचीबद्ध पब्लिक कंपनी और इरकॉन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, इसलिए उसे अपने बोर्ड में किसी स्वतंत्र निदेशक को नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है और स्वतंत्र निदेशकों की घोषणा कंपनी पर लागू नहीं होती है।

इसके अतिरिक्त, लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिनांक 8-10 जुलाई 2014 के कार्यालय ज्ञापन के साथ पठित 11 जुलाई, 2019 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में गठित सीपीएसई को कॉर्पोरेट शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन से छूट दी गई है। इसलिए, डीपीई के निगमित शासन दिशानिर्देश, इरकॉन एलआरएचएल पर लागू नहीं हैं।

**10. निदेशक के उत्तरदायित्व का विवरण:**

कंपनी का निदेशक मंडल पुष्टि करता है कि:

- क) दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि हेतु वार्षिक लेखे तैयार करने में महत्वपूर्ण विचलनों, यदि कोई हो, से संबंधित उचित स्पष्टीकरण सहित लागू लेखाकरण मानकों का पालन किया गया है।
- ख) ऐसी लेखाकरण नीतियों का चयन किया और निरंतर लागू किया गया है और ऐसे निर्णय लिए और अनुमान तैयार किए गए थे, जो तर्कसंगत और विवकपूर्ण थे ताकि 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु कंपनी की कार्य स्थिति तथा उक्त तिथि को समाप्त अवधि के लिए कंपनी के लाभ का सही एवं वास्तविक स्थिति प्रस्तुत हो सके।
- ग) परिसंपत्तियों की सुरक्षा करने तथा छल-कपट और अन्य अनियमितताओं को रोकने तथा उनका पता लगाने के लिए इस कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार लेखाकरण अभिलेखों के पर्याप्त रखरखाव के लिए उचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती गई है।
- घ) वार्षिक लेखा विवरण “निरंतर” आधार पर तैयार किए गए हैं।
- ड.) सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली तैयार की गई है और ऐसी प्रणालियाँ पर्याप्त और प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं।

**11. निदेशक का अवलोकन और वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी (लेखापरीक्षकों द्वारा अपनी रिपोर्ट में की गई किसी भी टिप्पणी के लिए स्पष्टीकरण:**

वित्तीय विवरणों के भाग के रूप में खातों का विवरण स्व-व्याख्यात्मक है तथा इसे और अधिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है।

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में कोई आपत्ति या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है, जिसके लिए किसी भी तरह के स्पष्टीकरण/ पुष्टि की आवश्यकता होती है।

**12. सांविधिक लेखापरीक्षक:**

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा दिनांक 31 अगस्त 2022 के सीएजी पत्र संख्या सीए.वी/सीओवाई/दिल्ली, आईआरएएसईएल (1)/570 के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए मैसर्स प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स, सनदी लेखाकार को, पहले सांविधिक लेखाकार के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-139(1) के तहत आवश्यक लिखित सहमति और प्रमाण पत्र के माध्यम से पुष्टि की है।

**13. सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट और नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक टिप्पणियाँ:**

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए वित्तीय विवरणों पर वैधानिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट शून्य अवलोकन

के साथ वित्तीय वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) से प्राप्त गैर-समीक्षा प्रमाणपत्र के साथ वार्षिक रिपोर्ट के भाग के रूप में अलग से संलग्न की गई है।

**14. लागत रिकॉर्ड:**

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-148 की उप-धारा (1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट लागत रिकॉर्ड का रखरखाव का प्रावधान, वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी पर लागू नहीं होता है।

**15. सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट:**

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 के तहत कंपनी सचिव से सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्राप्त करने की आवश्यकता, वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी पर लागू नहीं होती है।

**16. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-186 के अंतर्गत ऋण, गारंटी या निवेश का विवरण:**

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-186 के प्रावधानों के तहत शामिल किए गए ऋण, गारंटी और निवेश का कोई लेनदेन नहीं है।

**17. संबंधित पक्षों के साथ अनुबंध या व्यवस्था के विवरण:**

वर्ष के दौरान, धारक कंपनी, इरकॉन के साथ संबंधित पक्ष लेनदेन, व्यापार के सामान्य क्रम में और आर्म लैंथ आधार पर थे और कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार अनुमोदित थे। फॉर्म एओसी-2 में संबंधित पक्ष लेनदेन का विवरण इस रिपोर्ट के अनुबंध-क के रूप में संलग्न है।

**18. वित्तीय वर्ष के समापन के पश्चात कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं:**

वित्तीय वर्ष के अंत और इस रिपोर्ट की तारीख के बीच कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं नहीं हुई हैं, केवल वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित को छोड़कर।

**19. ऊर्जा का संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, विदेशी मुद्रा अर्जन और आउटगो:**

कंपनी अधिनियम, 2013 के साथ पठित कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के तहत निर्धारित विवरण निम्नानुसार है:

**क. ऊर्जा का संरक्षण: -**

आपकी कंपनी किसी भी निर्माण गतिविधि में संलिप्त नहीं है और इसलिए कंपनी के विवरण का प्रस्तुतिकरण हमारी कंपनी पर लागू नहीं होता है।



**ख. प्रौद्योगिकी अवशोषण: -**

आपकी कंपनी किसी भी निर्माण गतिविधि का निष्पादन नहीं कर रही है और इसलिए कंपनी के लिए विशेष रूप से प्रस्तुत करना लागू नहीं है।

**ग. विदेशी मुद्रा आय और आउटगो: -**

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कोई विदेशी मुद्रा आय और विदेशी मुद्रा आउटगो नहीं था।

**20. जोखिम प्रबंधन:**

बोर्ड की मतानुसार, वर्तमान में कंपनी अपने व्यवसाय के लिए किसी भी बड़े खतरे/जोखिम को नहीं देखती है।

**21. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) :**

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के प्रावधान समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी पर लागू नहीं थे।

**22. कर्मचारियों के विवरण:**

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी दिनांक 5 जून 2015 की अधिसूचना के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-197 के प्रावधानों और अध्याय-XIII के तहत संबंधित नियमों के अनुपालन से छूट दी गई है।

इरकॉन एलआरएचएल एक सरकारी कंपनी है और इस कारण कंपनी के लिए निदेशकों की रिपोर्ट में कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम के नियम-5(2) के अंतर्गत निर्धारित मानदंडों के तहत आने वाले कर्मचारियों के पारिश्रमिक के बारे में जानकारी का प्रकटन करने की आवश्यकता नहीं है।

**23. व्यवसाय की प्रकृति में परिवर्तन:**

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी के व्यवसाय की प्रकृति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

**24. सार्वजनिक जमा राशि:**

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 और कंपनियां (जमा राशि की स्वीकृति) नियम, 2014 के अनुसार अपने सदस्यों से किसी भी जमा राशि को आमंत्रित नहीं किया है।

**25. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता:**

कंपनी के पास वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्त प्रणाली विद्यमान है। सभी लेन-देन उचित रूप से अधिकृत रूप से रिकॉर्ड किए गए हैं और प्रबंधन को रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए हैं। कंपनी वित्तीय विवरणों में लेखा बहियों और रिपोर्टिंग को ठीक से बनाए रखने के लिए सभी

लागू लेखा मानकों का पालन कर रही है। आपकी कंपनी अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप उचित और पर्याप्त प्रणालियों और प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करना जारी रखती है।

**26. कंपनी के गोडंग कंसर्न स्थिति और भावी प्रचालनों को प्रभावित करने वाले, विनियामकों या न्यायालयों या अधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण आदेश:**

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी के गोडंग कंसर्न स्थिति और भावी प्रचालनों को प्रभावित करने वाले, विनियामकों, न्यायालयों और अधिकरणों द्वारा कोई महत्वपूर्ण आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

**27. खरीद वरीयता नीति के क्रियान्वयन के लिए एमएसएमई दिशानिर्देशों का अनुपालन:-**

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार ने निर्देश जारी किए कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत सभी कंपनियों, जिनका टर्नओवर 500 करोड़ रूपए से अधिक है और सभी सीपीएसई भारतीय रिजर्व बैंक की अधिसूचना के अनुसार स्थापित ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) प्लेटफॉर्म पर खुद को ऑन-बोर्ड करने की आवश्यकता है। प्रत्येक राज्य में कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) ऐसे निर्देशों के अनुपालन की निगरानी के लिए सक्षम प्राधिकारी होंगे और लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार सीपीएसई द्वारा ऐसे निर्देशों के अनुपालन की निगरानी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होंगे।

कंपनी का निगमन दिनांक 24 दिसंबर, 2021 को किया गया था और निर्माण कार्य आरंभ करने के लिए नियुक्ति तिथि 16 फरवरी, 2023 प्राप्त हुई है। टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान किया जाएगा।

**28. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार प्रकटन:**

कंपनी इरकॉन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होने के कारण, इरकॉन की 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण के लिए नीति' (पोश नीति) कंपनी पर लागू होती है और इरकॉन की आंतरिक शिकायत समिति पोश नीति के तहत सभी मामलों का निपटान करती है।

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा-22 के अनुसार समीक्षाधीन अवधि के दौरान, ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जहां यौन उत्पीड़न से संबंधित कोई भी शिकायत दर्ज की गई।

**29. सतर्कता तंत्र:**

सतर्कता तंत्र की स्थापना से संबंधित, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-177(9) के प्रावधान, वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

**30. सूचना का अधिकार:**

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, आपकी कंपनी को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ था, हालांकि, डीपीई से हस्तांतरित आरटीआई आवेदनों का वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान विधिवत उत्तर दिया गया था।

**31. बोर्ड के सदस्यों का निष्पादन मूल्यांकन:**

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की दिनांक 5 जून 2015 की अधिसूचना के अनुसार, निष्पादन मूल्यांकन के संबंध में धारा-178 की उपधारा (2), (3) और (4), सरकारी कंपनी के निदेशकों पर लागू नहीं होगी।

एक सरकारी कंपनी और इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होने के कारण, कंपनी के सभी अंशकालिक निदेशकों को होल्डिंग कंपनी, इरकॉन द्वारा नामित किया जाता है। इन नामांकित निदेशकों का मूल्यांकन होल्डिंग कंपनी द्वारा भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप पूर्व-निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया जाता है। इसलिए, निदेशकों का निष्पादन मूल्यांकन आपकी कंपनी पर लागू नहीं होता है।

**32. सचिवीय मानक:**

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी, भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) द्वारा जारी लागू सचिवीय मानकों के अनुपालन में है।

**33. दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत लंबित आवेदन/कार्रवाई:**

दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत कंपनी के प्रति कोई कार्रवाई आरंभ /लंबित नहीं है, जो कंपनी के व्यवसाय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है।

**34. समझौता ज्ञापन (एमओयू):**

सीपीएसई की सहायक कंपनियों के लिए यह अपेक्षित है कि वे दिनांक 10 मार्च, 2022 के समेकित समझौता ज्ञापन (एमओयू) दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार अपनी धारक कंपनी के साथ वार्षिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगी। इरकॉन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और एसपीवी के रूप में निगमित, आपकी कंपनी, इरकॉन (धारक कंपनी) के साथ वार्षिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगा।

आपकी कंपनी, इरकॉन (होल्डिंग कंपनी) और विशेष कार्य योजना (एसपीवी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में निगमित, इरकॉन के साथ वार्षिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगी।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, आपकी कंपनी ने एमओयू दिशानिर्देशों के अनुरूप, इरकॉन से वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक एमओयू प्रक्रिया के अनुपालन से छूट देने का अनुरोध किया और इरकॉन ने अपने दिनांक 06 फरवरी, 2023 के पत्र के माध्यम से कंपनी को छूट प्रदान की है।

**35. आभारोक्ति:**

हम, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), विभिन्न अन्य सरकारी एजेंसियों, बैंकों, भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (सी एंड ए.जी) और सांविधिक लेखापरीक्षकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं, और भविष्य में भी उनके सहयोग की कामना करते हैं।

हम सभी स्तरों पर अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए योगदान के लिए उनकी सराहना भी करते हैं। आपका निदेशक मंडल भी इस अवसर पर समीक्षाधीन अवधि में शेयरधारकों से प्राप्त सहयोग और समर्थन के लिए अपना आभार व्यक्त करता है और धन्यवाद देता है। उनकी कड़ी मेहनत, एकजुटता, सहयोग और समर्थन से हमारा निरंतर विकास संभव हुआ है।

निदेशक मंडल के निमित्त और उसकी ओर से  
इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड

ह/-

(पराग वर्मा)

अध्यक्ष

डीआईएन: 05272169

दिनांक: 04.08.2023

स्थान: नई दिल्ली

फॉर्म सं. एओसी-2

(अधिनियम के धारा 134 के उप-धारा (3) के खंड (एच) तथा कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसरण में)

दिनांक 01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 की अवधि के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 188 के उप-धारा (1) में संदर्भित संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा की गई संविदाओं/व्यवस्थाओं तथा इसके तीसरे प्रावधान के अंतर्गत कतिपय आर्मस लैंथ संव्यवहारों के विवरण के प्रकटन के लिए फार्म

1. आर्म लैंथ आधार पर न की गई संविदाएं या व्यवस्थाएं या संव्यवहार का ब्यौरा : शून्य
2. आर्म लैंथ आधार पर महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं या संविदाओं का ब्यौरा : निम्नानुसार:

क्र.सं.	संविदाओं या व्यवस्थाओं या संव्यवहारों की प्रकृति	संविदा/व्यवस्थाओं/ संव्यवहारों की अवधि	मूल्य, यदि कोई हो, सहित संविदा/व्यवस्थाओं/ संव्यवहारों की प्रमुख शर्तें	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि (तिथियां), यदि कोई हो:	अग्रिम के रूप में प्रदत्त राशि, यदि कोई हो
1.	ईपीसी समझौता (हाइब्रिड वार्षिकी मोड (एचएएम) पर पंजाब राज्य में भारतमाला परियोजना के तहत लुधियाना बाईपास के साथ खरड़ तक स्पर सहित मानेवाल (लुधियाना) के पास एन.एच-5 गांव के जंक्शन से लेकर भियोरा गांव (रूपनगर) के पास एन.एच-205 के जंक्शन तक चार /छह लेन ग्रीनफील्ड लुधियाना-रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एन.एच-205के के निर्माण के लिए	नियत तिथि से 730 दिन और बाद में एनएचएआई द्वारा बढ़ाए गए	मझौता दिनांक 02 सितम्बर 2022 यह ठेका इरकॉन को 993.86 करोड़ रुपये + जीएसटी पर दिया गया है	22 जुलाई 2022	शून्य

	ईपीसी ठेकेदार के रूप में इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को ईपीसी ठेकेदार के रूप में नियुक्त करने हेतु)				
2.	<b>पट्टा करार</b> (इरकॉन के कार्यालय परिसर को पट्टे पर लेना)	एक वर्ष (01.02.2022 से 31.03.2023)*	पट्टा करार दिनांक 18 फरवरी, 2022 को 21,236/- रूपए प्रतिमाह जमा जीएसटी की दर से निष्पादित किया गया है।*	24 दिसंबर 2021	शून्य (आज की तिथि को)

निदेशक मंडल के निमित्त और उसकी ओर से  
इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड

(पराग वर्मा)

अध्यक्ष

डीआईएन: 05272169

दिनांक: 04.08.2023

स्थान: नई दिल्ली

# प्रताप ब्रिकम एंड एसोसिएट्स

चार্টर्ड एकाउंटेंट

## स्वतंत्र लेखापरीक्षा रिपोर्ट

इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड, नई दिल्ली के सदस्य

इंड एस वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा रिपोर्ट

### मत

हमने इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड ("कंपनी") के दिनांक 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र तथा दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि के विवरण (वृहत आय सहित), इक्विटी परिवर्तन विवरण तथा रोकड़ प्रवाह विवरण और उक्त समाप्त वर्ष के लिए तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य विवरणात्मक सूचना के सार की लेखापरीक्षा की है।

हमारे मतानुसार और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उपर्युक्त इंड एस वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") के अंतर्गत यथापेक्षित और कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015, यथा संशोधित ("इंड एस") के साथ पठित अधिनियम के अनुच्छेद 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानक और भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत अन्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार दिनांक 31 मार्च 2023 को कंपनी की कार्यप्रणाली और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और कुल वृहत आय, इक्विटी परिवर्तन और रोकड़ प्रवाह विवरण का सही और उचित रूप प्रस्तुत किया गया है।

### मत का आधार

हमने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों के अनुरूप इंड एस वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारे उत्तरदायित्वों को आगे हमारी रिपोर्ट के इंड एस वित्तीय विवरण खंड के लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व में उल्लिखित है। हम कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों और इसके अंतर्गत नियमों के तहत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के प्रति संगत नैतिक अपेक्षाओं के साथ आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक संहिता के अनुसार कंपनी स्वतंत्र हैं और हमने नैतिक संहिता और इन अपेक्षाओं के अनुसार अपने नैतिक उत्तरदायित्वों को पूरा किया है। हम विश्वास करते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य, वित्तीय विवरणों पर हमारे लेखापरीक्षा मत के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

## प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय के दौरान, वर्तमान अवधि के इंड एस वित्तीय विवरणों की हमारे लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को इंड एस वित्तीय विवरणों की हमारे लेखापरीक्षा के संदर्भ में समग्र रूप से समाधान किया गया है, और हम इन मुद्दों पर पृथक मत उपलब्ध नहीं कराते हैं।

हमने निर्धारित किया है कि हमारी रिपोर्ट में संप्रेषित करने हेतु कोई प्रमुख लेखापरीक्षा मामले नहीं है।

## इंड एस वित्तीय विवरण और उसकी लेखापरीक्षक रिपोर्ट से इतर अन्य सूचना

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। अन्य जानकारी में वार्षिक रिपोर्ट में प्रस्तुत की गई जानकारी शामिल है, लेकिन इंड एस वित्तीय विवरण और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट इसमें शामिल नहीं हैं।

इंड एस वित्तीय विवरणों पर हमारे मत, अन्य जानकारी को शामिल नहीं करते हैं और हम आश्वासनों को निष्कर्ष के किसी भी रूप को व्यक्त नहीं करते हैं।

इंड एस वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ना है और ऐसा करने पर, विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है या हमारी लेखापरीक्षा के दौरान प्राप्त हमारा ज्ञान या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होता है।

यदि हमारे द्वारा निष्पादित कार्य के आधार पर हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य सूचना में तथ्यात्मक दुर्विवरण है, तो हमें उसे प्रकट करना अपेक्षित है। इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

## स्टैंडएलोन इंड एस वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के लिए प्रभारितों का उत्तरदायित्व

कंपनी का निदेशक मंडल, इन वित्तीय विवरणों, जो कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015, समय-समय पर यथा संशोधित के साथ पठित अधिनियम के अनुच्छेद 133 में विनिर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एस) सहित भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, लाभ और हानि (अन्य वृहत आय सहित वित्तीय निष्पादन), रोकड़ प्रवाह और इक्विटी परिवर्तन के संबंध में वास्तविक और उचित स्थिति प्रस्तुत करते हैं, को तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अनुच्छेद 134 (5) में उल्लिखित विषयों के लिए उत्तरदायी है।

इस उत्तरदायित्व में कंपनी की परिसंपत्तियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा जालसाजी व अन्य अनियमितताओं के निवारण तथा उनका पता लगाने; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन तथा अनुप्रयोग; युक्तिसंगत तथा विवेकपूर्ण निर्णय तथा अनुमान लगाने; उपयुक्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के अभिकल्प, क्रियान्वयन और अनुरक्षण, जो लेखांकन रिकार्डों की परिशुद्धता और सम्पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए कुशलतापूर्वक प्रचालन कर रहीं थीं और वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुतीकरण के लिए संगत हैं जो वास्तविक और उचित स्थिति प्रस्तुत करना है और किसी प्रकार के सामग्रीगत दुर्विवरण, चाहे जालसाजी के कारण हो या त्रुटि के कारण, के निवारण के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार उपयुक्त लेखांकन रिकार्डों का अनुरक्षण भी शामिल है।



वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, प्रबंधन गोडंग कंसर्न, प्रकटन, यथा अपेक्षित, गोडंग कंसर्न संबंधी मुद्दों और लेखांकन के गोडंग कंसर्न के प्रयोग के साथ जारी रहने की कंपनी की क्षमता का आंकलन करने के लिए उत्तरदायी है, बशर्ते प्रबंधन या तो कंपनी को लिक्विडेट करना चाहती है या प्रचालन बंद करना चाहती है, या ऐसा करने के अतिरिक्त उसके पास कोई वास्तविक विकल्प है।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी के लिए भी उत्तरदायी हैं।

### **इंड एस वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक का उत्तरदायित्व**

हमारा उद्देश्य इस संबंध में युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण समग्र रूप से सामग्रीगत तथ्यात्मक दुर्विवरण, चाहे जालसाजी के कारण हो या त्रुटि से मुक्त हैं। युक्तिसंगत आश्वासन उच्च स्तरीय आश्वासन है, किन्तु यह गारंटी नहीं है कि मानक लेखांकन नीति के अनुसार किया गया लेखापरीक्षा सदैव तथ्यात्मक दुर्विवरण को खोज लेता है, जब वह विद्यमान हो। जालसाजी या त्रुटि से उत्पन्न होने वाले दुर्विवरण को तब महत्वपूर्ण माना जाता है, यदि एकल रूप में या समग्र रूप में वे युक्तिसंगत स्तर पर इन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करते हों।

लेखांकन मानक (एसए) के अनुसार लेखापरीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और लेखापरीक्षा के दौरान पेशेवर सतर्कता को बनाए रखते हैं। हम निम्नलिखित व्यवस्थाओं का भी अनुसरण करते हैं:

- वित्तीय विवरणों के तथ्यात्मक दुर्विवरण के जोखिमों की पहचान और आकलन करते हैं, कि क्या वे जालसाजी या त्रुटि या अभिकल्प के कारण हैं और लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं इन जोखिमों के प्रति प्रक्रियात्मक रूप से सक्रिय हैं, और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारे मत के लिए आधार प्रस्तुत करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं। जालसाजी के परिणामस्वरूप तथ्यात्मक दुर्विवरण का पता न लगा पाने का जोखिम मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर की गई चूक, पुनर्विनियोजन या आंतरिक नियंत्रण से बचने वाली जालसाजियों के परिणामस्वरूप होने वाले जोखिम से अधिक महत्वपूर्ण है।
- उन लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के निर्माण के उद्देश्य से लेखापरीक्षा के प्रति संगत आंतरिक नियंत्रण की समझ को प्राप्त करना, जो उक्त परिस्थितियों में उपयुक्त है। कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 143(3)(i) के अंतर्गत, हम अपने इस मत को भी अभिव्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं कि क्या कंपनी के पास उपयुक्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली विद्यमान है और ऐसे नियंत्रणों के लिए कुशलतापूर्वक कार्य कर रही है।
- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना और प्रबंधन द्वारा किए गए प्रकटनों के संबंध में लेखांकन अनुमानों और प्रकटनों की युक्तिसंगतता का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन के संबंधित आधार पर प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त उपयुक्तता और प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाना कि घटनाओं और परिस्थितियों के संबंध में तथ्यात्मक अनिश्चितता विद्यमान है, जो गोडंग कंसर्न के रूप में निरंतर कार्यरत रहने की कंपनी की क्षमता पर महत्वपूर्ण शंका उत्पन्न करती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि तथ्यात्मक अनिश्चितता विद्यमान है तो हमें उन वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटनों को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या, यदि ऐसे प्रकटन अपर्याप्त हैं

तो हमारे मत को अशोधित करना। हमारा निष्कर्ष हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तिथि को प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। तथापि, भावी घटनाएं और स्थितियां कंपनी के गोडंग कंसर्न के रूप में निरंतरता को बंद कर सकती है।

- प्रकटन सहित वित्तीय वक्तव्यों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन, और अवलोकन कि क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं को इस तरह से दर्शाते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्रस्तुत करते हैं।

भौतिकता, इंड-एस वित्तीय विवरणों में दुर्विवरण का परिमाण है, जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, यह संभवना उत्पन्न करता है कि वित्तीय विवरणों के युक्तिसंगत ज्ञानधारक उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय, प्रभावित हो सकते हैं। हम निम्नलिखित में मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं (i) हमारे लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और हमारे कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने हेतु; और (ii) वित्तीय विवरणों में किसी भी पहचाने गए दुर्विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु।

हम अन्य मामलों में, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय, तथा महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के साथ, आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियों को शामिल करते हैं, जिसे हम अपने लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम ये भी उल्लेख करते हैं कि स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ, समेकित की गई विवरण के शासन को प्रभारित करने और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों को सम्प्रेषित करने के लिए जिन्हें हमारी स्वतंत्रता के संबंध में युक्तिसंगत हैं, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय को प्रभारित करते हैं।

शासन द्वारा प्रभारितों को संचारित किए गए मामले जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्व के थे और इसलिए वे महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन इस मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण का प्रस्ताव नहीं देता है या जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले का संचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के दुष्परिणामों का यथोचित परिणाम अपेक्षित होगा।

### **अन्य मामले**

हम वित्तीय विवरणों के नोट सं. 24 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, को कोरोना वाइरस (कोविड-19) वैश्विक महामारी की स्थिति के कारण वित्तीय प्रभाव के संबंध में प्रबंधन के आकलन को दर्शाता है, जिसके लिए आगामी अवधि में प्रभाव का हमारा निवारक आकलन, उत्पन्न होने वाले परिस्थितियों पर आधारित है। इस संबंध में हमारा मत संशोधित नहीं है।

### **अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट**

1. कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 143 के उप धारा (11) की शर्तों के अनुसार भारत सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") द्वारा यथापेक्षित, उक्त आदेश के पैरा 3 और 4 में विनिर्दिष्ट विषयों पर एक विवरण **अनुबंध-क** के रूप में दे रहे हैं।
2. अधिनियम के धारा 143(3) द्वारा यथापेक्षित हम उल्लेख करते हैं कि:
  - (क) हमने वे सब सूचनाएं और स्पष्टीकरण मांगे व प्राप्त किए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक हैं।
  - (ख) हमारे मत में कंपनी ने विधि द्वारा अपेक्षित लेखा बही खातों का उचित रखरखाव किया है जैसा बही खातों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।
  - (ग) इस रिपोर्ट में वर्णित तुलनपत्र और अन्य वृहत आय सहित लाभ-हानि का विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण तथा इक्विटी परिवर्तन विवरण, बही खातों से मेल खाते हैं।
  - (घ) हमारे मत में उपर्युक्त इंड एस वित्तीय विवरण कंपनी (लेखा) नियम, 2015 के नियम 7 के साथ पठित, इस अधिनियम के धारा-133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं।
  - (ङ.) सरकारी कंपनी होने के नाते, अधिनियम की धारा-164(2) का प्रावधान भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जी.एस.आर.463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार लागू नहीं है।
  - (च) कंपनी में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली विद्यमान है और ऐसे नियंत्रण कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं और इस संबंध में "**अनुबंध-ख**" में हमारी पृथक रिपोर्ट का संदर्भ लें।
  - (छ) सरकारी कंपनी होने के नाते, अधिनियम की धारा-197 का प्रावधान भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जी.एस.आर.463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार लागू नहीं है।
  - (ज) कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षा) नियम, 2014 के नियम-11 के अनुसार लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य विषयों के संबंध में, हमारे मतानुसार और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार:
    - i. कंपनी का कोई मुकदमा लंबित नहीं है जो इसकी वित्तीय स्थिति को प्रभावित कर रहा हो।
    - ii. व्युत्पन्न अनुबंध सहित कंपनी का कोई दीर्घकालीन अनुबंध नहीं है जिसके कारण किसी प्रकार की सामग्रीगत भावी हानियां हों।
    - iii. ऐसी कोई राशियां नहीं थीं जिन्हें कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षा निधि में हस्तांतरित किए जाने की आवश्यकता हो।
    - iv. (क) प्रबंधन ने उल्लेख दिया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कोई धन उन्नत या उधार या निवेश नहीं किया गया है (या तो उधार ली गई निधि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत से (जिसकी भौतिकता व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से) विदेशी संस्था (मध्यस्थों) सहित, इस

तथ्य के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अन्य व्यक्तियों को उधार देगा या निवेश करेगा या कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से (अंतिम लाभार्थी) की पहचान की गई संस्थाएं या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान नहीं करती हैं।

(ख) प्रबंधन ने उल्लेख किया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति या इकाई से विदेशी संस्था (फंडिंग पार्टियां) सहित कोई धनराशि (जिसकी भौतिकता व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से) प्राप्त नहीं हुई है। इस तथ्य के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार या निवेश करेगी (अंतिम लाभार्थी) या वित्तपोषण पक्ष की ओर से या प्रदान करेगी, अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई गारंटी नहीं दी है, और

(ग) निष्पादित की गई लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, जिन्हें उक्त परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11(ड.) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत प्रस्तुतीकरण, जैसा कि ऊपर (ख) के तहत प्रदान किया गया है, इसमें कोई भी महत्वपूर्ण दुर्विवरण नहीं है।

v. कंपनी ने इस अवधि के दौरान तथा इस रिपोर्ट की तिथि तक किसी अंतिम या अंतरिम लाभांश का प्रस्ताव, घोषणा या भुगतान नहीं किया है, इसलिए, इस खंड के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

3. अधिनियम के अनुच्छेद 143(5) द्वारा अपेक्षित अनुसार और नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा उप-निदेशकों के अनुसार हम सूचित करते हैं कि:

क्र.सं	निदेश	लेखापरीक्षा का उत्तर
(i)	क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन संव्यवहारों की प्रक्रिया की प्रणाली विद्यमान है? यदि हां तो, वित्तीय परिणामों, यदि कोई हो, सहित लेखों की सत्यनिष्ठ पर आईटी प्रणाली के बाहर लेखंकन संव्यवहारों की प्रक्रिया को क्रियान्वित किया या है, कृपया स्पष्ट करें।	कंपनी सभी लेखांकन संव्यवहारों की प्रक्रिया के लिए सेप प्रणाली का प्रयोग कर रही है। हमें दी सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, कोई भी लेखांकन संव्यवहार आईटी प्रणाली से बाहर नहीं किया जाता है।
(ii)	क्या कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को किए गए ऋण/ऋण/ब्याज आदि को माफ करने/बट्टे खाते में डालने के मामले में मौजूदा ऋण का कोई पुनर्गठन किया गया है? यदि हां, तो इसका वित्तीय प्रभाव बताएं। क्या ऐसे मामलों का ठीक से हिसाब लगाया जाता है? (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो यह निदेश	जी नहीं, कंपनी में, ऋण के पुनर्भुगतान की कंपनी की अक्षमता के कारण देनदारों द्वारा कंपनी को दिए गए मौजूदा ऋणों की पुनर्संरचना या ऋण/उधार/ ब्याज आदि में छूट/बट्टा खाता डाले जाने को कोई मामला नहीं है।

	ऋणदाता कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है)।	
(iii)	क्या केन्द्रीय/राज्य सरकार की एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए कोई निधियां प्राप्त/प्राप्य हैं जिनका उनका उनकी शर्तों और निबंधनों के अनुसार लेखांकन/उपयोग किया गया है? विपथन के मामलों की सूची बताएं।	हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार तथा हमारे अभिलेखों की जांच के अनुसार, दिनांक 31 मार्च 2023 तक की अवधि के लिए केंद्र/राज्य सरकार या उसकी एजेंसियों से किसी विशिष्ट योजना के लिए कोई धनराशि प्राप्त/प्राप्य नहीं हुई है।

कृते प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म का पंजीकरण नं. 018387एन

सी.ए. विक्रम केसरवानी  
(साझेदार)  
सदस्यता संख्या 500354

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 12.05.2023

यूडीआईएन - 23500354BGUDKL1198

## स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक

(इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड की समतिथि रिपोर्ट के अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट अनुभाग के तहत पैराग्राफ-1 में संदर्भित)

हमारी सर्वोत्तम जानकारी और कंपनी द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार तथा लेखापरीक्षा की सामान्य प्रक्रिया में हमारे द्वारा लेखाबहियों और रिकार्डों की जांच के अनुसार, हम उल्लेख करते हैं कि:-

- i. चूंकि कंपनी के पास लेखापरीक्षा की अवधि के दौरान कोई परिसंपत्ति, संयंत्र, उपकरण, अमूर्त परिसंपत्तियां और प्रयोग अधिकार परिसंपत्ति नहीं है। इसलिए, इस आदेश का खंड 3(i)(क), (ख), (ग), (घ) तथा (ड.) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं हैं।
- ii. (क) कंपनी के पास कोई स्कंध नहीं है, और इसलिए, आदेश के खंड 3(ii)(क) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है। चूंकि समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी के पास कोई स्कंध नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड-ii के प्रावधान, कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।  
(ख) कंपनी को चालू परिसंपत्तियों की प्रतिभूति के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों से वर्ष के दौरान किसी भी समय कुल मिलाकर 5 करोड़ रूपए से अधिक की कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत नहीं की गई है और इसलिए, खंड 3(ii)(ख) का आदेश लागू नहीं है।
- iii. कंपनी ने कोई निवेश नहीं किया है, कोई गारंटी या प्रतिभूति प्रदान नहीं की है और ना ही कंपनियों, फर्मों या कोई अन्य पक्षों को सीमित देयता भागीदारी के लिए रक्षित या अरक्षित ऋण की प्रकृति में कोई ऋण या अग्रिम प्रदान किया है, इसके परिणामस्वरूप, आदेश का खंड 3(iii)(क)(ख)(ग)(घ) और (ड.) लागू नहीं होता है।
- iv. कंपनी ने, कोई ऋण प्रदान नहीं किया है, निवेश नहीं किया है और कोई गारंटी या प्रतिभूति नहीं दी है। इसलिए, इस आदेश का खंड 3(iv), कंपनी पर लागू नहीं होता है।
- v. कंपनी ने कोई भी जमाराशि या किसी अन्य राशि को स्वीकार नहीं किया है, जिसे जमा राशि माना जाए। इसलिए, इस आदेश के खंड 3(v) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- vi. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148(1) के तहत कंपनी ने लागत रिकार्डों को बनाए रखा है। हालांकि, हमें न तो ऐसा करने की आवश्यकता है और न ही ऐसे खातों और रिकॉर्डों की कोई विस्तृत जांच की है।
- vii. सांविधिक देयों के संबंध में:  
(क) हमारे मतानुसार, कंपनी आयकर, वस्तु और सेवा कर, सीमा शुल्क, उपकर और उस पर लागू होने वाले अन्य भौतिक सांविधिक देय सहित निर्विवाद वैधानिक बकाया राशि को उपयुक्त अधिकारियों के पास जमा करने में नियमित रही है। माल और सेवाकर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री-कर के संबंध में कोई भी निर्विवाद राशि और कोई अन्य सांविधिक बकाया देय नहीं है जो दिनांक 31 मार्च 2023 तक देय होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया नहीं थे।

- (ख) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की जांच के अनुसार, माल एवं सेवाकर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य संवर्धित कर, उपकर के संबंध में कोई राशि देय नहीं है, जो किसी भी विवाद के कारण दिनांक 31 मार्च, 2023 तक जमा नहीं किया गया है।
- viii. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत पूर्व में रिकार्ड न की गई आय से संबंधित कोई लेनदेन नहीं की गई है, जिसे कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या प्रकट किया गया हो।
- ix. (क) कंपनी ने किसी देनदार से कोई ऋण और अन्य उधार नहीं लिए हैं, इसलिए, इस आदेश के धारा 3(ix)(क) के अंतर्गत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- (ख) कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा स्वैच्छिक रूप से चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।
- (ग) कंपनी को वर्ष के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा से 570.82 करोड़ रुपये का सावधि ऋण स्वीकृत किया गया है, लेकिन कंपनी ने इस अवधि के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया/उपयोग नहीं किया है और अवधि की शुरुआत में कोई सावधि ऋण बकाया नहीं है। इसलिए, आदेश के धारा 3(ix)(ग) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- (घ) कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच पर, अल्पकालिक आधार पर धन एकत्र नहीं किया गया है, और प्रथम दृष्टया, कंपनी द्वारा लंबी अवधि के उद्देश्यों के लिए उक्त अवधि के दौरान इसका उपयोग नहीं किया गया है।
- (ङ.) कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच पर, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी संस्था या व्यक्ति से कोई धन नहीं लिया है।
- (च) कंपनी ने इस अवधि के दौरान कोई ऋण नहीं लिया है और इसलिए आदेश के धारा 3(ix)(च) पर रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- x. क) कंपनी ने इस अवधि के दौरान इनीशियल पब्लिक आफर या भावी पब्लिक आफर (ऋण लिखतों सहित) के माध्यम से धन नहीं जुटाया है और इसलिए आदेश के धारा 3 (x) (क) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- ख) इस अवधि के दौरान, कंपनी ने शेयरों का या परिवर्तनीय डिबेंचर (पूर्ण तरह या आंशिक रूप से) का कोई प्राथमिक आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है। इसलिए आदेश के धारा 3(x)(ख) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- xi. (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी या कंपनी पर कोई धोखाधड़ी नहीं देखी गई या रिपोर्ट नहीं की गई।

(ख) कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत इस अवधि के दौरान और रिपोर्ट की तिथि तक, निर्धारित फॉर्म एडीटी-4 में केंद्रीय सरकार के साथ कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

(ग) वर्ष के दौरान (और इस रिपोर्ट की तिथि तक) कंपनी द्वारा कोई व्हिसल ब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं की गई ।

- xii. कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है और इस प्रकार, आदेश के धारा 3 (xii) के अंतर्गत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- xiii. हमारे मत में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, संबंधित पक्षों के साथ सभी लेनदेन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188 के अनुपालन में हैं, जहां लागू हो और लागू लेखांकन मानकों द्वारा यथापेक्षित वित्तीय विवरणों में विवरण का प्रकटन किया गया है।
- xiv. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार कंपनी के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली होने अपेक्षित नहीं है।
- xv. हमारे मतानुसार, इस अवधि के दौरान कंपनी ने अपने निदेशकों या अपने निदेशकों से जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है और इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं हैं
- xvi. (क) हमारे मतानुसार, कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है, इसलिए, आदेश के खंड 3(xvi) (क), (ख) और (ग) लागू नहीं हैं।  
(ख) हमारे मतानुसार, समूह के भीतर कोई मुख्य निवेश कंपनी नहीं है (जैसा कि कोर निवेश कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 2016 में परिभाषित किया गया है) और तदनुसार, आदेश के धारा 3(xvi) (घ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- xvii. हमारे लेखापरीक्षा अवधि के दौरान कंपनी को कोई नकद घाटा नहीं हुआ है।
- xviii. वर्ष के दौरान सांविधिक लेखापरीक्षकों का कोई त्यागपत्र नहीं दिया गया है।
- xix. वित्तीय परिसंपत्तियों के वित्तीय अनुपात, उनकी आयु, उनकी वसूली की संभावित तिथि तथा वित्तीय देयताओं के भुगतान, अन्य संलग्न वित्तीय विवरणों और निदेशक मंडल और प्रबंधन की योजना के संबंध में हमारे ज्ञान के आधार पर और अनुमानों के पक्ष में साक्ष्यों की हमारी जांच के आधार पर, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ नहीं आया है, जिसके कारण हमें विश्वास करना पड़े कि कंपनी तुलन पत्र की तारीख को अपनी मौजूदा देयताओं को तुलनपत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर पूरा करने में सक्षम नहीं है, को दर्शाते हुए लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तिथि को कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता विद्यमान नहीं है। हालांकि, हम उल्लेख करते हैं कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में कोई आश्वासन नहीं है। हम आगे उल्लेख करते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग, लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तारीख तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं कि तुलनपत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होने वाली सभी देनदारियों को कंपनी द्वारा निष्पादित कर दिया है।



xx. (क) इस अधिनियम धारा-135 की उप धारा (5) के दूसरे प्रावधान के अनुपालन में कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII में निर्दिष्ट निधि में स्थानांतरण की आवश्यकता के लिए चल रही परियोजनाओं के अलावा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए कोई अव्ययित राशि नहीं है। तदनुसार, आदेश की धारा 3(xx)क के तहत रिपोर्टिंग अवधि के लिए लागू नहीं है।

(ख) इस अवधि के लिए चालू परियोजनाओं पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए कोई राशि खर्च नहीं की गई है।

xxi. चूंकि इसमें कोई समेकन वित्तीय विवरण शामिल नहीं है, यह धारा कंपनी पर लागू नहीं होता है।

कृते प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म का पंजीकरण नं. 018387एन

सी.ए. विक्रम केसरवानी  
(साझेदार)  
सदस्यता संख्या 500354

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 12.05.2023

यूडीआईएन – 23500354BGUDKL1198

31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड के स्टैंडएलोन वित्तीय विवरणों पर समसंख्यक स्वतंत्र लेखापरीक्षक रिपोर्ट का अनुलग्न-ख।

**कंपनी अधिनियम 2013 ("अधिनियम") के खंड-143 के उप खंड-3 के खंड-(i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट**

हमने दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के इंड एस वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के समायोजन में दिनांक 31 मार्च 2023 को इरकॉन इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड ("कंपनी") की वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की है।

**आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व**

कंपनी का प्रबंधन, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा संबंधी दिशानिर्देश के नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मापदंड पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की स्थापना तथा अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी है। इन उत्तरदायित्वों में शामिल हैं - कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत यथा अपेक्षित कंपनी के नियमों के अनुपालन, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, जालसाजी और चूकों का निवारण औं संसूचन, लेखांकन रिकार्डों की सटीकता व संपूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय सूचना को समय पर तैयार करने के साथ, अपने व्यवसाय के सुव्यवस्थित तथा कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कुशल रूप से प्रचालित हो रही आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के अशिकल्प, क्रियान्वयन का अनुरक्षण शामिल हैं।

**लेखापरीक्षक का उत्तरदायित्व**

हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर अपना मत अशिव्यक्त करना है। हमने आईसीएआई द्वारा जारी, लेखांकन पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर दिशानिर्देश नोट ("दिशानिर्देश नोट") के अनुसार लेखापरीक्षा की है और इसे भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर लागू आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा के स्तर तक कंपनी अधिनियम 2013 के खंड 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित किया गया है। इन मानक तथा दिशानिर्देश नोट में अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं के साथ अनुपालन करें और इस प्रकार युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और अनुरक्षित किया गया है और क्या ऐसे नियंत्रण सभी सामग्रीगत पहलुओं में कुशलतापूर्वक प्रचालन कर रहे हैं।

हमारी लेखापरीक्षा में, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और उनके प्रचालन की कुशलता के संबंध में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की निष्पादन प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय

नियंत्रण की हमारी लेखापरीक्षा में शामिल हैं - वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करना, इस जोखिम का आंकलन करना कि सामग्रीगत कमजोरी मौजूद है, तथा आकलित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के अभिकल्प और प्रचालन कुशलता का परीक्षण और मूल्यांकन। चयनित प्रक्रियाएं वित्तीय विवरणों के सामग्रीगत दुर्विवरण, चाहे जालसाजी हो या त्रुटि, के जोखिम के आंकलन सहित लेखापरीक्षा के विवेक पर निर्भर करता है।

हम विश्वास करते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारे लेखापरीक्षा मत के लिए पर्याप्त और उपयुक्त आधार उपलब्ध कराता है।

### **वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ**

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण, वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और सामान्य रूप से स्वीकृत वित्तीय सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में युक्तिसंगत आश्वासन उपलब्ध कराने के लिए अकल्पित प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं (1) उन रिकार्डों के अनुरक्षण से संबंधित हैं, जो युक्तिसंगत ब्योरे में, कंपनी की परिसंपत्तियों के संव्यवहारों और निपटाने को सटीक और उचित रूप से प्रदर्शित करता हैं। (2) युक्तिसंगत आश्वासन उपलब्ध कराते हैं कि सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन नीति के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए यथा आवश्यक रूप से संव्यवहारों को रिकार्ड किया गया है और कि कंपनी की पावतियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए गए हैं। (3) कंपनी की परिसंपत्ति के अप्राधिकृत अधिग्रहण, प्रयोग, निपटान के निवारण और समय पर संसूचन के संबंध में युक्तिसंगत आश्वासन उपलब्ध कराना, जो वित्तीय विवरणों को वास्तविक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

### **वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमितताएं**

चूंकि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमितताओं में नियंत्रणों के टकराव या अनुचित प्रबंधन अधिरोहण की संभावनाएं शामिल हैं, इसलिए, चूक और जालसाजी के कारण सामग्रीगत दुर्विवरण हो सकता है और उसका पता नहीं लग पाएगा। इसके अतिरिक्त, भावी अवधियों के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन का अनुमान इस जोखिम के मद्देनजर होगा कि आंतरिक रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण शर्तों में परिवर्तन के कारण अनुपयुक्त हो सकता है, या कि नीतियों और प्रतिक्रिया के अनुपालन का स्तर खराब हो सकता है।

**मत**

हमारे मतानुसार, नियंत्रण मापदंड के उद्देश्यों की उपलब्धि पर उपर्युक्त उल्लिखित सामग्रीगत खामियों के प्रभाव/संभावित प्रभावों को छोड़कर, कंपनी ने वित्तीय रिपोर्टिंग पर सही सामग्रीगत पहलुओं में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को अनुरक्षित किया है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर दिशानिर्देश नष्ट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित आंतरिक रिपोर्टिंग मापदंड पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर 31 मार्च, 2023 से कुशलतापूर्वक प्रचालन कर रहे हैं।

कृते प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
फर्म का पंजीकरण नं. 018387एन

सी.ए. विक्रम केसरवानी  
(साझेदार)  
सदस्यता संख्या 500354

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 12.05.2023

यूडीआईएन – 23500354BGUDKL1198

इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड

सीआईएन :- U45309DL2021GOI391675

31 मार्च, 2023 को तुलन पत्र

(सभी राशियां भारतीय लाख रुपये में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

	विवरण	नोट	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
I.	<b>परिसंपत्तियां</b>			
1	<b>गैर चालू परिसंपत्ति</b>			
	(क) परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण		-	-
	(ख) आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध)	3	0.04	0.05
	(ग) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियां		-	-
	<b>कुल गैर - मौजूदा परिसंपत्तियां</b>		<b>0.04</b>	<b>0.05</b>
2	<b>चालू परिसंपत्तियां</b>			
	(क) वित्तीय संपत्ति	4		
	(i) नकद और नकद समकक्ष	4.1	11.88	3.90
	(ii) ऋण		-	-
	(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	4.2	2,423.62	1.47
	(ख) अन्य चालू परिसंपत्ति	5	443.55	-
	<b>कुल मौजूदा संपत्तियां</b>		<b>2,879.05</b>	<b>5.37</b>
	<b>कुल संपत्ति</b>		<b>2,879.09</b>	<b>5.42</b>
II.	<b>इक्विटी और देयता</b>			
1	<b>इक्विटी</b>			
	(क) इक्विटी शेयर पूंजी	6	5.00	5.00
	(ख) अन्य इक्विटी	7	88.93	(0.06)
	<b>कुल इक्विटी</b>		<b>93.93</b>	<b>4.94</b>
2	<b>देयताएं</b>			
	<b>गैर मौजूदा देनदारियां</b>			
	(क) वित्तीय देनदारियां			
	(i) पट्टा देनदारियाँ		-	-
	(ii) व्यापार देय			
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया		-	-
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों को छोड़कर अन्य लेनदारों का कुल बकाया		-	-
	<b>कुल गैर-चालू देनदारियाँ</b>		<b>-</b>	<b>-</b>

3	<b>वर्तमान देनदारियां</b>			
	(क) वित्तीय देनदारियां	8		
	(i) पट्टा देनदारियाँ		-	-
	(ii) व्यापार देय			
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	8.1	2.78	-
	- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों को छोड़कर अन्य लेनदारों का कुल बकाया	8.1	2,704.61	0.37
	(iii) अन्य वित्तीय देनदारियाँ	8.2	7.12	-
	(ख) अन्य चालू देनदारियाँ	9	70.65	-
	(सी) वर्तमान कर देनदारियां (निवल)	10	-	0.11
	<b>कुल चालू दायित्व</b>		<b>2,785.16</b>	<b>0.48</b>
	<b>कुल शेयर और देनदारियां</b>		<b>2,879.09</b>	<b>5.42</b>

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश

2

संलग्न नोट वित्तीय विवरण का अभिन्न अंग हैं

3 से 37

समतिथिक हमारी रिपोर्ट के अनुसार  
प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स हेतु  
आईसीएआई फर्म पंजीकरण संख्या: 0018387एन  
सनदी लेखाकार

निदेशक मंडल के कृति और की ओर से  
इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड

विक्रम केसरवानी  
साझेदार  
आईसीएआई सदस्यता संख्या: 500354

मुगुंथन बोजू गौड़ा  
(निदेशक)  
(डीआईएन:-08517013)

मसूद अहमद  
(निदेशक)  
(डीआईएन:-09008553)

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 12.05.2023

**इरकाँन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड**  
**सीआईएन :- U45309DL2021GOI391675**

**31 मार्च, 2023 को लाभ और हानि विवरण**

(सभी राशियाँ भारतीय लाख रुपये में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

विवरण	नोट	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
<b>आय</b>			
प्रचालन से राजस्व	11	2,422.15	1.47
अन्य आय		-	-
<b>कुल आय (क)</b>		<b>2,422.15</b>	<b>1.47</b>
<b>व्यय</b>			
परियोजना व्यय	12	2,333.37	-
कर्मचारी लाभ व्यय	13	24.97	-
वित्त लागत	14	2.47	-
मूल्यहास और परिशोधन व्यय		-	-
अन्य व्यय	15	61.34	1.47
<b>कुल व्यय (ख)</b>		<b>2,422.15</b>	<b>1.47</b>
<b>कर पूर्व लाभ/(हानि) (क-ख)</b>		<b>-</b>	<b>-</b>
<b>कर व्यय</b>	3		
चालू कर		-	0.11
आस्थगित कर (शुद्ध)		0.01	(0.05)
		<b>0.01</b>	<b>0.06</b>
<b>अवधि के लिए लाभ/(हानि)। अन्य वृहत आय/(हानि)</b>		<b>(0.01)</b>	<b>(0.06)</b>
क) मद, जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		-	-
ख) मद, जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		-	-
अवधि के लिए अन्य वृहत आय/(हानि) (कर का शुद्ध)		-	-
अवधि के लिए कुल वृहत आय/(हानि)।		<b>(0.01)</b>	<b>(0.06)</b>
प्रति इक्विटी शेयर आय (प्रति इक्विटी शेयर अंकित मूल्य 10 रु.)	19		
मूल		(0.02)	(0.12)
विलयित		(0.02)	(0.12)

समतिथिक हमारी रिपोर्ट के अनुसार  
 प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स हेतु  
 आईसीएआई फर्म पंजीकरण संख्या: 0018387एन  
 सनदी लेखाकार

निदेशक मंडल के कृति और की ओर से  
 इरकाँन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड

विक्रम केसरवानी  
 साझेदार  
 आईसीएआई सदस्यता संख्या: 500354

मुगुंथन बोजू गौड़ा  
 (निदेशक)  
 (डीआईएन:-08517013)

मसूद अहमद  
 (निदेशक)  
 (डीआईएन:-09008553)

स्थान : नई दिल्ली  
 दिनांक : 12.05.2023

**इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड**

**सीआईएन :- U45309DL2021GOI391675**

**31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु रोकड प्रवाह विवरण**

(सभी राशियां भारतीय लाख रुपये में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

विवरण		31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
<b>क. प्रचालन गतिविधियों से रोकड प्रवाह</b>			
कर पूर्व लाभ		-	-
समायोजन:			
मूल्यहास/परिशोधन		-	-
ब्याज आय		-	-
ब्याज व्यय		-	-
परिसंपत्तियों के निपटान से हानि		-	-
अशोध्य ऋण		-	-
पूर्ववर्ती वर्षों के लिए कर		-	-
<b>कार्यशील पूंजी प्रभारों से पूर्व प्रचालनिक लाभ</b>		-	-
<b>कार्यशील पूंजी में संचलन</b>			
अन्य गैर-चालू देयता में वृद्धि/(कमी)		-	-
अन्य चालू वित्तीय देनदारियों में वृद्धि/(कमी)		7.11	-
चालू व्यापार देय में वृद्धि/(कमी)		2,707.02	0.37
अन्य गैर-चालू वित्तीय देनदारियों में वृद्धि/(कमी)		-	-
अन्य चालू दायित्व में वृद्धि/(कमी)		70.65	-
गैर-चालू प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)		-	-
चालू प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)		-	-
व्यापार प्राप्य में कमी/(वृद्धि)		-	-
इन्वेंट्री में कमी/(वृद्धि)		-	-
गैर चालू वित्तीय ऋणों में कमी/(वृद्धि)		-	-
ऋण एवं चालू वित्तीय परिसंपत्तियों में कमी/(वृद्धि)		(2,422.14)	(1.47)
अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियों में कमी/(वृद्धि)		-	-
अन्य चालू परिसंपत्तियों में कमी/(वृद्धि)		(443.55)	-
<b>प्रचालनों से सृजित रोकड</b>		<b>(80.91)</b>	<b>(1.10)</b>
घटा: प्रदत्त आयकर		0.11	-
<b>परिचालन गतिविधियों से/(इनमें प्रयुक्त) शुद्ध रोकड प्रवाह</b>	<b>(क)</b>	<b>(81.02)</b>	<b>(1.10)</b>
<b>ख. निवेश गतिविधियों से रोकड प्रवाह</b>			
पीपीई की खरीद		-	-
ब्याज आय		-	-
<b>निवेश गतिविधियों से/(इनमें प्रयुक्त) शुद्ध रोकड प्रवाह</b>	<b>(ख)</b>	<b>-</b>	<b>-</b>



ग. वित्तीय गतिविधियों से रोकड प्रवाह शेयर पूंजी के तत्काल निर्गम से प्राप्त आय ब्याज व्यय अर्ध पूंजी के रूप में इरकाँन इंटरनेशनल लिमिटेड से ऋण			- - 89.00	5.00 - -
वित्तपोषण गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह/(में प्रयुक्त)	(ग)		89.00	5.00
रोकड और रोकड समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/(कमी)। अवधि की शुरुआत में रोकड और रोकड समकक्ष	(क+ख+ग)		7.98 3.90	3.90 -
रोकड और रोकड समकक्षों का समापन			11.88	3.90
<b>टिप्पणियाँ:</b>				
1) कोष्ठक में दिए गए आंकड़े नकदी बहिर्वाह दर्शाते हैं				
2) उपरोक्त रोकड प्रवाह विवरण, कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत अधिसूचित इंड एस-7 'रोकड प्रवाह विवरण' में निर्धारित अप्रत्यक्ष पद्धति के तहत				
3. रोकड प्रवाह के उपरोक्त विवरण में शामिल रोकड और रोकड समकक्षों और नकदी और नकद समकक्षों के घटकों का समाधान:				
<b>विवरण</b>		<b>31 मार्च 2023 को</b>	<b>31 मार्च 2022 को</b>	
रोकड और रोकड समकक्षों के घटक				
- उपलब्ध रोकड		-	-	
- चालू खाते में बैंकों के साथ		11.88	3.90	
<b>तुलन पत्र और रोकड प्रवाह विवरण के अनुसार कुल रोकड और रोकड</b>		<b>11.88</b>	<b>3.90</b>	
महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश	2			
संलग्न नोट वित्तीय विवरणों का अभिन्न भाग हैं	3 से 37			

समतिथिक हमारी रिपोर्ट के अनुसार  
प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स हेतु  
आईसीएआई फर्म पंजीकरण संख्या: 0018387एन  
सनदी लेखाकार

निदेशक मंडल के कृति और की ओर से  
इरकाँन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड

विक्रम केसरवानी  
साझेदार  
आईसीएआई सदस्यता संख्या: 500354

मुगुंथन बोजू गौड़ा  
(निदेशक)  
(डीआईएन:-08517013)

मसूद अहमद  
(निदेशक)  
(डीआईएन:-09008553)

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 12.05.2023

**इरकाँन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड**

सीआईएन :- U45309DL2021GOI391675

31 मार्च 2023 को इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

(सभी राशियां भारतीय लाख रुपये में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

## (a) इक्विटी शेयर पूंजी

विवरण	राशि
24 दिसंबर, 2021 तक शेष राशि	-
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	5.00
<b>31 मार्च 2022 तक शेष राशि</b>	<b>5.00</b>
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-
<b>31 मार्च 2023 तक शेष राशि</b>	<b>5.00</b>

## (ख) अन्य इक्विटी

विवरण	आरक्षित निधि व अतिरिक्त	अन्य वृहत आय	Quasi equity	Total
	प्रतिधारण आमदनी			
24 दिसंबर, 2021 तक शेष राशि	-	-	-	-
वर्ष का लाभ	(0.06)	-	-	(0.06)
अन्य वृहत आय	-	-	-	-
<b>अवधि के लिए कुल वृहत आय</b>	<b>(0.06)</b>	-	-	<b>(0.06)</b>
अर्ध इक्विटी में वृद्धि	-	-	-	-
<b>31 मार्च, 2022 तक शेष राशि</b>	<b>(0.06)</b>	-	-	<b>(0.06)</b>
1 अप्रैल 2022 तक शेष राशि	(0.06)	-	-	(0.06)
अवधि के लिए कुल लाभ	(0.01)	-	-	(0.01)
अवधि के लिए अन्य वृहत आय	-	-	-	-
<b>अवधि के लिए कुल वृहत आय</b>	<b>(0.01)</b>	-	-	<b>(0.01)</b>
अर्ध इक्विटी में वृद्धि	-	-	89.00	89.00
<b>31 मार्च, 2023 तक</b>	<b>(0.07)</b>	-	<b>89.00</b>	<b>88.93</b>

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश

संलग्न नोट वित्तीय विवरणों का अभिन्न भाग हैं

2

3 से 37

समतिथिक हमारी रिपोर्ट के अनुसार  
प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स हेतु  
आईसीएआई फर्म पंजीकरण संख्या: 0018387एन  
सनदी लेखाकार

निदेशक मंडल के कृति और की ओर से  
इरकाँन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड

विक्रम केसरवानी  
साझेदार  
आईसीएआई सदस्यता संख्या: 500354

मुगुंथन बोजू गौड़ा  
(निदेशक)  
(डीआईएन:-08517013)

मसूद अहमद  
(निदेशक)  
(डीआईएन:-09008553)

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 12.05.2023

## इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड

दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष लिए वित्तीय विवरणों पर नोट

### 1. निगमित सूचना

इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड ("कंपनी") भारत में अधिवासित और निगमित है और भारत में अधिवासित सार्वजनिक क्षेत्र की निर्माण कंपनी इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह कंपनी (सीआईएन : यू45309डीएल2021जीओआई 391675) भारत में लागू कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत निगमित है।

यह कंपनी उस समय अस्तित्व में आई, जब इरकॉन को भारतमाला परियोजना (चरण- II - पैकेज-XIV) के तहत हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर पंजाब राज्य में भारतमाला परियोजना के तहत लुधियाना बाईपास पर स्पर सहित मानेवाल (लुधियाना) के पास एनई-5 गांव के जंक्शन से भेओरा गांव (रूपनगर) के पास एनएच 205 के साथ जंक्शन तक चार/छह लेन वाले ग्रीनफील्ड लुधियाना-रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एनएच-205के का निर्माण कार्य सौंपा गया था। "प्रस्ताव के लिए अनुरोध" के प्रावधानों के अनुसार, चयनित बोलीदाता 'इरकॉन' ने इरकॉन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड नामक एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) का गठन किया, जिसका निगमन दिनांक 24.12.2021 को किया गया। तदनुसार, कंपनी ने दिनांक 25 मार्च, 2022 को 1107 करोड़ रुपये के परियोजना मूल्य (परियोजना लागत में प्रचालनिक और अनुरक्षण लागत शामिल नहीं है) के लिए एनएचएआई के साथ रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रियायती अवधि, वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) से 15 वर्ष है और निर्माण अवधि, नियत तिथि अर्थात दिनांक 16 फरवरी 2023 से 730 दिन है। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय सी-4, जिला केंद्र, साकेत, नई दिल्ली-110017 में स्थित है।

कंपनी की प्रस्तुतीकरण और क्रियात्मक मुद्रा भारतीय रूपए (आईएनआर) है। वित्तीय विवरण में आंकड़ों को दो दशमलव तक राउंड ऑफ करते हुए लाख रूपए में प्रस्तुत किया गया है केवल प्रति शेयर डाटा और अन्यथा उल्लेख किया गया हो, को छोड़कर।

स्टैंडएलोन वित्तीय विवरणों को दिनांक 12.05.2023 को आयोजित अपनी बैठक में कंपनी क निदेशक मंडल द्वारा जारी किए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।

### 2. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

#### 2.1 तैयार करने का आधार

कम्पनी के वित्तीय विवरणों का निर्माण कम्पनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 (समय समय पर यथासंशोधित) के नियम 3 के साथ पठनीय कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अंतर्गत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (इंड एस) तथा कम्पनी अधिनियम, 2013 (इंड एस अनुपालन अनुसूची-III) की अनुसूची-III के भाग-II, वित्तीय विवरणों के संबंध में लागू, सहित भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों का अनुसरण करके किया गया है।

वित्तीय विवरणों का निर्माण गोइंग कंसर्न आधार पर प्रोद्भवन लेखांकन प्रणाली का अनुसरण करके किया गया है। कम्पनी ने परिसम्पतियों एवं देयताओं के लागत आधार के लिए ऐतिहासिक लागत को स्वीकार किया है जो उचित मूल्य पर मापन की गई निम्नलिखित परिसम्पतियों एवं देयताओं के अतिरिक्त है :-

- प्रावधान, जहां धन का समय मूल्य सामग्रीगत है वहां मापन वर्तमान मूल्य पर किया गया है।
- कतिपय वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं का मापन उचित मूल्य पर किया गया है।
- परिभाषित लाभ योजना तथा अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ।

## 2.2 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सार

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयुक्त महत्वपूर्ण वित्तीय लेखांकन नीतियों का सार नीचे प्रस्तुत है। इन महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को इस वित्तीय विवरण में प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए निरंतर रूप से लागू किया गया है।

### 2.2.1 चालू बनाम गैर-चालू वर्गीकरण

कम्पनी द्वारा तुलन पत्र में परिसम्पतियों एवं देयताओं की प्रस्तुति चालू/गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर गई है।

किसी परिसम्पति को चालू तब माना जाता है जब :

- सामान्य प्रचालन क्रम में बेची जानी हो अथवा बेचने के लिए निर्धारित हो अथवा उपयोग किया जाना हो,
- जो मुख्यतः व्यापार के उद्देश्य से धारित की गई है,
- जो रिपोर्टिंग अवधि के पश्चात बारह माह के भीतर बेची जानी संभावित हो, या
- रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य, बशर्ते विनिमय अथवा रिपोर्टिंग अवधि के पश्चात कम से कम बारह माह में किसी देयता के निपटान के लिए उपयोग के लिए नहीं है,

कम्पनी ने अन्य सभी परिसम्पतियों को गैर-चालू परिसम्पति के रूप में वर्गीकृत किया है।

कोई देयता चालू तब होती है जब :

- उसका समाधान सामान्य प्रचालन क्रम में किया जाना हो,
- जो मुख्यतः व्यापार के उद्देश्य से धारित की गई है,
- जो रिपोर्टिंग अवधि के पश्चात 12 माह के भीतर समाधान की जानी संभावित हो
- जिसके प्रति रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति के पश्चात कम से कम बारह माह के लिए किसी देयता के समाधान को आस्थगित करने का अप्रतिबंधित अधिकार प्राप्त न हो।

कम्पनी ने अन्य सभी देयताओं का वर्गीकरण गैर-चालू देयता के रूप में किया है।

आस्थगित कर परिसम्पतियों एवं देयताओं का वर्गीकरण गैर-चालू परिसम्पति एवं देयताओं के रूप में किया गया है।

प्रचालन क्रम प्रस्संकरण के लिए अधिगृहित गई परिसम्पतियों एवं रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य से होने वाली प्राप्ति के मध्य का समय काल है। कम्पनी ने परिचालन क्रम के लिए 12 माह निश्चित किए हैं।

## 2.2.2 सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण

### स्वीकृति एवं प्रारंभिक मापन

सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण की स्वीकृति तब की जाती है जब ऐसी मद से संबद्ध भावी आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना हो तथा प्रत्येक मद का मापन विश्वसनीय रूप से किया जा सकता हो। सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण का प्रारंभिक मापन लागत पर किया जाता है।

परिसम्पति की लागत में शामिल है :

- क) क्रय मूल्य, किसी व्यापार छूट एवं रियायत का निवल।
- ख) ऋण लागतें यदि पूंजीयन मापदंड पूरे किए गए हैं।
- ग) परिसम्पति के अधिग्रहण से प्रत्यक्ष सम्बद्ध लागत जिसका वहन परिसम्पति को प्राप्त करने एवं निर्धारित उद्देश्य से कार्यशील बनाने के लिए किया गया है।
- घ) निर्माण अवधि के दौरान अप्रत्यक्ष निर्माण के भाग के रूप में पूंजीयन किए गए आनुषंगिक व्यय जो निर्माण से संबंधित व्यय से प्रत्यक्ष संबंधित है अथवा उसके संबंध में आनुषंगिक हैं।
- ङ) स्वीकृति मापदंड पूरे किए जाने पर मदों को अलग-अलग करने तथा हटाए जाने तथा स्थल नवीकरण करने की अनुमानित लागत का वर्तमान मूल्य।

फ्रीहोल्ड भूमि का वहन ऐतिहासिक लागत पर किया गया है।

### अनुवर्ती मापन

सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण का अनुवर्ती मापन संचित मूल्यह्रास एवं संचित अक्षमता हानियों, यदि कोई हों, के साथ लागत पर किया जाता है। अनुवर्ती व्यय का पूंजीयन तब किया जाता है जब ऐसे व्यय से संबद्ध भावी आर्थिक लाभ कम्पनी को प्राप्त होने की संभावना हो तथा व्यय की लागत का मापन विश्वसनीयता के साथ किया जा सकता हो।

दीर्घकालिक निर्माण परियोजना के लिए प्रतिस्थापन, प्रमुख जांच, महत्वपूर्ण पूर्णों की मरम्मत तथा ऋण लागतों का पूंजीयन स्वीकृति मापदंड पूरे होने पर किया जाता है।

मशीनरी के अतिरिक्त पूर्णों का पूंजीयन स्वीकृति मापदंड पूरे होने पर किया जाता है।

### मूल्यह्रास एवं उपयोज्यता काल

सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण का मूल्यह्रास, बिना मिआद वाले पट्टे पर प्राप्त फ्रीहोल्ड भूमि एवं पट्टाधारित भूमि को छोड़कर, कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची में निर्दिष्ट परिसम्पतियों के अनुमानित उपयोज्यता

काल के अनुसार सीधी रेखा आधार पर किया गया है।

हालाँकि, परिसंपत्तियों के कुछ वर्ग के मामले में कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित से भिन्न, उपयोगी जीवन का उपयोग करती है। परिसंपत्तियों के उन वर्गों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर उपयोगी जीवन का मूल्यांकन किया गया है, परिसंपत्ति से आर्थिक लाभ प्राप्त करने के प्रबंधन के सर्वोत्तम अनुमान के आधार पर परिसंपत्ति का अनुमानित उपयोग। तकनीकी मूल्यांकन अर्थात् कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II के अनुसार अनुमानित उपयोगी जीवन का खुलासा खातों के नोट्स में किया गया है।

अवधि के दौरान आनुपातिक आधार पर परिसम्पत्ति के उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तिथि से निपटान किए जाने की तिथि तक सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण में किए गए आवर्धन/घटाव का मूल्यहास आनुपातिक आधार पर किया गया है।

सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के प्रत्येक भाग का मूल्यहास, यदि भाग मद की लागत के योग के संबंध में महत्वपूर्ण है तथा ऐसे भाग का उपयोज्यता काल शेष परिसम्पत्तियों के उपयोज्यता काल से भिन्न है, अलग से लागत पर किया गया है। मिआद मुक्त पट्टे पर प्राप्त की गई पट्टाधारित भूमि का परिशोधन नहीं किया गया है। स्थायी पट्टा आधार पर अधिग्रहीत पट्टेवाली भूमि को परिशोधित नहीं किया गया है।

अवधि के दौरान अधिग्रहित की गई सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण, जिनकी अलग अलग लागत 5000/— रूपए है, का पूर्ण मूल्यहास निर्धारण के तौर पर 1 रूपए के टोकन मूल्य के साथ कर लिया गया है। तथापि, कर्मचारियों को उपलब्ध करवाए गए मोबाइल फोन, उनके मूल्य को संज्ञान में लिए बिना, लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किए गए हैं।

मूल्यहास विधियां, उपयोज्यता काल एवं अवशेष मूल्य की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है तथा उचित समझे जाने की स्थिति में उत्तरव्यापी प्रभाव से समायोजन किए जाते हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-II में किए गए उल्लेख के अनुसार “सामान्यतः किसी परिसम्पत्ति का अवशेष मूल्य परिसम्पत्ति की लागत से 5 प्रतिशत तक होता है।”

### स्वीकृति समाप्ति

सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की किसी मद तथा उसके विशिष्ट भाग की प्रारंभिक स्वीकृति की समाप्ति उसका निपटान किए जाने तथा उसके निपटान से भविष्य में किसी प्रकार के आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना होने पर किए जाते हैं। किसी परिसम्पत्ति की स्वीकृति समाप्ति से प्राप्त होने लाभ

अथवा हानि (निपटान से प्राप्त धन तथा परिसम्पत्ति की वहन राशि के अंतर के अनुसार आकलन) को परिसम्पत्ति की स्वीकृति समाप्त होने पर लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किया जाता है।

### 2.2.3 गैर-वित्तीय परिसम्पतियों का परिशोधन

प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को कम्पनी द्वारा मूल्यांकन करके किसी परिसम्पत्ति को परिशोधित करने अथवा किसी परिसम्पत्ति का वार्षिक परिशोधन परीक्षण किए जाने की अपेक्षा होने के संकेत ज्ञात करके ऐसी परिसम्पतियों से वसूली योग्य राशि के अनुमान लगाए जाते हैं। किसी परिसम्पत्ति की वसूली योग्य राशि किसी परिसम्पत्ति अथवा रोकड़ उत्पत्ति यूनिट (सीजीयू) के उचित मूल्य, निपटान की लागत को घटाकर, तथा उसके उपयोग मूल्य से अधिक होती है। यदि कोई परिसम्पत्ति ऐसी रोकड़ उत्पत्ति यूनिट नहीं है जो परिसम्पतियों अथवा परिसम्पतियों के समूह से पूरी तरह भिन्न हो तो किसी वैयक्तिक परिसम्पत्ति की वसूलीयोग्य राशि के निर्धारण किए जाते हैं। जब किसी परिसम्पत्ति अथवा रोकड़ उत्पत्ति यूनिट की वहन राशि उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है तो परिसम्पत्ति को परिशोधित मान लिया जाता है तथा उसकी मालसूचियों के परिशोधन सहित उसकी वसूलीयोग्य राशि एवं परिशोधन हानि को ह्रासित करके लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृति की जाती है।

उपयोग मूल्य के मूल्यांकन कर पूर्व छूट दर, जिससे धन के समय मूल्य के चालू बाजार मूल्यांकन एवं परिसम्पत्ति से संबद्ध जोखिम प्रस्तुत होते हैं, के उपयोग से उसके वर्तमान को अनुमानित रोकड़ प्रवाह से कम करके किए जाते हैं।

साख के अतिरिक्त परिसम्पतियों का मूल्यांकन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को यह निर्धारण करने के लिए किया जाता है कि क्या संज्ञान में ली गई अक्षमता हानि के संकेत अभी भी हैं अथवा वे कम हो गए हैं। यदि ऐसे संकेत होते हैं तो कम्पनी परिसम्पत्ति अथवा रोकड़ उत्पत्ति यूनिट की वसूली योग्य राशि के अनुमान लगाती है। संज्ञान में ली गई अक्षमता हानि का व्युत्क्रमण तभी किया जाता है जब पहले आंकी गई अक्षमता हानि के पश्चात से परिसम्पत्ति की वसूलीयोग्य राशि के लिए लगाए गए अनुमानों में किसी प्रकार के परिवर्तन प्रतीत हों। व्युत्क्रमण सीमित होते हैं जिससे कि परिसम्पत्ति की वहन राशि उसकी वसूली योग्य राशि से न तो अधिक हो और न ही यह पूर्वावधि की परिसम्पत्ति से संबंधित अक्षमता हानि न होने की स्थिति में निर्धारित की जाने वाली वहन राशि, मूल्यहास का निवल, से अधिक न हो सके। ऐसे व्युत्क्रमण लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत किए जाते हैं।

## 2.2.4 राजस्व स्वीकृति

### सेवा रियायत व्यवस्था

#### क) सेवा रियायत व्यवस्था के तहत वित्तीय संपत्ति (इंड एस 115 के लिए परिशिष्ट सी - ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व)

कंपनी एक वित्तीय परिसंपत्ति को उस स्तर तक स्वीकार करती है कि उसके पास निर्माण सेवाओं और परिचालन और रखरखाव सेवाओं के लिए अनुदानकर्ता ("एनएचएआई") से या उसके निर्देश पर नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने का, बिना शर्त संविदात्मक अधिकार है।

ऐसी वित्तीय संपत्तियों को शुरू में उचित मूल्य यानी वर्तमान मूल्य पर और बाद में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है। इस पद्धति के तहत, वित्तपोषण तत्व के लिए वित्तीय संपत्ति बढ़ाई जाएगी और अनुदानकर्ता से धन प्राप्त होने पर कम की जाएगी

#### कंपनी इंड एस-115 "ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व"

कंपनी इंड एस-115 "ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व" के अनुसार निर्माण और प्रचालन और अनुरक्षण सेवाओं से राजस्व को स्वीकार कराती है और उनका मापन करती है।

कंपनी एक ही समय या उसके आसपास के समय में समान ग्राहकों के साथ प्रविष्ट दो या अधिक संविदाओं को एक ही ग्राहक के संयोजित करती है और उन संविदाओं के लिए एकल संविदा के रूप में लेखांकन करती है, यदि संविदाएं एकल कामशियल उद्देश्य या एक संविदा में भुगतान की जाने वाली निर्धारित राशि अन्य संविदा या वस्तुओं या सेवाओं के मूल्य या निष्पादन पर निर्भर करती है के साथ पैकेज के रूप में एकल निष्पादन दायित्व के रूप में निष्पादित हो।

संव्यवहार मूल्य (इसमें महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक शामिल नहीं है) वह मूल्य है जो सेवाओं के प्रावधान के लिए ग्राहक के साथ अनुबंधित है। राजस्व को लेनदेन के मूल्य पर मापा जाता है जो निष्पादन दायित्व के लिए आवंटित किया जाता है और इसमें तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशि शामिल नहीं है जैसे जीएसटी और इसे परिवर्ती धराशि के साथ समायोजित किया जाता है।

कंपनी की संविदा की प्रकृति मूल्य वृद्धि तथा तरलता क्षतियों सहित विभिन्न प्रकार के परिवर्तनों को उत्पन्न करती है। कंपनी वेरिबल दृष्टिकोण हेतु

संव्यवहार के मूल्य में किसी प्रकार का अनुवर्ती परिवर्तन संविदा में निष्पादन के दायित्वों के लिए उसी आधार पर आवंटित किया जाता है, जैसा संविदा के निर्धारण के समय होता है।

कंपनी परिवर्तनीय विचार के लिए राजस्व को स्वीकार करती है, जब यह संभव है कि मान्यता प्राप्त



संचयी राजस्व की राशि में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा। कंपनी सबसे संभावित राशि विधि का उपयोग करके परिवर्तनीय विचार पर पहचाने जाने वाले राजस्व की मात्रा का अनुमान लगाती है।

इसके परिणामस्वरूप, संतुष्ट निष्पादन दायित्व के लिए आवंटित राशि को राजस्व के रूप में या राजस्व की कमी के रूप में स्वीकार किया जाता है, जिस अवधि में लेनदेन में परिवर्तन होता है।

कंपनी निष्पादन दायित्व को संतुष्ट करती है और समय पर राजस्व को स्वीकार है, यदि किसी भी निम्नलिखित मानदंडों को पूरा किया जाता है:

- क) ग्राहक साथ ही साथ इकाई निष्पादन के रूप में इकाई के कार्यनिष्पादन द्वारा प्रदान किए गए लाभों को प्राप्त और उपभोग करता है।
- ख) इकाई का निष्पादन परिसंपत्ति का निर्माण या संवर्धन करता है (उदाहरण के लिए, प्रगतिरत कार्य) जिसे ग्राहक द्वारा परिसंपत्ति के निर्माण या वृद्धि पर नियंत्रित किया जाता है।
- ग) इकाई का निष्पादन इकाई के लिए वैकल्पिक उपयोग हेतु परिसंपत्ति नहीं बनाता है और इकाई को आज तक पूरा किए गए कार्यनिष्पादन के भुगतान के लिए लागू करने योग्य अधिकार है।

समय के साथ संतुष्ट कार्यनिष्पादन दायित्व के लिए, स्वीकृत राजस्व प्रगति का माप, प्रतिशत पूर्णता पद्धति का उपयोग करके, प्रदर्शन निष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की ओर किया जाता है। प्रगति को आज की तारीख तक वास्तविक लागत के अनुपात के अनुसार कार्यनिष्पादन दायित्व के प्रति कुल अनुमानित लागत पर मापा जाता है। तथापि, जहाँ कंपनी किसी निष्पादन बाध्यता के परिणाम को यथोचित रूप से मापने में सक्षम नहीं है, लेकिन कंपनी को संभावना है कि वह निष्पादन दायित्व को पूरा करने में हुई लागत को वसूलेगी, कंपनी ऐसे समय तक किए गए लागतों की सीमा तक ही राजस्व को स्वीकार करेगी। यह यथोचित निष्पादन दायित्व के परिणाम को माप सकता है। संचयी कैच-अप समायोजन को उस अवधि में मान्यता दी जाएगी जिसमें इकाई अपनी प्रगति को उचित रूप से मापने में सक्षम है।

निष्पादन दायित्व को इनपुट पद्धति लागू करके मापा जाता है। उन अनुबंधों में जहाँ निष्पादन दायित्व को इनपुट विधि द्वारा नहीं मापा जा सकता है, आउटपुट पद्धति लागू की जाती है, जो कंपनी के निष्पादन को निष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि के लिए निष्ठापूर्वक दर्शाती है।

संविदागत आशोधनों को तब लेखांकित किया जाता है जब पर स्वीकृत संवर्धन, विलोपन या परिवर्तन किए गए हों।

संविदाओं में संशोधन के लिए लेखांकन में यह आकलन करना शामिल है कि क्या मौजूदा संविदा में शामिल की गई सेवाएं अलग-अलग हैं और मूल्य निर्धारण बिक्री मूल्य पर है या नहीं। शामिल की गई सेवाएं जो पृथक नहीं हैं, उनका संचयी कैच-अप आधार पर लेखांकित किया जाता है, जबकि जो सेवाएं पृथक होती हैं, उन्हें या तो पृथक संविदा के रूप में देखा जाता है, यदि अतिरिक्त सेवाओं का मूल्य स्टैंडएलोन विक्रय मूल्य पर या मौजूदा संविदा की समाप्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है, यदि स्टैंडएलोन बिक्री मूल्य पर मूल्यांकित नहीं किया गया है।

**संविदा शेष**

- **संविदा परिसम्पतियां :** किसी संविदा परिसम्पति के संबंध में ग्राहक को प्रतिफल के विनिमय के प्रति माल एवं सेवाओं का अंतरण का अधिकार प्राप्त है। यदि कम्पनी द्वारा ग्राहक के लिए किया जाने वाला निष्पादन माल एवं सेवाओं के अंतरण के लिए ग्राहक द्वारा प्रतिफल दिए जाने से पूर्व अथवा प्रतिफल देय होने से पूर्व किया जाता है तो संविदा परिसम्पति की स्वीकृति अर्जित प्रतिफल, जो सशर्त है, के लिए की जाती है।
- **व्यापार प्राप्य :** प्राप्य से कम्पनी का किसी प्रतिफल के रूप में किसी राशि की प्राप्ति का अधिकार अभिप्रेत है जो किसी शर्त के बिना है (अर्थात् प्रतिफल के भुगतान से पूर्व केवल थोड़ा समय अपेक्षित होता है)।
- **संविदागत दायित्व :** संविदागत दायित्व वे दायित्व हैं जो कम्पनी को ग्राहक से प्राप्त प्रतिफल (अथवा प्रतिफल की कोई देय राशि) के प्रति ग्राहक को माल एवं सेवाओं के अंतरण के लिए हैं। यदि कोई ग्राहक कम्पनी द्वारा माल एवं सेवाओं का अंतरण ग्राहक को करने से पूर्व प्रतिफल का भुगतान करता है तो संविदा दायित्व की पूर्ति भुगतान किए जाने पर अथवा भुगतान देय होने पर (जो भी पहले हो) होती है। संविदागत देयताओं की राजस्व में स्वीकृति तब की जाती है जबकि कम्पनी द्वारा संविदा के प्रति निष्पादन कर लिया जाता है।

### अन्य आय

- लाभांश आय को उस समय स्वीकार किया जाता है जब भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाए।
- ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर विधि का प्रयोग करके स्वीकार किया जाता है।
- विविध आय को तब स्वीकार किया जाता है जब निष्पादन दायित्व संतुष्ट हो जाते हैं और संविदा की शर्तों के अनुसार आय प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है।

### 2.2.5 ऋण लागत

ऋण लागत में ब्याज एवं कम्पनी द्वारा निधियों की प्राप्ति के संबंध में व्यय की गई अन्य लागतें शामिल हैं। ऋण लागतों की सम्बद्धता प्रत्यक्ष रूप से किसी अधिग्रहण, निर्माण अथवा उत्पादन से होती है जो परिसम्पति की लागत के पूंजीयन के लिए आशित उद्देश्य से उपयोग अथवा बिक्री के लिए किसी निश्चित अवधि में पूर्ण अथवा निर्मित की जानी अपेक्षित होती है। अन्य सभी ऋण लागतों की स्वीकृति उनके व्यय के अनुसार लाभ एवं हानि विवरण में की गई है। ऋण लागतों में ऐसी विनिमय भिन्नता भी शामिल हैं जिन्हें ऋण लागतों के समायोजन के लिए उपयोग किया गया है।

## 2.2.6 कर

### क. चालू आय कर

चालू आय कर एवं देयताओं का मापन सम्बद्ध कर विनियमों के अंतर्गत कराधान प्राधिकरणों से संभावित प्राप्य अथवा चुकता की जाने वाली राशियों के अनुसार किया गया है। चालू कर निर्धारण अवधि के लिए देय आय कर के संबंध में कर देयता के रूप में किया गया है तथा इसका आकलन संबंधित कर विनियमों के अनुसार किया गया है। चालू आय कर की स्वीकृति लाभ एवं हानि विवरण में की गई है जिसमें लाभ एवं हानि के स्वीकृत की गई मदों को शामिल नहीं किया गया है तथा इन मदों की स्वीकृति लाभ एवं हानि से बाह्य (अन्य व्यापक आय अथवा इक्विटी में) की गई है। चालू कर मदों की स्वीकृति सम्बद्ध संव्यवहार के संदर्भ में या तो अन्य व्यापक आय में की गई है या इन्हें प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में शामिल किया गया है। प्रबंधन द्वारा आवधिक रूप से कर विवरणियों में अपनी उन स्थितियों के संबंध में आवधिक मूल्यांकन किए जाते हैं जिनके लिए लागू कर विनियम व्याख्या तथा यथा लागू स्थापित प्रावधानों के अध्याधीन हैं।

चालू कर परिसम्पतियों एवं कर दायित्वों का समंजन उन स्थितियों के लिए किया गया है जिनके संबंध में कम्पनी के पास समंजन का विधिक प्रवर्तनीय अधिकार है अथवा उनके संबंध में कम्पनी की मंशा निवल आधार पर उनका निपटान करने अथवा परिसम्पति की बिक्री करके एक साथ दायित्व का समाधान करने करने की है।

### ख. आस्थगित कर

आस्थगित कर देयताओं की स्वीकृति परिसम्पतियों एवं देयताओं के कर आधारों तथा रिपोर्टिंग तिथि को वित्तीय रिपोर्टिंग के उद्देश्य से उनकी वहन राशियों के मध्य अस्थाई भिन्नताओं के संबंध में देयता विधि के उपयोग से की गई है।

आस्थगित कर परिसम्पतियों का मापन उन कर दरों पर किया गया है जिनका उपयोग उस अवधि के लिए किया जाना संभावित है जब परिसम्पति का निपटान अथवा दायित्व का समाधान कर दरों के आधार (तथा कर विधियों) पर किया गया था जो प्रवर्तित हैं अथवा रिपोर्टिंग तिथि को प्रवर्तित किए गए हैं।

आस्थगित कर परिसम्पतियों की स्वीकृति लाभ एवं हानि विवरण में की गई है जिसमें लाभ एवं हानि के बाह्य स्वीकृत की गई मदों को शामिल नहीं किया गया है तथा इन मदों की स्वीकृति लाभ एवं हानि से बाह्य (अन्य व्यापक आय अथवा इक्विटी में) की गई है। आस्थगित कर मदों की स्वीकृति सम्बद्ध

संव्यवहार के संदर्भ में या तो अन्य व्यापक आय में की गई है अथवा इन्हें प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में शामिल किया गया है।

आस्थगित आयकर परिसंपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को की जाती है और उस स्तर तक इसे कम किया जाता है जहां यह संभावना न रहे कि उपयोग की जाने वाली आस्थगित आयकर परिसंपत्ति या उसका भाग उपयुक्त कर लाभ के लिए उपलब्ध होगा। स्वीकृत न की गई आस्थगित कर परिसंपत्तियों का पुनः मूल्यांकन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को किया जाता है तथा इनकी स्वीकृति उस स्तर तक की जाती है जिस स्तर तक यह संभावना बनी रहे कि इससे प्राप्त भावी करयोग्य लाभ से आस्थगित कर परिसंपत्तियों की वसूली की जा सकेगी।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देयताओं को उस समय ऑफसेट किया जाता है जब चालू कर परिसंपत्तियों और देयताओं को ऑफसेट करने का विधिक प्रवर्तनीय अधिकारी होता है और जब आस्थगित कर शेष समान कर निर्धारण प्राधिकरण से संबंधित हो।

### 2.2.7. विदेशी मुद्राएं

- **कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा**

वित्तीय विवरणों में शामिल मदों को प्राथमिक आर्थिक वातावरण की मुद्रा का उपयोग करके मापा जाता है, जिसमें इकाई संचालित होती है ("कार्यात्मक मुद्रा")। वित्तीय विवरण भारतीय रुपये में प्रस्तुत किए जाते हैं, जो कंपनी की कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा भी है।

- **लेन-देन और शेष राशि**

लेनदेन की तिथि पर कार्यात्मक मुद्रा और विदेशी मुद्रा के बीच विनिमय दर लागू करके, विदेशी मुद्रा लेनदेन को कार्यात्मक मुद्रा में लेखांकित किया जाता है।

रिपोर्टिंग तिथि पर बकाया विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों को समापन दर (देयताओं के लिए अंतिम बिक्री दर और परिसंपत्ति के लिए अंतिम खरीद दर) में परिवर्तित कर दिया जाता है, गैर-मौद्रिक वस्तुओं को एक विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित किया जाता है जिसे ऐतिहासिक लागत पर लेखांकित किया जाता है, और इसका उपयोग करके रिपोर्ट किया जाता है संव्यवहार की तिथि पर इसे विनिमय दर पर लेखांकित किया जाता है।

मौद्रिक वस्तुओं के निपटान से सृजित होने वाले विनिमय अंतर, या रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार पुनर्कथन, उनसे भिन्न है, जिन पर उन्हें आरंभ में दर्ज किया गया था और उन्हें उस अवधि में लाभ और हानि

के विवरण में स्वीकार किया जाता है, जिसमें वे उत्पन्न होते हैं। ये विनिमय अंतर शुद्ध आधार पर लाभ और हानि के विवरण में प्रस्तुत किए जाते हैं।

### 2.2.8 कर्मचारी लाभ

#### क. अल्पकालिक कर्मचारी लाभ

वेतन, अल्पकालिक प्रतिपूर्ति छुट्टी एवं निष्पादन सम्बद्ध वेतन (पीआरपी) जैसे बारह माह की पूर्ण सेवा के पश्चात प्रदान किए जाने वाले लाभों का वर्गीकरण अल्पकालिक कर्मचारी लाभ के रूप में किया गया है तथा ऐसे लाभों की गैर-डिस्काउंटिड राशि को उस अवधि से संबंधित लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किया गया है जिन अवधियों में कर्मचारी द्वारा सम्बद्ध सेवाएं प्रदान की गई हैं।

#### ख. सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ

सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ एवं अन्य दीर्घकालीन कर्मचारी लाभ धारक कंपनी, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं, क्योंकि कंपनी में कर्मचारी धारक कंपनी से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं।

### 2.2.9 रोकड़ प्रवाह विवरण

रोकड़ और रोकड़ समतुल्य में उपलब्ध रोकड़, बैंकों में रोकड़ और तीन महीनों या इससे कम अवधि की मूल परिपक्वता वाली अल्पकाली सावधि जमा राशियां जो ज्ञात रोकड़ राशिके लिए तत्काली नकदीकृत की जा सकती है और जो मूल्य में परिवर्तन के गैर महत्वपूर्ण स्तर के अध्याधीन हो।

रोकड़ प्रवाह विवरण के प्रयोजन हेतु, रोकड़ और रोकड़ समतुल्य में अप्रतिबंधित रोकड़ और अल्पकालीन जमा राशियां शामिल हैं, जैसा कि उपर परिभाषित किया गया है, क्योंकि ये कंपनी के रोकड़ प्रबंधन का अभिन्न अंग समझा जाता है।

### 2.2.10 लाभांश

कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों को वार्षिक लाभांश वितरण को उस अवधि में देयता के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें शेयरधारकों द्वारा लाभांश को मंजूरी दी जाती है। किसी भी अंतरिम लाभांश को निदेशक मंडल के अनुमोदन पर दायित्व के रूप में मान्यता दी जाती है। देय लाभांश और लाभांश वितरण पर संबंधित कर, यदि कोई हो, को सीधे इक्विटी में मान्यता दी जाती है।

### 2.2.11 प्रावधान, आकस्मिक परिसम्पतियां एवं आकस्मिक देयताएं

#### क. प्रावधान

प्रावधान को स्वीकृति तब प्रदान की जाती है जब किसी पूर्व घटना के परिणामस्वरूप कम्पनी का कोई वर्तमान दायित्व (विधिक अथवा तक्रसाध्य) हो तथा ऐसी संभावना हो कि दायित्व के निपटान, जिसके संबंध में विश्वसनीय अनुमान लगाए जा सकते हैं, के लिए संसाधनों का बहिप्रवाह अपेक्षित है। प्रावधान के रूप में स्वीकृत राशि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान दायित्व के निपटान के लिए अपेक्षित विचार, दायित्व से जुड़े जोखिम एवं अनिश्चितताओं पर विचार, के पश्चात आंके गए उत्तम अनुमान के अनुसार होती है।

जब धन के समय मूल्य का वस्तुगत होने की संभावना होती है तो प्रावधान राशि को दायित्व से सम्बद्ध जोखिम की प्रस्तुति करने वाली, जब उचित हो, पूर्व कर दर के उपयोग से कम कर दिया जाता है। समय के परिवर्तन को वित्त लागत के रूप में विचार में लिए जाने के कारण डिस्काउंटिंग के उपयोग के पश्चात प्रावधान अधिक कर दिए जाते हैं।

### **ख. दुर्वह संविदाएं**

दुर्वह संविदा वह संविदा है जिसमें संविदा के अंतर्गत दायित्वों को पूरा करने की वे अपरिहार्य लागतें (अर्थात् वे लागतें जिनकी संविदा के कारण कम्पनी अनदेखी नहीं कर सकती है) आती हैं, जो उससे प्राप्त होने वाले संभावित आर्थिक लाभों से अधिक होती हैं। किसी संविदा के अंतर्गत अपरिहार्य लागतें संविदा की विद्यमान न्यूनतम लागत की प्रस्तुति करते हैं जो इसके निष्पादन की लागत एवं इसे निष्पादित न किए जाने के मुआवजे अथवा उत्पन्न होने वाली परिसंपत्तियों से कम हैं। यदि कम्पनी की कोई दुर्वह संविदा है तो संविदा के अंतर्गत दायित्व की स्वीकृति एवं मापन के लिए प्रावधान किए जाते हैं। तथापि, दुर्वह संविदा के लिए अलग प्रावधान करने से पूर्व कम्पनी किसी अक्षमता हानि की स्वीकृति करती है जो ऐसी संविदा के लिए नियत की गई परिसंपत्तियों के संबंध में हुई है।

इन अनुमानों की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में करके चालू उत्तम अनुमान के अनुसार समायोजन प्रस्तुत किए गए हैं।

### **ग. आकस्मिक देयताएं**

ऐसे आकस्मिक दायित्वों के संबंध में प्रकटीकरण किया जाता है जब संभावित दायित्व अथवा वर्तमान दायित्वों के संबंध में सन्निहित आर्थिक लाभों के संसाधनों का बहिप्रवाह अपेक्षित होने की संभावना होती है, परन्तु नहीं भी हो सकती है, अथवा ऐसे दायित्वों की राशि का मापन विश्वसनीयता से नहीं किया जा सकता है। जब किसी संभावित दायित्व अथवा विद्यमान दायित्व के संबंध में सन्निहित आर्थिक लाभों

के संसाधनों का बहिःप्रवाह होने की संभावना काफी होती है तो कोई प्रावधान अथवा प्रकटीकरण नहीं किए जाते हैं।

इनकी समीक्षा प्रत्येक तुलन पत्र तिथि को की जाती है तथा चालू उत्तम अनुमानों के अनुसार इनका समायोजन किया जाता है।

#### **घ. आकस्मिक परिसम्पतियां**

आकस्मिक परिसम्पतियों की स्वीकृति नहीं की जाती है अपितु आर्थिक लाभों के प्रवाह की विश्वसनीयता होने पर इनका प्रकटीकरण किया जाता है।

### **2.2.12 पट्टे**

कम्पनी द्वारा संविदा के प्रारंभ में ऐसे मूल्यांकन किए जाते हैं कि क्या संविदा पट्टा, अथवा अंतर्विष्ट पट्टा, है अथवा नहीं है। इसका अर्थ है कि क्या संविदा में संज्ञान में ली गई परिसम्पति के संबंध में किसी अवधि में उपयोग के नियंत्रण का अधिकार प्रतिफल के विनिमय के प्रति उपलब्ध है।

#### **क. पट्टेदार के रूप में कम्पनी**

कम्पनी द्वारा अल्पकालिक पट्टों तथा न्यूनतम मूल्य की परिसम्पतियों के पट्टों के अलावा सभी पट्टों के संबंध में एकल स्वीकृति एवं मापन विधि का उपयोग किया जाता है। कम्पनी पट्टा दायित्वों की स्वीकृति पट्टा भुगतानों तथा उपयोग अधिकार वाली परिसम्पतियों के रूप में करती है जिससे अंतर्निहित परिसम्पतियां उपयोग अधिकार की प्रस्तुति करती हैं।

#### **i. उपयोग—अधिकार संपत्ति**

कंपनी, पट्टे की आरंभ तिथि (अर्थात्, अंतर्निहित परिसंपत्ति उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तिथि) पर उपयोग—अधिकार संपत्ति को स्वीकार करती है। उपयोग—अधिकार की संपत्ति को लागत पर मापा जाता है और इसमें किसी भी संचित मूल्यह्रास और हानियों को कम किया जाता है, और पट्टे की देनदारियों के किसी भी पुनःमाप के लिए समायोजित किया जाता है। उपयोग—अधिकार की संपत्ति की लागत में मान्यता प्राप्त पट्टा देनदारियों की राशि, प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत, और प्रारंभ तिथि पर या उससे पहले किए गए पट्टा भुगतान में से कोई भी पट्टा प्रोत्साहन प्राप्त होता है। उपयोग की जाने वाली संपत्ति का मूल्यह्रास, सीधी रेखा आधार पर पट्टे की अवधि से कम और संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन पर किया जाता है।

यदि पट्टे की अवधि के अंत में पट्टे पर दी गई संपत्ति का स्वामित्व, कंपनी को हस्तांतरित हो जाता है या लागत खरीद विकल्प के प्रयोग को दर्शाती है, तो मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन का उपयोग करके की जाती है।

उपयोग-अधिकार की संपत्ति भी हानि के अधीन हैं।

## ii. पट्टा दायित्व

कम्पनी द्वारा पट्टे की प्रारंभ तिथि को पट्टा काल के लिए चुकता किए जाने वाले पट्टा के वर्तमान मूल्य के अनुसार मापन किए गए पट्टा दायित्वों को स्वीकृति दी जाती है। पट्टा भुगतानों में किसी प्रकार के प्राप्य प्रोत्साहन घटाकर नियत भुगतान (सारभूत नियत भुगतान में शामिल), परिवर्तनीय पट्टा भुगतान जो सूचकांक अथवा किसी दर पर निर्भर हैं, तथा अवशेष मूल्य गारंटियों के अंतर्गत चुकता की जाने वाली संभावित राशियां शामिल है। पट्टा भुगतानों में क्रय विकल्प का उपयोग मूल्य भी शामिल होता है जिसका औचित्यपरक निश्चितता के साथ कम्पनी उपयोग कर सकती है, तथा पट्टों समाप्त करने, यदि पट्टा काल शर्तों में शास्तियों के भुगतान की व्यवस्था है, के विकल्प का उपयोग कर सकती है। व्यय के रूप में स्वीकृत किसी सूचकांक अथवा दर पर निर्भर न होने वाले परिवर्तनीय पट्टा भुगतान (यदि वे मालसूचियों के उत्पादन के लिए व्यय नहीं किए गए हैं) उनकी उत्पत्ति की अवधि अथवा भुगतान किए जाने की स्थिति में किए जाते हैं।

पट्टा भुगतानों के वर्तमान मूल्य का आकलन करते हुए कम्पनी पट्टा प्रारंभ तिथि से आवर्धित ऋण दर का उपयोग करती है क्योंकि पट्टे में अंतर्निहित ब्याज दर का सुगमता से निर्धारण नहीं किया जा सकता है। प्रारंभ तिथि के पश्चात पट्टा दायित्वों की राशि में ब्याज अभिवृद्धि की प्रस्तुति के लिए वृद्धि हो जाती है तथा किए गए पट्टा भुगतान कम हो जाते हैं। इसके अलावा, पट्टा दायित्वों के वहन मूल्य का पुनःमापन किसी प्रकार का संशोधन किए जाने, पट्टा काल में परिवर्तन किए जाने, पट्टा भुगतानों में परिवर्तन किए जाने (अर्थात् पट्टा भुगतानों के निर्धारण के लिए प्रयुक्त किसी सूचकांक अथवा दर में परिवर्तन के परिणामस्वरूप भावी भुगतानों में परिवर्तन) अथवा अंतर्निहित परिसम्पत्ति के क्रय के विकल्प के मूल्यांकन में परिवर्तन किए जाने की स्थिति में किया जाता है।

कम्पनी के पट्टा दायित्वों को वित्तीय दायित्वों में शामिल किया जाता है।

## iii. अल्पकालिक पट्टे तथा निम्न मूल्य वाली परिसम्पत्तियों के पट्टे

कम्पनी द्वारा आवासीय परिसरों तथा कार्यालयों (अर्थात् वे पट्टे जिनका पट्टा काल प्रारंभ की तिथि से 12 माह अथवा कम है तथा जो क्रय विकल्प के साथ नहीं हैं) के अपने अल्पकालिक पट्टा अनुबंधों में



अल्पकालिक पट्टा स्वीकृति के लिए छूट का उपयोग किया जाता है। कम्पनी द्वारा कार्यालय उपकरणों, जो न्यून मूल्य के रूप में विचार में नहीं लिए गए हैं, के पट्टों के लिए पट्टे की न्यून मूल्य परिसम्पत्ति छूट का उपयोग भी किया जाता है। अल्पकालिक पट्टों के पट्टा भुगतान तथा न्यून मूल्य परिसम्पत्तियों के पट्टों की स्वीकृति पट्टा काल के लिए सीधी रेखा आधार पर व्यय के रूप में की जाती है।

#### **ख. पट्टेदार के रूप में कंपनी**

जिन पट्टों में कंपनी किसी परिसंपत्ति के स्वामित्व से संबंधित सभी जोखिमों और प्रतिफलों को पर्याप्त रूप से हस्तांतरित नहीं करती है, उन्हें परिचालन पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। सृजित किराया आय को पट्टे की शर्तों के आधार पर एक सीधी रेखा के आधार पर लेखांकित किया जाता है और इसकी परिचालन प्रकृति के कारण लाभ या हानि के विवरण में राजस्व में शामिल किया जाता है। एक परिचालन पट्टे हेतु वार्ता और व्यवस्था में किए गए प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत को पट्टे पर दी गई संपत्ति की अग्रणीत राशि में जोड़ा जाता है और पट्टे की अवधि में किराये की आय के समान आधार पर मान्यता दी जाती है। आकस्मिक किराए को उस अवधि में राजस्व के रूप में पहचाना जाता है, जिसमें वे अर्जित किए जाते हैं।

### **2.213 वित्तीय उपकरण**

वित्तीय उपकरण अनुबंध होते हैं, जो किसी इकाई की वित्तीय परिसम्पत्ति तथा किसी अन्य इकाई के किसी दायित्व अथवा वित्तीय उपकरण के संव्यवहार के लिए किए जाते हैं।

#### **क. वित्तीय परिसम्पतियां**

##### **प्रारंभिक स्वीकृति एवं मापन**

वित्तीय परिसम्पत्तियों को उचित मूल्य जमा या घटा संव्यवहार लागतों पर स्वीकृत किया जाता है जो प्रत्यक्ष रूप से वित्तीय परिसम्पत्तियों (लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापना की गई परिसम्पत्तियों के अतिरिक्त) के अधिग्रहण या जारी करने से संबंधित हैं। वित्तीय परिसम्पत्तियों अथवा वित्तीय देयताओं से प्रत्यक्ष सम्बद्ध संव्यवहार लागतों को उनके उचित मूल्य पर लाभ एवं हानि के माध्यम से तुरंत लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृति दी जाती है।

##### **अनुवर्ती मापन**

अनुवर्ती मापन के उद्देश्य वित्तीय परिसम्पत्तियों को चार वर्गों में वर्गीकृत किया गया है:

- **परिशोधन लागत पर नामे उपकरण**

निम्नलिखित दोनों शर्तें पूरी होने पर 'ऋण उपकरण' का मापन परिशोधित लागत पर किया जाता है:

क) परिसंपत्ति व्यवसाय मॉडल के अनुसार ही धारित है जिसे परिसंपत्ति से संविदागत रोकड़ प्रवाह एकत्रित करने के उद्देश्य से धारित किया गया है, और

ख) परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें रोकड़ प्रवाह के लिए विशिष्ट तिथियों को निर्धारित करती हैं जो विशिष्ट रूप से बकाया मूल राशि पर मूल और ब्याज (एसपीपीटी) का भुगतान है।

ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) विधि घटा हानि, यदि कोई हो, का प्रयोग करके परिशोधित लागत पर किया जाता है। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि विवरण में वित्तीय आय में शामिल किया गया है। क्षमता हानि से उत्पन्न होने वाली हानियों को लाभ अथवा हानि में स्वीकृति दी जाती है। यह वर्ग सामान्यतः व्यापार एवं अन्य प्राप्यों के लिए उपयोग में लाया जाता है।

- **अन्य वृहत आय के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीओसीआई) पर ऋण उपकरण**

निम्नलिखित दोनों मापदंड पूरे होने पर 'ऋण उपकरण' का एफवीटीओसीआई पर वर्गीकृत किया गया है:

- क. व्यवसाय मॉडल का उद्देश्य संविदागत रोकड़ प्रवाहों को एकत्रित करके तथा वित्तीय परिसंपत्तियों के बेचकर दोनों माध्यमों द्वारा प्राप्त किया जाता है, और
- ख. परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें रोकड़ प्रवाह विशिष्ट रूप से मूल और ब्याज के भुगतान (एसपीपीआई) को प्रस्तुत करती हैं।

एफवीटीओसीआई श्रेणी के शामिल ऋण उपकरणों को उचित मूल्य पर आरंभिक स्तर पर तथा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर मापा जाता है। उचित मूल्य संचलनों को अन्य वृहत आय (ओसीआई) में स्वीकार किया जाता है। तथापि, लाभ और हानि विवरण में कंपनी ब्याज आय, परिशोधित हानियों और प्रतिक्रमों तथा विदेशी विनिमय लाभ या हानि को स्वीकार करती है। परिसंपत्तियों को गैर-स्वीकार करने पर ओसीआई में पूर्व में स्वीकृत संचित लाभ या हानि को लाभ और हानि विवरण में इक्विटी से पुनःवर्गीकृत किया जाता है। अर्जित ब्याज को ईआईआर विधि का प्रयोग करते हुए स्वीकार किया जाता है।

- **एफवीटीपीएल पर ऋण उपकरण**

एफवीटीपीएल ऋण माध्यमों के लिए अवशिष्ट श्रेणी है। कोई भी ऋण माध्यम, जो परिशोधित लागत या एफवी ओसीआई के रूप में श्रेणीकरण के मापदंड को पूरा नहीं करता है, को एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

एफवीटीपीएल के वर्ग में शामिल ऋण उपकरणों का मापन लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर किया गया है।

- **इक्विटी उपकरण**

इंड एस-109 के कार्य क्षेत्र में इक्विटी निवेश का मापन उचित मूल्य पर किया जाता है। जो इक्विटी उपकरण एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत व्यापार के लिए धारित किए गए हैं। अन्य सभी उपकरणों के लिए कम्पनी द्वारा उचित मूल्य पर अनुवर्ती परिवर्तन पर अन्य व्यापक आय में प्रस्तुत करने का अशोध्य चयन किया गया है। कम्पनी द्वारा ऐसे चयन उपकरण-वार आधार पर किए जाते हैं। ऐसे वर्गीकरण प्रारंभिक स्वीकृति पर किए जाते हैं तथा ये अशोध्य होते हैं।

यदि कम्पनी किसी इक्विटी उपकरण का वर्गीकरण एफवीटीओसीआई के रूप में करने का निर्णय लेते हैं तो लाभांशों के अलावा उपकरण के सभी उचित मूल्य परिवर्तनों की स्वीकृति अन्य व्यापक आय में की जाती है। निवेश की बिक्री के पश्चात भी अन्य व्यापक आय में से राशियों का पुनःचक्रण लाभ एवं हानि विवरण में नहीं किया जाता है। तथापि, कम्पनी इक्विटी में संचित लाभ एवं हानि का अंतरण कर सकती है।

एफवीटीपीएल वर्ग में शामिल इक्विटी उपकरणों का मापन उनके उचित मूल्य पर लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत सभी परिवर्तनों के साथ किया जाता है।

### वित्तीय परिसम्पतियों की अक्षमता

ईसीएल उन सभी संविदागत नकद प्रवाहों के मध्य का अंतर है जो कम्पनी संविदा के अंतर्गत देय हैं तथा जो ऐसे नकद प्रवाहों से संबंधित हैं जिनकी प्राप्ति की प्रत्याशा इकाई (अर्थात् सभी नकद न्यूनताएं), तथा जो मूल ईआईआर पर न्यून किए गए हैं।

इंड एस-109 के अनुसरण में कम्पनी द्वारा निम्नलिखित वित्तीय परिसम्पतियों एवं क्रेडिट ऋण जोखिमों से संबंधित प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) मॉडल को मापन एवं अक्षमता हानि में स्वीकृति के लिए उपयोग किया गया है:

- क. वित्तीय परिसम्पतियां जो ऋण उपकरण हैं तथा जिनका मापन परिशोधन लागत अर्थात् ऋण, ऋण प्रतिभूतियों, जमा, व्यापार प्राप्यों एवं बैंक शेष के लिए किया गया है।
- ख. वित्तीय परिसम्पतियां जो ऋण उपकरण हैं तथा एफवीटीओसीआई पर मापन की गई हैं।
- ग. इंड एस-116 के अंतर्गत पट्टा प्राप्य।

- घ. व्यापार प्राप्य अथवा अन्य संविदागत अधिकार के अंतर्गत प्राप्त नकदी अथवा अन्य वित्तीय परिसम्पति जो ऐसे संव्यवहार से प्राप्त हो जो इंड एस-115 के दायरे में है।
- ङ. ऋण प्रतिबद्धताएं जिनका मापन एफवीटीपीएल के अनुसार नहीं किया गया है।
- च. वित्तीय गारंटी अनुबंध जिनका मापन एफवीटीपीएल के अनुसार नहीं किया गया है।

कम्पनी द्वारा निम्नलिखित के संबंध में अक्षमता हानि भत्ते की स्वीकृति के लिए "सरल दृष्टिकोण" का अनुसरण किया गया है:

- व्यापार प्राप्यों अथवा अनुबंध राजस्व प्राप्यों; तथा
- सभी ऐसे पट्टा प्राप्यों जिनके संव्यवहार इंड एस 116 के दायरे में हैं।

सरल दृष्टिकोण की उपयोज्यता के लिए कम्पनी को क्रेडिट जोखिम में ट्रैक परिवर्तन नहीं करने होते हैं। इसके स्थान पर प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को लाइफटाइम ईसीएल पर आधारित क्षमता हानि भत्तों का उपयोग प्रारंभिक स्वीकृति की तिथि से किया जाता है।

वित्तीय परिसम्पतियों एवं ऋण जोखिम पर क्षमता हानि के संज्ञान के लिए कम्पनी यह निर्धारण करती है कि क्या प्रारंभिक स्वीकृति के पश्चात से क्रेडिट जोखिम में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है अथवा नहीं हुई है। यदि क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई है तो 12 माह की ईसीएल का उपयोग क्षमता हानि के प्रावधान के लिए किया जाता है। तथापि, यदि क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि होने पर लाइफटाइम ईसीएल का उपयोग किया जाता है। यदि किसी अनुवर्ती अवधि में उपकरण की क्रेडिट गुणवत्ता में सुधार आता है तथा प्रारंभिक संज्ञान के पश्चात से क्रेडिट जोखिम में कोई महत्वपूर्ण बढ़त नहीं होती है तो इकाई द्वारा 12 माह की ईसीएल पर आधारित क्षमता हानि भत्ते को समाप्त कर दिया जाता है।

लाइफटाइम ईसीएल वे प्रत्याशित क्रेडिट हानियां हैं जो वित्तीय परिसम्पति के संभावित उपयोज्यता काल में संभव चूक घटनाओं के कारण उत्पन्न होती हैं। 12 माह ईसीएल लाइफटाइम ईसीएल का वह भाग है जो रिपोर्टिंग अवधि के पश्चात 12 माह के दौरान संभावित चूक घटनाओं से उत्पन्न हुए हैं।

ईसीएल क्षमता हानि भत्ता (अथवा रिवर्सल) की स्वीकृति आय/व्यय के रूप में लाभ एवं हानि विवरण में की जाती है। इस राशि की प्रस्तुति "अन्य व्यय" शीर्ष के अंतर्गत लाभ एवं हानि विवरण में की जाती है। विभिन्न वित्तीय उपकरणों के अंतर्गत तुलन पत्र की प्रस्तुति का वर्णन नीचे किया गया है:—

- परिशोधित लागत पर मापन की गई वित्तीय परिसम्पतियां, संविदागत राजस्व प्राप्य एवं पट्टा

प्राप्य: ईसीएल की प्रस्तुति एक भत्ते के रूप में अर्थात तुलन पत्र में ऐसी परिसम्पत्तियों के मापन के अभिन्न भाग के रूप में की जाती है। निवल वहन राशि में से भत्ता घटा दिया जाता है। परिसम्पति द्वारा बट्टा मापदंड पूरे न किए जाने तक कम्पनी सकल वहन राशि में से क्षमता हानि भत्ते को कम नहीं करती है।

- ऋण प्रतिबद्धताएं एवं वित्तीय गारंटी संविदा : ईसीएल की प्रस्तुति तुलन पत्र में एक प्रावधान अर्थात एक दायित्व के रूप में की गई है।
- ऋण उपकरण का मापन एफवीटीओसीआई के अनुसार : ऋण उपकरणों का मापन एफवीओसीआई के अनुसार किया गया है, संभावित क्रेडिट हानियों से तुलन पत्र में वहन राशि कम नहीं हुई है जिससे यह उचित मूल्य पर होती है। परिसम्पति का मापन अन्य व्यापक आय में स्वीकृत परिशोधन लागत पर “संचित परिशोधन राशि” के रूप में करने की स्थिति में इसके स्थान पर भत्ते के समतुल्य एक राशि उत्पन्न होगी।

कम्पनी द्वारा क्षीण क्रेडिट वाली वित्तीय परिसम्पत्तियों (पीओसीआई), अर्थात ऐसी परिसम्पतियां जिनका क्रेडिट क्रय/व्युत्पत्ति पर क्षीण है, का क्रय अथवा व्युत्पत्ति नहीं की गई है।

### वित्तीय परिसंपत्तियों की अस्वीकृत

वित्तीय परिसंपत्तियां (या, जहां लागू हो, वित्तीय परिसंपत्तियों का भाग या समान वित्तीय परिसंपत्तिया के समूह का भाग) को अस्वीकार केवल तब किया जाता है जब परिसंपत्तियों से रोकड प्रवाहों का संविदागत अधिकार समाप्त हो जाता है या वित्तीय परिसंपत्तियां अंतरित हो जाती हैं तथा इसके परिणामस्वरूप परिसंपत्ति के सभी जोखिम और परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी प्रतिफल भी अंतरित हो जाता हैं।

वह मूल्य और प्राप्त/प्राप्य लाभ राशि में अंतर को लाभ और हानि विवरण में स्वीकार किया जाता है।

### **ख. वित्तीय देयताएं**

#### प्रारंभिक स्वीकृति एवं मापन

सभी वित्तीय देयताओं की स्वीकृति प्रारंभ में उचित मूल्य पर, तथा ऋण एवं उधार तथा देयताओं के मामले में संव्यवहार लागतों से प्रत्यक्ष सम्बद्ध निवल के अनुसार की जाती है।

कम्पनी की वित्तीय देयताओं में व्यापार एवं अन्य देयताएं, ऋण एवं उधार, अन्य वित्तीय देयताएं इत्यादि शामिल हैं।

## अनुवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं का मापन नीचे प्रस्तुत विवरण के अनुसार उनके वर्गीकरण पर निर्भर है:

- **लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं**

कम्पनी के पास एफवीटीपीएल के अंतर्गत किसी प्रकार की वित्तीय देयताएं नहीं हैं।

- **परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताएं**

ऋण, उधार, व्यापार देय एवं अन्य वित्तीय देयताएं

प्रारंभिक स्वीकृति के पश्चात ऋण, उधार, व्यापार देय एवं अन्य वित्तीय देयताओं का अनुवर्ती मापन ईआईआर विधि के उपयोग से परिशोधन लागत पर किया जाता है। लाभ एवं हानियों को लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृति तब प्रदान की जाती है जब ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के माध्यम देयताओं की स्वीकृति समाप्त कर दी जाती है। परिशोधन लागत का आकलन किसी प्रकार की छूट अथवा अधिग्रहण प्रीमियम तथा शुल्क अथवा लागतों, जो ईआईआर का अभिन्न अंग हैं, को लेखे में लेकर किया जाता है। ईआईआर परिशोधन में लाभ एवं हानि विवरण की वित्त लागतों को शामिल किया जाता है।

## वित्तीय देयताओं की स्वीकृति समाप्ति

किसी वित्तीय देयता की स्वीकृति तब समाप्त होती है जब देयता के दायित्व पूरे कर लिए जाते हैं अथवा रद्द हो जाते हैं अथवा कालातीत हो जाते हैं। जब कोई विद्यमान वित्तीय देयता के स्थान पर समान ऋणदाता से महत्वपूर्ण भिन्न शर्तों पर अथवा विद्यमान देयताओं की शर्तों की संशोधित शर्तों पर कोई बदलाव किया जाता है तो ऐसे विनिमय अथवा सुधार को मूल देयता की स्वीकृति समाप्ति मानकर नई देयता के प्रति स्वीकृति की जाती है। सम्बद्ध वहन राशियों की अंतरों को लाभ एवं हानि विवरण में स्वीकृत किया जाता है।

## **ग. वित्तीय गारंटी संविदाएं**

कंपनी द्वारा जारी वित्तीय गारंटी संविदाएं वे संविदाएं हैं जिनमें कंपनी को ऋण माध्यम की शर्तों के अनुसार देय होने पर विशिष्ट ऋणदाता द्वारा भुगतान करने में विफल रहने की स्थिति में धारक को हुए घाटे की प्रतिपूर्ति किए जाने के लिए भुगतान की अपेक्षा होती है। वित्तीय गारंटी संविदाओं को आरंभिक तौर पर लागतों के संव्यवहारों के लिए समायोजित उचित मूल्य पर देयता के रूप में स्वीकार किया जाता है, को प्रत्यक्ष रूप से गारंटी के जारी किए जाने से संबंधित है। तत्पश्चात, देयता को इंड एएस-109 की हानि अपेक्षाओं के अनुसार निर्धारित घाटा भत्ते के राशि तथा स्वीकृत राशि घटा संचित परिशोधन, जो कोई भी अधिक हो, पर मापा जाता है।

### घ. वित्तीय परिसम्पतियों का पुनःवर्गीकरण

कम्पनी वित्तीय परिसम्पतियों एवं देयताओं का वर्गीकरण प्रारंभिक स्वीकृति के समय निर्धारित करती है। प्रारंभिक स्वीकृति के पश्चात उन वित्तीय परिसम्पतियों का पुनःवर्गीकरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी उपकरण अथवा वित्तीय देयता होते हैं। ऋण उपकरणों की वित्तीय परिसम्पतियों के लिए पुनःवर्गीकरण तभी किया जाता है जब ऐसी परिसम्पतियों के प्रबंधन के व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन हुआ हो। व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन की संभावना कभी-कभार होती है। व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन तब होता है जब कम्पनी या किसी ऐसे क्रियाकलाप का निष्पादन करना प्रारंभ करती है अथवा समाप्त करती है जो उसके प्रचालनों के लिए महत्वपूर्ण है। यदि कम्पनी वित्तीय परिसम्पतियों का वर्गीकरण करती है तो ऐसा पुनःवर्गीकरण उत्तरव्यापी प्रभाव से अगली रिपोर्टिंग अवधि के तत्काल निकट अगले दिन से व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन करके किया जाता है। कम्पनी स्वीकृत लाभों, हानियों (क्षमता लाभ अथवा हानियों सहित) अथवा ब्याज की पुनः प्रस्तुति नहीं करती है।

### ड. वित्तीय माध्यमों की ऑफसेटिंग

स्वीकृत राशियों का समंजन करने के संबंध में चालू प्रवर्तनीय संविदागत विधिक अधिकार होने तथा परिसम्पतियों से प्राप्ति एवं साथ ही साथ देयताओं का निपटान निवल आधार पर करने की मंशा होने की स्थिति में वित्तीय परिसम्पतियों एवं वित्तीय देयताओं, एवं तुलन पत्र में सूचित की गई राशियों का समंजन किया जाएगा।

## 2.214 उचित मूल्य मापन

कम्पनी द्वारा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वित्तीय उपकरणों का उचित मूल्य पर मापन किया जाता है।

उचित मूल्य वह मूल्य है जो किसी परिसम्पति को बेचने अथवा किसी देयता को अंतरित करने के लिए दिए जाने के लिए बाजार प्रतिभागियों के साथ मापन की तिथि को प्राप्त होता है। उचित मूल्य मापन ऐसे अनुमान पर आधारित है जो परिसम्पति को बेचने के संव्यवहार अथवा देयता का अंतरण करने के उद्देश्य से या तो :

- उत्तम बाजार में परिसम्पतियों अथवा देयताओं के लिए; अथवा
- उत्तम बाजार न होने पर परिसम्पतियों एवं देयताओं के अत्यधिक लाभकारी बाजार में।

उत्तम अथवा लाभकारी बाजार कम्पनी की पहुंच के दायरे में होना चाहिए।

किसी परिसम्पति अथवा देयता के उचित मूल्य का मापन बाजार प्रतिभागियों के ऐसे अनुमानों के अनुसार यह मानकर किया जाता है कि वे इसमें आर्थिक उत्तम हित में बाजार प्रतिभागी क्रिया कर रहे हैं।

किसी गैर-वित्तीय परिसम्पति के उचित मूल्य का मापन उच्चतर एवं बेहतर उपयोग से परिसम्पति का उपयोग आर्थिक लाभों की उत्पत्ति के संबंध में बाजार प्रतिभागियों की क्षमता को विचार में लेकर अथवा इसकी बिक्री किसी अन्य बाजार कर करके, जो परिसम्पति का उपयोग उच्चतर एवं बेहतर ढंग से कर सकता है, किया जाता है।

कम्पनी द्वारा मूल्यांकन तकनीकी का उपयोग किया जाता है ऐसी परिस्थितियों के लिए उचित हैं तथा जिनके संबंध में वह पर्याप्त डेटा उचित मूल्य के मापन के उद्देश्य से उपलब्ध है, जिनसे सम्बद्ध प्रेक्षण योग्य इनपुट का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा तथा गैर-प्रेक्षण योग्य इनपुट का उपयोग न्यूनतम किया जा सकेगा।

सभी परिसम्पतियां एवं देयताओं, जिनके संबंध में उचित मूल्य पर मापन अथवा वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण किया गया है, का वर्गीकरण उचित मूल्य की तारतम्यता का अनुसरण करके किया गया है जो न्यूनतम स्तर के इनपुट पर आधारित है तथा पूर्ण रूप से उचित मूल्य पर मापन के लिए महत्वपूर्ण हैं:-

- स्तर 1 – समान प्रकार की परिसम्पतियों अथवा देयताओं के सक्रिय बाजारों में उद्धृत (गैर-समायोजित) बाजार मूल्य
- स्तर 2 – मूल्यांकन तकनीक जिसके लिए न्यूनतम स्तर के इनपुट हैं जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रेक्षण योग्य उचित मूल्य मापन के लिए उपयोगी हैं।
- स्तर 3 – मूल्यांकन तकनीक जिसके लिए न्यूनतम स्तर के इनपुट हैं जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से गैर-प्रेक्षण योग्य उचित मूल्य मापन के लिए उपयोगी हैं।

ऐसी परिसम्पतियों एवं देयताओं के संबंध में, जो आवर्ती आधार पर वित्तीय विवरणों में स्वीकृत की गई हैं, कम्पनी द्वारा स्तरों के मध्य के स्तरों पर तारतम्यता में अंतरण किए जाने के निर्धारण (न्यूनतम स्तर



इनपुट पर आधारित जो पूर्ण उचित मूल्य मापन के लिए महत्वपूर्ण हैं) प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए जाते हैं।

महत्वपूर्ण परिसम्पतियों एवं देयताओं, यदि कोई हों, के लिए बाह्य मूल्यांककों की सेवाएं प्राप्त की जाती हैं। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को कम्पनी द्वारा उन परिसम्पतियों एवं देयताओं के मूल्य के संचलनों का विश्लेषण किया जाता है जिनका मापन अथवा पुनःमापन कम्पनी की लेखांकन नीतियों के अनुसार किया जाना अपेक्षित होता है।

उचित मूल्य के प्रकटीकरण के लिए कम्पनी द्वारा परिसम्पतियों एवं देयताओं के वर्ग उनकी प्रकृति, विशिष्टताओं एवं परिसम्पति अथवा देयता से जुड़े जोखिमों तथा ऊपर स्पष्ट की गई तारतम्यता के अनुसार उचित मूल्य के स्तर के आधार पर किए जाते हैं।

ऊपर उचित मूल्य के लिए लेखांकन नीतियों का संक्षेप प्रस्तुत किया गया है। उचित मूल्य से संबंधित अन्य प्रकटीकरण सम्बद्ध नोटों में किए गए हैं।

#### 2.2.15. बिक्री के लिए धारित गैर-चालू परिसम्पतियां

जब किसी परिसम्पति का धारण उसकी वहन लागत की वसूली मूलतः बिक्री संव्यवहार के लिए किया जाता है तथा बिक्री संव्यवहार की संभावना काफी विश्वसनीय होती है तो गैर-चालू परिसम्पतियां (अथवा निपटान समूह) का वर्गीकरण बिक्री के लिए धारित परिसम्पतियों के रूप में किया जाता है। किसी बिक्री को काफी विश्वसनीय तब माना जाता है जब परिसम्पति अथवा निपटान समूह अपनी वर्तमान स्थिति में बिक्री के लिए उपलब्ध हो तथा बिक्री न होने की संभावना न हो एवं बिक्री की प्रक्रिया वर्गीकरण किए जाने से एक वर्ष में की जानी संभावित हो। बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत निपटान समूहों को उल्लिखित वहन राशि से कम मूल्य पर तथा बिक्री की लागतों को घटाकर उचित मूल्य किया जाता है। बिक्री के धारित का वर्गीकरण करने के पश्चात सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण, निवेश सम्पति एवं अमूर्त परिसम्पतियों का मूल्यह्रास अथवा परिशोधन नहीं किया जाता है। बिक्री / वितरण के वर्गीकृत के साथ धारित परिसम्पतियों की प्रस्तुति तुलन पत्र में अलग से की जाती है।

यदि इंड एस 105 "बिक्री के लिए धारित गैर-चालू परिसम्पतियां" के उल्लिखित मापदंडों को पूरा नहीं किया जाता है तो बिक्री के लिए धारित निपटान समूहों का वर्गीकरण समाप्त कर दिया जाता है। वर्गीकरण समाप्त की गई बिक्री के लिए धारित गैर-चालू परिसम्पतियों का मापन – (1) बिक्री के लिए धारित गैर-चालू परिसम्पति के रूप में वर्गीकरण से पूर्व उसकी वहन राशि, मूल्यह्रास के समायोजन के पश्चात जो तब किया जाता जब बिक्री के धारित परिसम्पति का वर्गीकरण न होगा, तथा (2) उस तिथि

की उसकी वसूली योग्य राशि जब निपटान समूह का वर्गीकरण बिक्री के धारित के लिए समाप्त किया गया था, से न्यून किया जाता है। मूल्यह्रास रिर्वसल समायोजन से संबंधित सम्पति, संयंत्र एवं उपकरण, निवेश परिसम्पति तथा अमूर्त परिसम्पतियों को उस अवधि के लाभ एवं हानि विवरण में प्रभारित किया जाता जिस अवधि में गैर-चालू परिसम्पतियों का धारण बिक्री के लिए किए जाने के मापदंड पूरे नहीं हो पाते हैं।

#### **2.2.16. प्रमुख पूर्वावधि समायोजन**

चालू वर्ष में पूर्वावधि से संबद्ध चूक/अकरण पाई जाने पर यदि प्रत्येक एवं अकरण का औसत कम्पनी के पिछले लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार कुल परिचालन राजस्व के 0.50 प्रतिशत से अधिक नहीं होता है तो उसका उपचार सारहीन रूप से किया जाता है तथा उसका समायोजन चालू वर्ष में किया जाता है।

#### **2.2.17. प्रचालनिक सेगमेंट**

प्रचालन सेगमेंट को इस रूप में रिपोर्ट किया जाता है जो मुख्य प्रचालन निर्णय निर्धारक (सीओडीएम) को उपलब्ध आंतरिक रिपोर्टिंग के अनुसार हो। सीओडीएम, संसाधनों को आवंटित करने और कंपनी के प्रचालनिक सेगमेंट के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन कराने के लिए उत्तरदायी है।

#### **2.2.18. प्रति शेयर आमदनियां**

प्रति शेयर मूल आमदनी निर्धारित करने के लिए, समूह इक्विटी शेयरधारकों के प्रति निवल लाभ पर विचार करता है। प्रति शेयर मूल आमदनी के परिकलन में प्रयुक्त शेयरों की संख्या उस अवधि के दौरान बकार्यो शेयरों की संख्या का औसत है। प्रति शेयर विलयित आमदनियों के निर्धारण के लिए, इक्विटी शेयरधारकों के प्रति निवल लाभ और इस अवधि के दौरान बकार्यो शेयरों की औसत संख्या को सभी विलयित संभावित इक्विटी शेयरों के प्रभाव के लिए समायोजित किया जाता है।

#### **2.2.19 महत्वपूर्ण लेखांकन अनुमान एवं निर्धारण**

उक्त वित्तीय विवरणों के निर्माण के लिए उपयोग में लाए गए अनुमानों का अनवरत मूल्यांकन कम्पनी द्वारा किया जाता है तथा ये ऐतिहासिक अनुभव एवं विभिन्न अन्य अनुमानों एवं कारकों (भावी घटनाओं की संभावनाओं सहित), जिनके प्रति कम्पनी का विश्वास विद्यमान परिस्थितियों के कारण औचित्यपरक रूप से है, पर आधारित होते हैं। ऐसे अनुमान ऐसे तथ्यों एवं घटनाओं पर आधारित होते हैं जो रिपोर्टिंग तिथि को विद्यमान हैं अथवा जिनका आस्तित्व इस तिथि के पश्चात हुआ है परन्तु विद्यमान स्थितियों के अनुसार रिपोर्टिंग तिथि को इनका आस्तित्व होने के अतिरिक्त प्रमाण उपलब्ध हैं। तथापि, कम्पनी द्वारा

ऐसे अनुमानों, वास्तविक परिणामों का नियमित मूल्यांकन किया जाता है परन्तु ऐसे अनुमान आंके जाने के समय औचित्यपरक होते हुए इनके वास्तविक परिणाम सामग्रीगत रूप से भिन्न हो सकते हैं तथा ऐसे परिणाम ऐतिहासिक अनुभव अथवा अनुमानों से भिन्न होने पर भी पूरी तरह से सटीक नहीं होते हैं। अनुमानों में होने वाले परिवर्तनों की स्वीकृति उस अवधि के वित्तीय विवरणों में की जाती है जिस अवधि में ये ज्ञात होते हैं।

रिपोर्टिंग तिथि को भावी एवं अन्य प्रमुख स्रोतों के अनुमानों की अनिश्चितता से संबंधित प्रमुख अनुमान, जिनमें अगले वित्तीय वर्ष में परिसम्पतियों एवं देयताओं की वहन राशियों में सामग्रीगत समायोजन की उत्पत्ति का महत्वपूर्ण जोखिम व्याप्त है, का वर्णन नीचे किया गया है। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

#### **क. ग्रहित न किए गए व्यापार प्राप्यों के लिए प्रावधान**

व्यापार प्राप्यों के साथ ब्याज नहीं होता है तथा इनकी प्रस्तुत उनके सामान्य मूल्यों पर अनुमानित वसूलीयोग्य राशि पर छूट करके प्रदान की जाती है जो प्राप्य शेष एवं ऐतिहासिक अनुभवों पर आधारित होती है। व्यापार प्राप्यों का अलग अलग बट्टा तब किया जाता है जब प्रबंधन को उनकी वसूली संभव प्रतीत नहीं होती है।

#### **ख. आकस्मिताएं**

कम्पनी के प्रति व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के दौरान आकस्मिक देयताओं की उत्पत्ति न्यायिक मामलों एवं अन्य दावों के परिणामस्वरूप होती है। ये ऐसे दायित्व होते हैं जिनके संबंध में प्रबंधन सभी उपलब्ध तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर संबंधित भुगतान अथवा कठिनाई के परिमाण के अनुमान विश्वसनीयता से नहीं आंक सकती है तथा ऐसे दायित्वों को आकस्मिक दायित्व मानकर इनका प्रकटीकरण नोटों में किया गया है। इस प्रकार, कम्पनी संबंधी जटिल विधिक प्रक्रियाओं के अंतिम प्रतिफल का ऐसा कोई निश्चित प्रमाण नहीं है जिससे आकस्मिकताओं का सामग्रीगत प्रभाव का कम्पनी की वित्तीय स्थिति पर होने के विश्वसनीय अनुमान लगाए जा सके।

#### **ग. वित्तीय परिसम्पतियों की अक्षमता**

वित्तीय परिसम्पतियों के लिए अक्षमता प्रावधान चूक जोखिमों एवं संभावित हानि दरों के अनुमानों पर आधारित होते हैं। कम्पनी अपने विवेक का उपयोग करके ऐसे अनुमान लगाकर अक्षमता इनपुट का आकलन करती है जो कम्पनी के पूर्व इतिहास, बाजार स्थितियों के आधार एवं प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लगाए जाने वाले भावी अनुमानों पर आधारित होते हैं।

#### घ. कर

जटिल कर विनियमों की व्याख्या, कर विधियों में बदलाव एवं राशि एवं भावी करयोग्य आय के संबंध में अनिश्चितताएं व्याप्त होती हैं। व्यापार के स्वरूप के कारण वास्तविक परिणाम एवं लगाए गए अनुमानों अथवा ऐसे अनुमानों में भावी परिवर्तनों से होने वाली भिन्नताओं के कारण पहले से रिकार्ड की गई कर आय एवं व्यय में भविष्य में समायोजन करने पड़ सकते हैं। कम्पनी द्वारा ऐसे औचित्यपरक अनुमानों के आधार पर प्रावधान स्थापित किए गए हैं। ऐसे प्रावधानों की राशि पूर्व कर लेखापरीक्षा के अनुभव एवं करयोग्य इकाईयों द्वारा की गई कर की भिन्नताओं की व्याख्या जैसे विभिन्न कारकों पर आधारित होती है। व्याख्या में भिन्नता के कारण कम्पनी के कार्यक्षेत्र में व्याप्त परिस्थितियों से विभिन्न प्रकार के अनेक मामले उत्पन्न हो सकते हैं।

आस्थगित कर परिसम्पतियों की स्वीकृति अप्रयुक्त कर हानियों के लिए उस विस्तार तक की जाती है जहां तक ऐसी विश्वसनीयता हो कि इससे करयोग्य लाभ प्राप्त होंगे जिनके प्रति हानियों का उपयोग किया जा सकेगा। आस्थगित कर परिसम्पतियों की राशि के स्वीकृति योग्य निर्धारण करने के लिए महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है जो समय की अनुकूलता एवं भावी करयोग्य लाभ के स्तर के साथ साथ भावी कर योजना रणनीतियों पर आधारित होते हैं।

#### ड. गैर-वित्तीय परिसम्पतियों की अक्षमता

अक्षमता तब उत्पन्न होती है जब किसी परिसम्पति रोकड़ उत्पत्ति यूनिट का वहन मूल्य उसकी वसूलीयोग्य राशि से अधिक हो जाता है तथा जो उसकी निपटान लागतों एवं उपयोग मूल्य को घटाकर उचित मूल्य से अधिक होता है। उचित मूल्य घटाकर निपटान लागत के आकलन आर्म लैंथ पर किए गए बाध्यकारी बिक्री संव्यवहारों से उपलब्ध डेटा पर आधारित होते हैं जो परिसम्पति के निपटान की आवर्धित लागतों को घटाकर समान प्रकार की परिसम्पतियों अथवा प्रत्यक्ष बाजार मूल्यों के अनुसार होते हैं। उपयोग मूल्य का आकलन डीसीएफ मॉडल पर आधारित होता है।

#### च. नवीकरण एवं समापन विकल्प के साथ पट्टे के अनुबंध काल का निर्धारण – पट्टेदार के रूप में कम्पनी

कम्पनी पट्टा काल का निर्धारण पट्टे को रद्द न किए जाने की शर्त के साथ करती है जिसमें पट्टे की किन्हीं अवधियों को विस्तारित करने, यदि इसका उपयोग करने की औचित्यपरक निश्चितता हो, अथवा पट्टे का समापन करने के विकल्प के साथ शामिल अवधियों, यदि इसका उपयोग न करने की औचित्यपरक निश्चितता हो, का समावेश होता है।

कम्पनी द्वारा ऐसे पट्टा अनुबंध किए गए हैं जिनमें विस्तार एवं समापन के विकल्प हैं। कम्पनी अपने विवेक से यह ज्ञात करती है कि क्या किसी पट्टे का नवीकरण करने अथवा उसका समापन करने के विकल्प के उपयोग के प्रति किसी प्रकार के औचित्यपरक कारक हैं अथवा नहीं हैं। इस प्रकार के सभी सम्बद्ध कारकों पर विचार से कम्पनी के सम्मुख नवीकरण करने अथवा समापन करने के विकल्प के उपयोग का आर्थिक कारण प्रस्तुत हो जाता है। प्रारंभ तिथि के पश्चात कम्पनी पट्टा काल का मूल्यांकन करके यह ज्ञात करती है कि क्या परिस्थितियों में किसी प्रकार की ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं अथवा बदलाव हुए हैं जो उसके नियंत्रण में हैं तथा जिनके प्रभाव से कम्पनी को नवीकरण अथवा समापन करने के विकल्प का उपयोग करना पड़ सकता है अथवा नहीं करना पड़ सकता है (अर्थात् महत्वपूर्ण पट्टाधारित सुधार अथवा पट्टाधारित परिसम्पतियों में महत्वपूर्ण बदलाव)।

#### **छ. राजस्व स्वीकृति**

कंपनी कार्यनिष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति का उचित अनुमान लगाने के बाद समय के साथ संतुष्ट प्रदर्शन दायित्व के लिए राजस्व की पहचान करती है।

राजस्व की मान्यता के लिए काम के दायरे, दावों (मुआवजा, छूट इत्यादि) और अन्य भुगतानों में कार्यनिष्पादन दायित्व संतुष्ट होने की सीमा तक मूल्यांकन और निर्णय लेने की आवश्यकता होती है और वे संभावित होते हैं और उचित रूप से मापने में सक्षम होते हैं। दावों के लिए अनुमान बनाने के उद्देश्य से, कंपनी ने उपलब्ध संविदात्मक और ऐतिहासिक जानकारी का उपयोग किया।

**इरकान लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड**

**सीआईएन :- U45309DL2021GOI391675**

31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए वित्तीय विवरणों के नोट

(सभी राशियां भारतीय लाख रुपये में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

**3 आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल)**

क) दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि और 24 दिसंबर 2021 से 31 मार्च 2022 की अवधि के लिए आयकर व्यय के प्रमुख घटक हैं: -

विवरण	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
चालू आयकर चालू अवधि आयकर शुल्क आस्थगित कर अस्थाई अंतरों की उत्पत्ति एवं निराकरण के संबंध में	- 0.01	0.11 (0.05)
<b>लाभ और हानि विवरण खंड में आयकर व्यय की सूचना दी गई है</b>	<b>0.01</b>	<b>0.06</b>

ख) 31 मार्च 2023 और 31 मार्च 2022 के लिए कर व्यय और भारत की घरेलू कर दर से गुणा किए गए लेखांकन लाभ का समाधान:

विवरण	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
1. कर से पहले लेखांकन लाभ/(हानि)	-	-
2. आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार कॉर्पोरेट कर की दर	25.17%	25.17%
3. लेखांकन लाभ पर कर	-	-
<b>4. कर समायोजन पर प्रभाव</b>		
(i) व्ययों पर कर:		
(क) निगमन-पूर्व व्यय (स्वीकार्य)/गैर-अनुमति योग्य	-	0.11
(ख) मूल्यहास प्रभाव	-	-
(ii) आस्थगित कर व्यय / (आय)	0.01	(0.05)
<b>कर समायोजन का कुल प्रभाव</b>	<b>0.01</b>	<b>0.06</b>
<b>5. लाभ और हानि के विवरण में सूचित आयकर व्यय (3+4)</b>	<b>0.01</b>	<b>0.06</b>
<b>6. प्रभावी कर दर <math>6 = 5/1</math></b>	<b>0.00%</b>	<b>0.00%</b>

ग) तुलन पत्र और लाभ और हानि के विवरण में आस्थगित कर परिसंपत्तियों और (देनदारियों) का घटक

विवरण	लाभ और हानि विवरण		तुलन पत्र	
	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022
निगमन-पूर्व व्यय	0.01	(0.05)	0.04	0.05
मूल्यहास	-	-	-	-
घाटे को अग्रणीत करना	-	-	-	-
<b>शुद्ध आस्थगित कर संपत्ति/(देयताएं)</b>	<b>0.01</b>	<b>(0.05)</b>	<b>0.04</b>	<b>0.05</b>

घ) तुलन पत्र में निम्नानुसार दर्शाया गया है:

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
आस्थगित कर परिसंपत्तियां	0.04	0.05
विलंबित कर उत्तरदायित्व	-	-
<b>आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ/(देनदारियाँ) (शुद्ध)</b>	<b>0.04</b>	<b>0.05</b>

ड.) आस्थगित कर (देनदारियाँ)/परिसंपत्तियों का समाधान:

दिनांक 31.03.2023 तक

विवरण	1 अप्रैल 2022 को शेष (निवल)	लाभ और हानि विवरण में स्वीकृति	ओसीआई में स्वीकृति	31 मार्च 2023 को शेष (निवल)
निगमन-पूर्व व्यय बढ़ी मूल्यहास और आयकर मूल्यहास में अंतर	0.05	(0.01)	-	0.04
घाटे को अग्रणीत	-	-	-	-
शुद्ध आस्थगित कर संपत्ति/(देयताएं)	0.05	(0.01)	-	0.04

दिनांक 31.03.2022 तक

विवरण	1 अप्रैल 2021 को शेष (निवल)	लाभ और हानि विवरण में स्वीकृति	ओसीआई में स्वीकृति	31 मार्च 2022 को शेष (निवल)
निगमन-पूर्व व्यय	-	0.05	-	0.05
शुद्ध आस्थगित कर संपत्ति/(देयताएं)	-	0.05	-	0.05

**इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड**  
**सीआईएन :- U45309DL2021GOI391675**

31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए वित्तीय विवरणों के नोट  
 (सभी राशियां भारतीय लाख रुपये में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

**4 चाल परिसंपत्तियाँ - वित्तीय परिसंपत्तियाँ**

**4.1 वर्तमान वित्तीय परिसंपत्तियाँ - नकद और नकद समकक्ष**

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2022 को
निर्धारित निधि - चालू खातों पर	11.88	11,87,952.85	3.90	3,89,860.28
<b>कुल</b>	<b>11.88</b>	<b>11,87,952.85</b>	<b>3.90</b>	<b>3,89,860.28</b>

**4.2 चाल परिसंपत्ति - अन्य वित्तीय परिसंपत्ति**

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2022 को
(अरक्षित और वसूली योग्य माना गया) प्रतिभूति जमा राशि अनुबंध परिसंपत्तियाँ: एससीए के तहत अनुबंध संपत्ति	- 2,423.62	- 2423,61,854.45	- 1.47	- 1,47,139.72
<b>कुल</b>	<b>2,423.62</b>	<b>2423,61,854.45</b>	<b>1.47</b>	<b>1,47,139.72</b>

**5 अन्य चाल परिसंपत्तियाँ**

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2022 को
(अरक्षित और वसूली योग्य समझा गया) निम्न से वसूली योग्य अग्रिम वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी)	428.52	428,52,045.62	-	-
पूर्व प्रदत्त व्यय	15.03	15,03,471.00	-	-
<b>कुल</b>	<b>443.55</b>	<b>443,55,516.62</b>	<b>-</b>	<b>-</b>



**इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड**

सीआईएन :- U45309DL2021GOI391675

31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए वित्तीय विवरणों के नोट

(सभी राशियां भारतीय लाख रुपये में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

**6 इक्विटी शेयर पूंजी**

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
अधिकृत शेयर पूंजी प्रत्येक 10/- रुपये के 50,000 इक्विटी शेयर	5.00	5.00
जारी, अंशदायी और पूर्णत प्रदत्त शेयर प्रत्येक 10/- रुपये के 50,000 इक्विटी शेयर	5.00	5.00
<b>कुल जारी, अंशदायी और पूर्णत प्रदत्त शेयर पूंजी</b>	<b>5.00</b>	<b>5.00</b>

**(क) प्रमोटर की शेयरधारिता**

विवरण	अवधि के अंत में प्रमोटर द्वारा रखे गए शेयर			अवधि के दौरान प्रतिशत परिवर्तन
	प्रमोटर का नाम	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या	
31 मार्च 2023 को	इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड	50,000.00	100%	-
इस अवधि के अंत में बकाया राशि		<b>50,000.00</b>	<b>100%</b>	-
31 मार्च 2022 को	इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड	50,000.00	100%	-
इस अवधि के अंत में बकाया राशि		<b>50,000.00</b>	<b>100%</b>	-

**(ख) रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ और अंत में बकाया शेयरों का समाधान**

विवरण	31 मार्च 2023 को		31 मार्च 2022 को	
	शेयरों की संख्या	रूप लाख में	शेयरों की संख्या	रूप लाख में
अवधि के आरंभ में	50,000.00	5.00	-	-
अवधि के दौरान जारी किया गया	-	-	50,000.00	5.00
<b>अवधि के अंत में बकाया</b>	<b>50,000.00</b>	<b>5.00</b>	<b>50,000.00</b>	<b>5.00</b>

**8 इक्विटी शेयरों से संबंधित शर्तें/अधिकार****(i) मतदान**

कंपनी के पास 10 रूपए प्रति शेयर के बराबर मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का केवल एक वर्ग है। इक्विटी शेयर का प्रत्येक धारक प्रति शेयर एक वोट का हकदार है।

**(ii) दिवालियापन**

कंपनी के परिसमापन की स्थिति में, इक्विटी शेयरों के धारक सभी अधिमान्य राशियों के वितरण के बाद कंपनी की शेष संपत्ति प्राप्त करने के हकदार होंगे। वितरण शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा।

**(iii) लाभांश**

निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है

(घ) कंपनी में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण:

विवरण	31 मार्च 2023 को		31 मार्च 2022 को	
	शेयरों की संख्या	श्रेणी में प्रतिशत धारिता	शेयरों की संख्या	श्रेणी में प्रतिशत धारिता
रुपये के इक्विटी शेयर। 10 प्रत्येक का पूर्ण भुगतान इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड और उसके नामित * * होल्डिंग कंपनी की ओर से नामांकित शेयरधारकों के पास 600 इक्विटी शेयर हैं।	50000	100%	50000	100%

(ड.) होल्डिंग कंपनी 'मैसर्स इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड' सार्वजनिक क्षेत्र की निर्माण कंपनी है, जिसके पास कंपनी का 100% इक्विटी शेयर है।

7 अन्य इक्विटी

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
प्रतिधारित आय	(0.07)	(0.06)
अर्ध इक्विटी (इरकॉन से ऋण)	89.00	-
कुल	88.93	(0.06)

i) निम्नानुसार संचलन :

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
प्रतिधारित आय		
प्रारंभिक जमा राशि	(0.06)	-
लाभ और हानि के विवरण में अधिशेष से स्थानांतरण	(0.01)	(0.06)
शेष जमा राशि	(0.07)	(0.06)

ii) प्रकृति और उद्देश्य:

प्रतिधारित आय  
प्रतिधारित आय कंपनी के अतिरिक्त लाभ को दर्शाती है

8 वर्तमान देनदारियाँ - वित्तीय देनदारियाँ

8.1 वर्तमान देनदारियाँ - व्यापार देय

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
(क) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम	2.78	-
(ख) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अलावा ठेकेदार एवं आपूर्तिकर्ता संबंधित पक्ष	21.24 2,683.37	0.37 -
कुल	2,707.39	0.37

टिप्पणियाँ:-

क) कंपनी अधिनियम, 2013 / सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमडी) के तहत आवश्यक प्रकटन नोट 30 में प्रदान किए गए हैं।

दिनांक 31 मार्च 2023 और 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए व्यापार देय आय अनुसूची:

विवरण	भुगतान की नियत तिथि से 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए बकाया				कुल
	बिना बिल	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2 वर्ष से अधिक	
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	2.56	0.22	-	-	2.78
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों को छोड़कर अन्य	21.24	2,683.37	-	-	2,704.61

विवरण	भुगतान की नियत तिथि से 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए बकाया				कुल
	बिना बिल	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2 वर्ष से अधिक	
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	-	-	-	-	-
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों को छोड़कर अन्य लेनदारों का कुल बकाया	0.37	-	-	-	0.37

8.2 चालू देनदारियाँ - अन्य वित्तीय देनदारियाँ

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
अरक्षित होल्डिंग कंपनी को देय अन्य देय (स्टाफ देय सहित)	6.97 0.15	- -
कुल	7.12	-

9 अन्य चालू देनदारियाँ

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
अन्य वैधानिक बकाया	70.65	-
कुल	70.65	-

10 चालू कर देयताएं (निवल)

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
आयकर के लिए प्रावधान (अग्रिम कर और टीडीएस का शुद्ध)	-	0.11
कुल	-	0.11

11 प्रचालनों से राजस्व

विवरण	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
संविदागत राजस्व	2,422.15	1.47
<b>कुल</b>	<b>2,422.15</b>	<b>1.47</b>

12 परियोजना व्यय

विवरण	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
कार्य व्यय	2,333.37	-
<b>कुल</b>	<b>2,333.37</b>	<b>-</b>

13 कर्मचारी लाभ व्यय

विवरण	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
वेतन एवं पारिश्रमिक	20.36	-
भविष्य निधि और अन्य निधियों में अंशदान	1.49	-
सेवानिवृत्ति लाभ	3.12	-
<b>कुल</b>	<b>24.97</b>	<b>-</b>

14 वित्तीयलागत

विवरण	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
अन्य ऋण लागत - बैंक गारंटी और अन्य प्रभार	2.47	-
<b>कुल</b>	<b>2.47</b>	<b>-</b>

15 अन्य व्यय

विवरण	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
निरीक्षण, जियो टेक्निकल जांच एवं सर्वेक्षण व्यय, आदि	20.95	-
मुद्रण एवं स्टेशनरी व्यय	0.61	-
डाक शुल्क, टेलीफोन और टैलेक्स	0.01	-
कानूनी एवं व्यावसायिक शुल्क	21.24	0.24
लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	0.52	0.25
व्यवसाय संवर्धन	0.12	-
निगमन-पूर्व व्यय	-	0.48
किराया	3.01	0.50
बीमा	14.62	-
यात्रा एवं वाहन	0.24	-
विविध व्यय	0.02	-
<b>कुल</b>	<b>61.34</b>	<b>1.47</b>

(i) लेखापरीक्षकों को भुगतान

विवरण	24/12/2021 से 31/03/2022 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
लेखापरीक्षक को भुगतान		
- सांविधिक लेखापरीक्षा शुल्क	0.29	0.25
- कर लेखापरीक्षा शुल्क	0.08	-
- त्रैमासिक सीमित समीक्षा के लिए शुल्क	0.15	-
<b>कुल</b>	<b>0.52</b>	<b>0.25</b>

**16. इंड एस 21 'विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन के प्रभाव' के अनुसार प्रकटीकरण**

लाभ और हानि के विवरण में विनिमय अंतर (शुद्ध) जमा/नाम की गई राशि शून्य है।

**17. कर्मचारी लाभ पर इंड एस 19 के अनुसार प्रकटीकरण**

इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाइवे लिमिटेड में कर्मचारियों को इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (होल्डिंग कंपनी) से नामांकन/सेकंडमेंट आधार पर तैनात किया जाता है।

कंपनी की लेखांकन नीति (नोट संख्या 2.2.8) और होलडिंग कंपनी के साथ व्यवस्था के संदर्भ में, भविष्य निधि, पेंशन, उपदान, सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभ, अवकाश और नामांकित कर्मचारियों के अन्य टर्मिनल लाभों जैसे सेवानिवृत्ति लाभों का प्रावधान, इंड एस-19 के संदर्भ में होलडिंग कंपनी द्वारा किया जा रहा है। होलडिंग कंपनी को भविष्य निधि, पेंशन, उपदान, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ, छुट्टियां और अन्य टर्मिनल लाभों के लिए भुगतान या देय राशि "कर्मचारी लाभ व्यय" (नोट 13) में शामिल है। नामांकन/सेकंडमेंट पर कर्मचारियों का भविष्य निधि योगदान नियमित रूप से होलडिंग कंपनी द्वारा अपने पीएफ ट्रस्ट के पास जमा किया जाता है।

**18. संबंधित पक्ष प्रकटन**

इंड एस 24 'संबंधित पक्ष प्रकटन' के अनुपालन में प्रकटीकरण इस प्रकार हैं:

**(क) संबंधित पक्षों की सूची**

**(i) होलडिंग कंपनी**

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

**(ii) प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी)**

(गैर कार्यपालक निदेशक)

नाम	पद का नाम
श्री अशोक कुमार गोयल (24 दिसंबर, 2021 से 10 अक्टूबर, 2022 तक)	इरकॉन के निदेशक
श्री पराग वर्मा (24 दिसंबर, 2021 से)	इरकॉन के निदेशक
श्री मसूद अहमद (24 दिसंबर, 2021 से)	इरकॉन के निदेशक
श्री मुगुंथन बोजू गौड़ा (24 दिसंबर, 2021 से)	इरकॉन के निदेशक
श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा (10 अक्टूबर 2022 से)	इरकॉन के निदेशक

अन्य संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन इस प्रकार हैं:

लेन-देन की प्रकृति	संबंधित पक्ष का नाम	संबंध की प्रकृति	31/03/2023 तक की अवधि	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि तक
1) प्रतिपूर्ति व्यय 2) किराया व्यय (जीएसटी सहित) 3) कार्य अनुबंध 4) इक्विटी शेयरों में निवेश 5) होल्डिंग कंपनी से ऋण - अर्ध इक्विटी	इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड	अधिकार वाली कंपनी	11.01 3.01 2,333.37 - 89.00	0.48 0.50 - 5.00 -

संबंधित पक्षों के पास बकाया राशि इस प्रकार है:

लेन-देन की प्रकृति	संबंधित पक्ष का नाम	संबंध की प्रकृति	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
रिपोर्टिंग तिथि पर देय शेष राशि	इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड	अधिकार वाली कंपनी	2,690.34	-

घ) संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन के नियम और शर्तें

- (i) संबंधित पक्षों के साथ लेन-देन उन समान शर्तों पर किया जाता है जो आर्म लेंथ के लेन-देन में प्रचलित हैं।
- (ii) रिपोर्टिंग तिथि पर संबंधित पक्षों के बकाया शेष अरक्षित हैं और निपटान बैंकिंग लेनदेन के माध्यम से होता है। ये शेष राशि ब्याज मुक्त हैं।

#### 19. प्रति शेयर आय (ईपीएस)

इंड एस 33 'प्रति शेयर आय' के अनुसार प्रकटन

(क) मूल ईपीएस की गणना, अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या द्वारा इक्विटी धारकों के कारण अवधि के लिए लाभ को विभाजित करके की जाती है।

(ख) विलयित ईपीएस की गणना, इस अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या, जो सभी के रूपांतरण पर जारी किए जाएंगे, के प्रभाव पर विचार करने के पश्चात, इक्विटी धारकों के कारण अवधि के लिए लाभ को विभाजित करके की जाती है। इक्विटी शेयरों में विलयित संभावित इक्विटी शेयर।

#### (i) मूल और विलयित आय प्रति शेयर (रूप में)

विवरण	नोट	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु	24/12/2021 (निगमना की तिथि ) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
इक्विटी धारकों के कारण लाभ (लाख रुपये में)	(ii)	(0.01)	(0.06)
इक्विटी शेयरों की संख्या		50,000.00	50,000.00
अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारत औसत सं.	(iii)		50,000.00
प्रति शेयर आय (मूल)		(0.02)	(0.12)
प्रति शेयर आय (विलयित)		(0.02)	(0.12)
प्रति शेयर अंकित मूल्य		10.00	10.00

(ii) इक्विटी शेयरधारकों के प्रति लाभ (अंश के रूप में प्रयुक्त) (लाख रुपये में)

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु	24/12/2021 (निगमना की तिथि ) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
लाभ और हानि के विवरण के अनुसार वर्ष के लिए लाभ	(0.01)	(0.06)
ईपीएस की गणना के लिए उपयोग की जाने वाली कंपनी के इक्विटी धारकों के प्रति लाभ	(0.01)	(0.06)

(iii) इक्विटी शेयरों की भारत औसत संख्या (भाजक के रूप में प्रयुक्त) (संख्या)

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु	24/12/2021 (निगमना की तिथि ) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
जारी किए गए इक्विटी शेयरों का आरंभिक शेष	50,000.00	-
अवधि के दौरान जारी किए गए इक्विटी शेयर	-	50,000.00
अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारत औसत	50,000.00	50,000.00
विलयन का प्रभाव:		
जमा: अवधि के दौरान बकाया संभावित इक्विटी शेयरों की भारत औसत संख्या	-	-
विलयित ईपीएस की गणना के लिए इक्विटी शेयरों की भारत औसत संख्या	50,000.00	50,000.00

**नोट:** इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या, निगमन की तारीख से बकाया शेयरों की संख्या है, जिसे समय भार कारक द्वारा अवधि के दौरान जारी किए गए इक्विटी शेयरों की संख्या से गुणा करके समायोजित किया जाता है। समय भार कारक उन दिनों की संख्या है जिनके लिए अवधि के दौरान कुल दिनों की संख्या के अनुपात के रूप में विशिष्ट शेयर बकाया हैं।

## 20. परिसंपत्तियों की हानि

इस अवधि के दौरान, कंपनी ने कंपनी अधिसूचित की धारा 133 के तहत इंड एस 36, "परिसंपत्तियों की क्षति" के संदर्भ में निवल वसूली योग्य मूल्य और वहन लागत के आधार पर वसूली योग्य राशि की गणना करके व्यक्तिगत संपत्ति की हानि पर आकलन किया है। अधिनियम, 2013 को कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के नियम 3 और कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम 2016 के साथ पढ़ा जाए। तदनुसार, शून्य (शून्य) की हानि क्षति के लिए प्रावधान किया गया है।

## 21. इंड एस 1 के अनुसार प्रकटीकरण 'वित्तीय विवरण की प्रस्तुति'

### महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में परिवर्तन

वर्ष के दौरान, लेखांकन नीतियों में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं:

(i) होल्डिंग कंपनी के साथ एकरूपता और बेहतर प्रकटीकरण के लिए नीति संख्या 2.2.2 "परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण" में परिवर्तन किए गए हैं।

(ii) उपरोक्त परिवर्तनों के कारण वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

## 22. प्रावधान, आकस्मिकताएँ और प्रतिबद्धताएँ

### (क) प्रावधान

इंड एस 37 'प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक संपत्ति' के अनुसार वर्ष के दौरान कोई प्रावधान प्रदान नहीं किया गया।

### (ख) आकस्मिक देनदारियां

इंड एस 37 'प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक संपत्ति' के अनुसार रिपोर्टिंग तिथि पर कंपनी के खिलाफ किसी भी दावे को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया।

### **(ग) आकस्मिक संपत्ति**

इंड एस 37 'प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक संपत्ति' के अनुसार रिपोर्टिंग तिथि पर कंपनी के पक्ष में कोई भी दावा प्राप्य के रूप में लेखांकित नहीं किया गया है।

### **(घ) प्रतिबद्धताएं**

पूंजी: पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों की अनुमानित राशि (अग्रिम का शुद्ध) और इसके लिए प्रावधान नहीं किया गया है, शून्य है।

अन्य: 31 मार्च, 2023 को शेष ठेकेदार ईपीसी कार्य का निष्पादन, 97204.72 लाख रुपये (31 मार्च, 2022, शून्य)।

## **23. सेगमेंट रिपोर्टिंग**

### **(i) सामान्य जानकारी**

"प्रचालनिक सेगमेंट को उद्यम के घटकों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसके लिए निरंतर वित्तीय जानकारी उपलब्ध होती है, जिसका नियमित रूप से मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) द्वारा मूल्यांकन किया जाता है कि संसाधनों को कैसे आवंटित किया जाए और कार्यनिष्पादन का आकलन किया जाए। कंपनी का निदेशक मंडल है मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम)। कंपनी पंजाब राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास के व्यवसाय में कार्यरत है और चीफ ऑपरेटिंग डिसेजन मेकर (सीओडीएम), एक सेगमेंट के रूप में व्यवसाय के परिचालन परिणामों की निगरानी करता है, इसलिए इंड एस 108 की आवश्यकताओं के अनुसार इसे किसी अलग सेगमेंट में प्रकट करने की आवश्यकता नहीं है।

### **(ii) भौगोलिक सूचना की जानकारी**

चूंकि कंपनी एक ही भौगोलिक खंड अर्थात् भारत में कार्यरत है, इसलिए अलग से किसी भौगोलिक खंड का प्रकटन नहीं किया गया है।

### **(iii) प्रमुख ग्राहक के बारे में जानकारी**

दिनांक 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान, 2422.15 लाख रूपए (31 मार्च, 2022 को 1.47 लाख रूपए) का राजस्व, एक ग्राहक अर्थात् एनएचएआई से प्राप्त हुए हैं, जो कंपनी के कुल राजस्व का 10% से अधिक है।



## 23. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

कंपनी की प्रमुख वित्तीय देनदारियों में और अन्य देय शामिल हैं। इन वित्तीय देनदारियों का मुख्य उद्देश्य, कंपनी के संचालन का वित्तपोषण करना है। कंपनी की प्रमुख वित्तीय परिसंपत्तियों में, प्राप्य और नकद और अल्पकालिक जमा राशियां शामिल हैं। वित्तीय साधनों के उपयोग से कंपनी को निम्नलिखित जोखिमों का सामना करना पड़ता है: ऋण जोखिम, तरलता जोखिम और बाजार जोखिम। यह नोट उपर्युक्त जोखिमों में से प्रत्येक के लिए कंपनी के जोखिम, कंपनी के उद्देश्यों, नीतियों और जोखिम को मापने और प्रबंधित करने की प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत करता है।

### जोखिम प्रबंधन संरचना

कंपनी की गतिविधियां, इसे विभिन्न जोखिमों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। कंपनी ने पर्याप्त प्रणाली और अभ्यास विकसित करके ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए पर्याप्त उपाय किए हैं। कंपनी के जोखिम प्रबंधन ढांचे की स्थापना और निरीक्षण के लिए निदेशक मंडल पूर्ण रूप से उत्तरदायी है।

#### **क) ऋण जोखिम**

ऋण जोखिम, कंपनी के लिए वित्तीय हानि का जोखिम तब उत्पन्न होता है, जब कोई ग्राहक या किसी वित्तीय साधन का प्रतिपक्ष अपने संविदात्मक दायित्वों को पूरा करने में विफल रहता है, जिसके परिणामस्वरूप, कंपनी को वित्तीय हानि होता है। ऋण जोखिम मुख्य रूप से नकद और नकद समकक्षों और अन्य वित्तीय संपत्तियों से उत्पन्न होता है। कंपनी के एक्सपोजर और उसके प्रतिपक्षों की ऋण रेटिंग की प्रबंधन द्वारा लगातार निगरानी की जाती है।

#### **नकद और नकदी के समतुल्य**

नकद और नकद समकक्ष को मजबूत ऋण रेटिंग वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में रखा जाता है।

### व्यापार प्राप्य अन्य वित्तीय संपत्ति

कंपनी का ऋण जोखिम, मुख्य रूप से ग्राहक की विशेषताओं से प्रभावित होता है। जिस उद्योग और देश में ग्राहक काम करता है, वहां के डिफॉल्ट जोखिम सहित ग्राहक की जनसांख्यिकी का भी क्रेडिट जोखिम मूल्यांकन पर प्रभाव पड़ता है। कंपनी मुख्य रूप से एक्सप्रेसवे के निर्माण से राजस्व प्राप्त करती है और अन्य वित्तीय संपत्ति मुख्य रूप से सेवा रियायत व्यवस्था (एससीए) के तहत बिना बिल वाले राजस्व से संबंधित है। इन व्यापार प्राप्य और बिना बिल वाले राजस्व से उत्पन्न होने वाला क्रेडिट जोखिम सीमित है क्योंकि प्रतिपक्ष भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(एनएचएआई) है, जो भारत सरकार की एक स्वायत्त एजेंसी है, जिसके पास दायित्वों को पूरा करने की क्षमता है और इसलिए, डिफॉल्ट का जोखिम बहुत नगण्य है। या शून्य.

(i) ऋण जोखिम का खतरा

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
वित्तीय संपत्तियां जिनके लिए भत्ते को सरलीकृत दृष्टिकोण के अनुसार आजीवन अपेक्षित क्रेडिट हानि का उपयोग करके मापा जाता है		
रोकड और रोकड समतुल्य	11.88	3.90
अन्य चालू वित्तीय परिसंपत्तियां	2,423.62	1.47

(ii) अपेक्षित ऋण हानियों के लिए प्रावधान

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान किसी हानि की पहचान नहीं की गई है।

(iii) क्षतिग्रस्तता हानि प्रावधानों का मिलान

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
आरंभिक भत्ते	-	-
वर्ष के दौरान प्रदान किया गया	-	-
वर्ष के दौरान उपयोग	-	-
रकम बट्टे खाते में डाल दी गई	-	-

ख) तरलता जोखिम

तरलता जोखिम वह जोखिम है जिससे कंपनी को अपनी वित्तीय देनदारियों से जुड़े दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा जो नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति वितरित करके तय की जाती हैं। तरलता के प्रबंधन के लिए कंपनी का दृष्टिकोण, जहां तक संभव हो, यह सुनिश्चित करना है कि उसके पास अपनी देनदारियों को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता होगी, जब वे देय हों, दोनों सामान्य और तनावग्रस्त परिस्थितियों में, बिना अस्वीकार्य हानि या कंपनी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाए।

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च 2023 और 21 मार्च 2022 को महत्वपूर्ण वित्तीय देनदारियों के बारे में विवरण प्रदान करती है:-

विवरण	31 मार्च 2023 को		
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2 वर्ष और अधिक
व्यापार प्राप्य	2,707.39	-	-
अन्य वित्तीय देयताएं	7.12	-	-

विवरण	31 मार्च 2022 को
-------	------------------

	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2 वर्ष और अधिक
व्यापार प्राप्त	0.37	-	-
अन्य वित्तीय देयताएं	-	-	-

**ग) बाजार जोखिम**

बाजार जोखिम वह जोखिम है, जो बाजार की कीमतों में परिवर्तन, जैसे कि विदेशी मुद्रा दरों और ब्याज दरों से कंपनी की आय प्रभावित होगी। बाजार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य रिटर्न का अनुकूलन करते हुए स्वीकार्य मापदंडों के भीतर बाजार जोखिम का प्रबंधन और नियंत्रण करना है। निदेशक मंडल, कंपनी के बाजार जोखिमों के प्रबंधन के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं की स्थापना के लिए जिम्मेदार है।

**(i) विदेशी मुद्रा जोखिम**

कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा भारतीय रुपया है। कंपनी किसी भी विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में नहीं है।

**(i) ब्याज दर जोखिम**

ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है, जिसमें बाजार की ब्याज दरों में बदलाव के कारण किसी वित्तीय साधन के उचित मूल्य या भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होता है।

रिपोर्टिंग तिथि पर, कंपनी के पास कोई ब्याज-युक्त वित्तीय साधन नहीं है।

**25. उचित मूल्य मापन**

**क) श्रेणी के अनुसार वित्तीय साधन**

विवरण	31 मार्च 2023 को		
	एफवीटीपीएल	एफवीटीओसीआई	परिशोधित लागत
वित्तीय संपत्ति			
(i) नकद और नकद समकक्ष	-	-	11.88
(ii) अन्य मौजूदा वित्तीय संपत्तियां	-	-	2,423.62
	-	-	<b>2,435.50</b>
वित्तीय देनदारियां			
(i) व्यापार प्राप्त	-	-	2,707.39
(ii) अन्य वित्तीय देनदारियां	-	-	7.12
	-	-	

विवरण	31 मार्च 2022 को		
	एफवीटीपीएल	एफवीटीओसीआई	परिशोधित लागत
वित्तीय संपत्ति			
(i) नकद और नकद समकक्ष	-	-	3.90
(ii) अन्य मौजूदा वित्तीय संपत्तियां	-	-	1.47
	-	-	<b>5.37</b>
वित्तीय देनदारियों			
(i) व्यापार प्राप्त्य			
(ii) अन्य वित्तीय देनदारियां	-	-	0.37
	-	-	<b>0.37</b>

**ख) उचित मूल्य पदानुक्रम**

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को इन वित्तीय विवरणों में उचित मूल्य पर मापा जाता है और उचित मूल्य पदानुक्रम के तीन स्तरों में वर्गीकृत किया जाता है। तीन स्तरों को माप के लिए महत्वपूर्ण आदानों के अवलोकन के आधार पर परिभाषित किया गया है:

स्तर 1: समान संपत्ति या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में कोट किया गया मूल्य (असमायोजित)।

स्तर 2: स्तर 1 के भीतर शामिल कोट की गई कीमतों के अतिरिक्त अन्य इनपुट जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपत्ति या देनदारियों के लिए अवलोकन योग्य हैं।

स्तर 3: संपत्ति या देनदारियों के लिए अप्रचलित इनपुट।

**ग) 31 मार्च 2023 तक वित्तीय संपत्तियों और देनदारियों का मूल्य और उचित मूल्य**

विवरण	वहन मूल्य	उचित मूल्य		
		स्तर-1	स्तर-2	स्तर-3
परिशोधित लागत पर वित्तीय संपत्तियां				
(i) नकद और नकद समकक्ष	11.88	-	-	11.88
(ii) अन्य मौजूदा वित्तीय संपत्तियां	2,423.62	-	-	2,423.62
	<b>2,435.50</b>	-	-	<b>2,435.50</b>
परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएं				
(i) व्यापार प्राप्त्य	2,707.39			2,707.39
(ii) अन्य वित्तीय देनदारियां	7.12	-	-	7.12
	<b>2,714.51</b>	-	-	<b>2,714.51</b>

### 31 मार्च 2022 तक वित्तीय संपत्तियों और देनदारियों का मूल्य और उचित मूल्य

विवरण	वहन मूल्य	उचित मूल्य		
		स्तर-1	स्तर-2	स्तर-3
परिशोधित लागत पर वित्तीय संपत्तियां				
(i) नकद और नकद समकक्ष	3.90	-	-	3.90
(ii) अन्य मौजूदा वित्तीय संपत्तियां	1.47	-	-	1.47
	<b>5.37</b>	-	-	<b>5.37</b>
परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएं				
(i) व्यापार पाप्य				
(ii) अन्य वित्तीय देनदारियां	-	-	-	-
	<b>0.37</b>	-	-	<b>0.37</b>

प्रबंधन ने मूल्यांकन किया कि नकदी और नकद समकक्षों, व्यापार देय, और अन्य मौजूदा वित्तीय संपत्तियों /देनदारियों का उचित मूल्य इन उपकरणों की अल्पकालिक परिपक्वता के कारण उनकी अग्रणीत राशि का अनुमान प्रस्तुत करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों का उचित मूल्य उस राशि में शामिल है, जिस पर इच्छुक पक्षों के बीच मौजूदा लेनदेन में उपकरण का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

#### 26. पूंजी प्रबंधन

पूंजी का प्रबंधन करते समय कंपनी के उद्देश्य, निरंतर आधार पर जारी रहने की क्षमता का संरक्षण करना और शेयरधारकों को इष्टतम प्रतिफल प्रदान करना है। कंपनी की पूंजी संरचना, कुल इक्विटी पर ध्यान देने के साथ अपनी नीतिगत और दिन-प्रति-दिन की आवश्यकताओं के प्रबंधन के निर्णय पर आधारित है, ताकि निवेशकों, लेनदारों और बाजार के विश्वास को बनाए रखा जा सके। प्रबंधन और निदेशक मंडल, पूंजी पर प्रतिफल की निगरानी करता है। कंपनी अपनी पूंजी संरचना को बनाए रखने, या यदि आवश्यक हो, तो समायोजित करने के लिए उचित कदम उठा सकती है।

#### 27. राजस्व

##### क. राजस्व का पृथक्करण

ग्राहकों के साथ अनुबंधों से ऑपरेटिंग सेगमेंट और उत्पाद या सेवाओं के प्रकार में कंपनी के राजस्व का पृथक्करण नीचे दिया गया है:

**31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु**

उत्पाद या सेवाओं का प्रकार	इंड एस 115 के अनुसार राजस्व			निष्पादन दायित्व मापन हेतु विधि		अन्य राजस्व	लाभ और हानि / खंड रिपोर्टिंग के विवरण के अनुसार कुल
	घरेलू	विदेशी	कुल	इनपुट विधि	आउटपुट विधि		
राजमार्ग	2,422.15	-	2,422.15	2,422.15	-	-	2,422.15
	<b>2,422.15</b>	-	<b>2,422.15</b>	<b>2,422.15</b>	-	-	<b>2,422.15</b>
<b>कुल</b>	2,422.15	-	2,422.15	2,422.15	-	-	2,422.15

2422.15 लाख रुपए के राजस्व को समयावधि में स्वीकार किया गया है।

24/12/2021 (निगमन की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु							
उत्पाद या सेवाओं का प्रकार	इंड एस 115 के अनुसार राजस्व			निष्पादन दायित्व मापन हेतु विधि		अन्य राजस्व	लाभ और हानि / खंड रिपोर्टिंग के विवरण के अनुसार कुल
	घरेलू	विदेशी	कुल	इनपुट विधि	आउटपुट विधि		
राजमार्ग	1.47	-	1.47	1.47	-	-	1.47
<b>कुल</b>	1.47	-	1.47	1.47	-	-	1.47

1.47 लाख रुपए के राजस्व को समयावधि में स्वीकार किया गया है।

#### ख. अनुबंध संतुलन

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
अनुबंधीय परिसंपत्तियां (नोट-4.2)	2,423.62	1.47

अनुबंधीय दायित्व	-	-
------------------	---	---

- i) अनुबंध संपत्तियों को उस अवधि में स्वीकार किया जाता है, जिसमें ग्राहक को हस्तांतरित वस्तुओं या सेवाओं के बदले में कंपनी के विचार के अधिकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए सेवाओं का निष्पादन किया जाता है। इसमें निर्माण अनुबंधों के तहत ग्राहकों से बकाया राशि शामिल है, जो तब उत्पन्न होती है, जब कंपनी अनुबंध की शर्तों के अनुसार ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करती है। हालांकि राजस्व को इनपुट पद्धति के तहत अवधि के दौरान स्वीकार किया जाता है। अनुबंध संपत्ति के रूप में पहले से स्वीकृति प्राप्त, किसी भी राशि को संलग्न शर्त की संतुष्टि पर व्यापार प्राप्तियों के लिए पुनर्वर्गीकृत किया जाता है, अर्थात् भविष्य की सेवा, जिसे बिलिंग लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक होती है।

#### अवधि के दौरान अनुबंधीय शेषों में संचलन

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
अवधि के आरंभ में अनुबंध परिसंपत्ति	1.47	-
अवधि के अंत में अनुबंध परिसंपत्ति	2,423.62	1.47
शुद्ध वृद्धि/(कमी)	<b>2,422.15</b>	<b>1.47</b>

इनपुट पद्धति के आधार पर राजस्व की पहचान के कारण वर्ष 2022-23 और 2021-22 के लिए, क्रमशः 2422.15 लाख रुपये और 1.47 लाख रुपये की शुद्ध वृद्धि हुई है, जबकि किए गए कार्य के बिल अनुबंध की शर्त के आधार पर प्रमाणित किए जाते हैं। इस अवधि के दौरान बिल न किए गए राजस्व से व्यापार प्राप्य में कोई पुनर्वर्गीकरण नहीं हुआ है।

- ii) निर्माण अनुबंधों से संबंधित अनुबंध देनदारियां ग्राहकों के कारण बकाया हैं, ये तब उत्पन्न होती हैं जब एक विशेष माइलस्टोन भुगतान इनपुट पद्धति के तहत मान्यता प्राप्त राजस्व और लंबी अवधि के निर्माण अनुबंधों में प्राप्त अग्रिम से अधिक हो जाता है। प्राप्त अग्रिम की राशि निर्माण अवधि में समायोजित हो जाती है जब ग्राहक को चालान किया जाता है।

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
अवधि के आरंभ में अनुबंध देयताएं	-	-
अवधि के अंत में अनुबंध देयताएं	-	-
शुद्ध वृद्धि/(कमी)	-	-

**ग. निर्धारित राजस्व की राशि नीचे दी गई है:**

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
अवधि के आरंभ में अनुबंध देनदारियों में शामिल राशि	-	-
पिछली अवधि में निष्पादन दायित्व	-	-

**घ. अनुबंध प्राप्त करने की लागत**

कंपनी ने किसी ग्राहक के साथ अनुबंध प्राप्त करने के लिए कोई वृद्धिशील लागत नहीं लगाई है और इसलिए, ऐसी लागतों के लिए किसी परिसंपत्ति को मान्यता नहीं दी गई है

**ड. शेष निष्पादन दायित्वों के लिए आवंटित संव्यवहार मूल्य**

शेष कार्यनिष्पादन दायित्वों के लिए लेनदेन मूल्य कंपनी द्वारा किए गए कार्य/प्रदान की गई सेवाओं के अनुपात में अनुबंध अवधि में प्राप्त किया जाएगा।

कंपनी के कार्यनिष्पादन दायित्वों के बारे में जानकारी नीचे संक्षेप में दी गई है:

दिनांक 31 मार्च को शेष निष्पादन दायित्वों (असंतोषजनक या आंशिक रूप से असंतोषजनक) के लिए आवंटित लेनदेन मूल्य इस प्रकार हैं:

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
एक वर्ष के भीतर	54186.94	2,181.28
एक वर्ष से अधिक लेकर 2 वर्ष तक	54243.41	54,186.94
2 वर्ष से अधिक	44.59	54,288.00
कुल	<b>108474.94</b>	1,10,656.22

**28. सेवा रियायत व्यवस्था**

सार्वजनिक से निजी सेवा रियायत व्यवस्थाएं भारतीय लेखा मानक 115 "सेवा रियायत व्यवस्था" के परिशिष्ट-ग के अनुसार प्रकटीकरण निम्नानुसार है:

क) अनुदानकर्ता यह नियंत्रित या विनियमित करता है कि प्रचालक को बुनियादी ढांचे के साथ कौन सी सेवाएं प्रदान करनी चाहिए, किसे प्रदान करनी चाहिए, और किस कीमत पर करनी चाहिए ; और

ख) अनुदानकर्ता व्यवस्था की अवधि के अंत में बुनियादी ढांचे में किसी भी महत्वपूर्ण अवशिष्ट हित को स्वामित्व, लाभकारी पात्रता या अन्यथा के माध्यम से नियंत्रित करता है।



यदि उपरोक्त दोनों शर्तें एक साथ पूरी की जाती हैं, तो एक वित्तीय परिसंपत्ति को इस स्तर तक मान्यता दी जाती है कि प्रचालक के पास सेवा के लिए अनुदानकर्ता से या उसके विवेक पर नकद या अन्य वित्तीय परिसंपत्ति प्राप्त करने का बिना शर्त संविदात्मक अधिकार है।

इन वित्तीय संपत्तियों को शुरू में लागत पर पहचाना जाता है, जिसे प्रदान की गई सेवा के उचित मूल्य और संचालन के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार अन्य प्रत्यक्ष लागतों के रूप में स्वीकार किया जाता है। फिर उन्हें प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में परिशोधित लागत पर लेखांकित किया जाता है।

इरकॉनएलआरएचएल ने दिनांक 25 मार्च, 2022 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ सेवा रियायत समझौता किया है, जिसके अनुसार एनएचएआई (प्राधिकरण) ने कंपनी को पंजाब राज्य में भारतमाला परियोजना के तहत मानेवाल (लुधियाना) के पास एनई-5 गांव के साथ जंक्शन से भेओरा गांव (रूपनगर) के साथ स्पर और खरार के पास एनएच 205 के साथ जंक्शन तक लुधियाना-रूपनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सं एनएच-205के, चार /छह लेन के ग्रीनफील्ड के निर्माण, प्रचालन और अनुरक्षण का व्यवसाय करने के लिए अधिकृत किया है, पैकेज-3 (डिजाइन अध्याय 66.440 से) डिजाइन अध्याय 90.500 और स्पर टू खार डिजाइन अध्याय 0.000 से डिजाइन अध्याय 19.200, कुल लंबाई 43.26 किमी) को अभिकल्प निर्माण, वित्त, प्रचालन और अंतरण आधार पर निष्पादित किया जाएगा।

उक्त समझौते के अनुसार, इरकॉनएलआरएचएल का दायित्व है कि वह हरिद्वार बाईपास खंड के चार लेन की परियोजना का निर्माण पूरा करे और उन सभी परियोजनाओं की संपत्तियों सहित परियोजना की संपत्तियों को उचित कार्यशील स्थिति में रखे, जिनकी अवधि समाप्त हो चुकी है। यह परियोजना वार्षिकी पैटर्न के अंतर्गत है।

रियायती अवधि वाणिज्यिक परिचालन की तारीख से शुरू होकर 15 वर्ष होगी। रियायत अवधि के अंत में, संपत्ति वापस भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को हस्तांतरित कर दी जाएगी।

समझौते की शर्तों में महत्वपूर्ण उल्लंघन के मामले में एनएचएआई और इरकॉनएलआरएचएल को समझौते को समाप्त करने का अधिकार है, यदि वे ऐसे समझौते के अनुसार डिफॉल्ट की घटना को ठीक करने में सक्षम नहीं हैं।

कंपनी ने अनुबंध की शर्तों के अनुसार लक्ष्य पूरा होने पर एनएचएआई से मिली प्राप्तियों को ध्यान में रखते हुए दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि तक सेवा रियायत समझौते के तहत 2423.62 लाख रुपये की वित्तीय संपत्ति को मान्यता दी है। कंपनी ने "ग्राहकों से राजस्व" से संबंधित इंड एस - 115 के अनुसार एससीए और संचालन राजस्व के तहत सड़क के निर्माण पर दिनांक 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए 2422.15 लाख रुपये के राजस्व को मान्यता दी है। कंपनी ने सेवा रियायत व्यवस्था के तहत प्राप्य को मान्यता दी है और अन्य वित्तीय वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत दिखाया है, जो उसे दिनांक 31 मार्च 2023 तक लक्ष्य के पूरा होने के आधार पर अनुबंध की शर्तों के अनुसार प्राप्त होगा।

**इंड एस 115 के परिशिष्ट-घ के संदर्भ में प्रकटीकरण:**

कंपनियों (भारतीय लेखा मानक) नियम 2016 में अधिसूचित अनुसार, ग्राहकों से इंड एस -115 राजस्व में परिशिष्ट-घ में आवश्यक प्रकटीकरण के संदर्भ में, तुलनपत्र की तारीख तक वित्तीय विवरणों में विचार की गई राशि निम्नानुसार है: -

विवरण	31/03/2023 की अवधि हेतु	24/12/2021 (निगमित की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
स्वीकृत संविदा राजस्व	2,422.15	1.47
वहन लागत की सकल राशि	2,422.15	1.47
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम की राशि	-	-
ग्राहकों से प्रतिधारण राशि	-	-
वित्तीय परिसंपत्ति के लिए निर्माण सेवा के आदान-प्रदान की अवधि के दौरान लाभ/(हानि) को मान्यता दी गई	-	-
अनुबंध कार्यों के लिए ग्राहक से देय सकल राशि	2,423.62	1.47

**29 पट्टे**

**क) पट्टेदार के रूप में कंपनी**

(i) कंपनी के पास ऐसी कोई पट्टा व्यवस्था नहीं है, जो प्रकृति में रद्द न करने योग्य हो। तदनुसार, कंपनी द्वारा संपत्ति के उपयोग के अधिकार और पट्टे की देनदारियों को मान्यता नहीं दी गई है।

(ii) कंपनी ने कार्यालय को 12 महीने या उससे कम की पट्टा शर्तों के साथ पट्टे पर लिया है। कंपनी ऐसे पट्टों के लिए 'अल्पकालिक पट्टा' मान्यता छूट लागू करती है।

लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त राशियाँ निम्नलिखित हैं:

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु	24/12/2021 (निगमन की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
अल्पकालीन पट्टे के संबंध में व्यय (संदर्भ नोट 15)	3.01	0.50

**ख) पट्टाकर्ता के रूप में कंपनी**

पट्टाकर्ता के रूप में कंपनी का कोई पट्टा करार नहीं है।

30. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 द्वारा अपेक्षित प्रकटीकरण इस प्रकार हैं:

(रूपए लाख में)

	विवरण	31 मार्च 2023 को	24/12/2021 (निगमना की तिथि) से 31/03/2022 की अवधि हेतु
क)	प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में मूल राशि और उस पर देय ब्याज, जो किसी आपूर्तिकर्ता को बकाया है:	-	-
	- सूक्ष्म और लघु उद्यमों को देय मूल राशि।	-	-
	- उपर्युक्त पर देय ब्याज	-	-
ख)	भुगतान करने में विलंब की अवधि के लिए देय और भुगतानयोग्य ब्याज की राशि (वर्ष के दौरान जिसका भुगतान किया गया है किन्तु निर्धारित तिथि के पश्चात) किन्तु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	-	-
ग)	प्रत्येक लेखांकन वर्ष के दौरान निर्धारित तिथि से आगे आपूर्तिकर्ताओं को किए गए भुगतान सहित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के संदर्भ में रीजन द्वारा देय ब्याज की राशि।	-	-
घ)	प्रत्येक लेखा अवधि के अंत में उपार्जित और शेष अवैतनिक ब्याज की राशि	-	-

ड.)	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 23 के तहत आगामी वर्षों में भी देय शेष ब्याज की राशि, ऐसी तारीख जबतक कि ब्याज की बकाया राशि वास्तव में लघु उद्यम को भुगतान न हो गई हो, जो कि कटौतीयोग्य व्ययों की अस्वीकृति के प्रयोजन हेतु है।	-	-
-----	--	---	---

### 31. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

कंपनी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अंतर्गत कवर नहीं है और इस अवधि के दौरान कोई सीएसआर व्यय नहीं किया गया है।

### 32. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 186 के अनुसार प्रकटीकरण:

इस अवधि के दौरान कंपनी द्वारा कोई ऋण नहीं दिया गया, निवेश नहीं किया गया और गारंटी नहीं दी गई।

### 22. अन्य सांविधिक प्रकटीकरण:

निगमित मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने दिनांक 24 मार्च 2021 की अधिसूचना द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-III में संशोधन किया है, जो ऐसे प्रकटनों के संबंध में जो दिनांक 01 अप्रैल 2021 से लागू हैं। कंपनी ने वित्तीय विवरणों में उक्त संशोधन के अनुसार परिवर्तनों को शामिल किया है और नीचे दिए गए प्रकटन, उक्त संशोधन के अनुपालन में किए गए हैं:

### 32. अन्य सांविधिक प्रकटन

- (i) दिनांक 31 मार्च 2023 तथा 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी का कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-248 या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा-560 के तहत वर्ष के दौरान बंद की गई कंपनियों के साथ कोई लेनदेन नहीं है।
- (ii) दिनांक 31 मार्च 2023 तथा 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने क्रिप्टो मुद्रा या आभासी मुद्रा में व्यापार या निवेश नहीं किया है।
- (iii) दिनांक 31 मार्च 2023 तथा 31 मार्च 2022 को, कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है, जहां कोई बेनामी संपत्ति रखने के लिए कंपनी के विरुद्ध कोई कार्यवाही शुरू की गई है या लंबित है।

- (iv) दिनांक 31 मार्च 2023 तथा 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष को, कंपनी के पास कोई पूर्व अवधि की त्रुटियां नहीं हैं, जिन्हें इक्विटी में परिवर्तन के विवरण में अलग से प्रकट किया जाना है।
- (v) दिनांक 31 मार्च 2023 तथा 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी के पास कोई शुल्क या संतुष्टि नहीं है, जो अभी तक वैधानिक अवधि से परे आरओसी के साथ पंजीकृत नहीं है।
- (vi) वित्तीय वर्ष 2023 तथा 2022 के दौरान, कंपनी ने विदेशी संस्थाओं (मध्यस्थों) सहित किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (इकाईयों) को इस सोच के साथ उन्नत या ऋण या निवेश नहीं किया है कि मध्यस्थ
- (क) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अन्य व्यक्तियों को उधार या निवेश करेगा या कंपनी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचानी गई संस्थाएं को, या
- (ख) अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करती हैं।
- (vii) वित्तीय वर्ष 2023 तथा 2022 के दौरान, कंपनी को विदेशी संस्थाओं (वित्तपोषण पक्षों) सहित किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या संस्था (संस्थाओं) से कोई निधि प्राप्त नहीं हुई है (चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज किया गया हो) कि कंपनी:
- (क) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार देगी या फंडिंग पार्टी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में निवेश करें या
- (ख) अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की प्रदान करें।
- (viii) दिनांक 31 मार्च 2023 तथा 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष को, कंपनी के पास प्रमोटरों, निदेशकों, केएमपी और अन्य संबंधित पक्षों से ऋण की प्रकृति में कोई ऋण और अग्रिम नहीं है।
- (ix) दिनांक 31 मार्च 2023 तथा 31 मार्च 2022 को कंपनी के पास कोई अचल परिसंपत्ति नहीं है।
- (x) वित्तीय वर्ष 2023 तथा 2022 के दौरान कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकारी या गैर सरकारी प्राधिकरण द्वारा स्वैच्छिक चूककर्ता के रूप घोषित नहीं किया गया है।

- (xi) कंपनी को बैंक के साथ वर्तमान परिसंपत्तियों का विवरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है और इसलिए कंपनी द्वारा बैंक के साथ दायर किए गए विवरण और खात बहियों के समायोजन का प्रावधान लागू नहीं है।
- (xii) वित्तीय वर्ष 2023 तथा 2022 के दौरान कंपनी का ऐसा कोई लेनदेन नहीं है, जहां कंपनी ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से उधार का उपयोग उस विशिष्ट उद्देश्य के लिए नहीं किया है जिसके लिए इसे तुलनपत्र की तारीख में लिया गया था।
- (xiii) कंपनी ने 31 मार्च 2023 और 31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान व्यवस्था की किसी भी योजना (योजनाओं) में प्रवेश नहीं किया है।
- (xiv) कंपनी का ऐसा कोई भी लेन-देन नहीं है जो उन लेखा बहियों में दर्ज नहीं है जिन्हें बाद में आयकर अधिनियम, 1961 के तहत या आयकर अधिनियम, 1961 के अन्य प्रासंगिक प्रावधान के तहत चल रहे कर निर्धारण के भाग के रूप में वर्ष के दौरान आय के रूप में आत्मसमर्पण या प्रकटन किया गया है।
- (xv) कंपनी को 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष और 31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान कोई अनुदान और दान प्राप्त नहीं हुआ है।
- (xvi) कंपनी के पास दिनांक 31 मार्च, 2023 और 31 मार्च, 2022 तक कोई भी पूंजीगत कार्य-प्रगति, निवेश संपत्ति, अमूर्त संपत्ति और विकास के तहत अमूर्त संपत्ति नहीं है। वर्ष 2022-23 और 2021-22 के दौरान, कंपनी ने अपनी किसी भी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।
- (xv) निम्नलिखित लेखांकन अनुपातों को प्रकट किया गया है:

विवरण	अंश	भाजक	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	% परिवर्तन	25% से अधिक परिवर्तन का कारण
चालू अनुपात	चालू संपत्ति	चालू देनदारियां	1.03	11.21	-90.81%	जैसा कि पिछले वर्ष के आंकड़े 24 दिसंबर, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक की अवधि के लिए हैं, वर्तमान वर्ष के
ऋण इक्विटी अनुपात	कुल ऋण	शेयरधारकों की इक्विटी	0.00	0.00	लागू नहीं	
कर्ज सेवा कवरेज अनुपात	ऋण सेवा से आय = कर पश्चात निवल लाभ + गैर नकदी	ऋण सेवा = ब्याज और पट्टा भुगतान +	0.00	0.00	लागू नहीं	

	प्रचालनिक व्यय	मूलधन चुकौती				
इक्विटी अनुपात पर प्रतिफल	कर पश्चात शुद्ध लाभ - वरीयता लाभांश	औसत शेयरधारक की इक्विटी	0.00	-0.01	100.00%	
इन्वेंटरी टर्नओवर अनुपात	बेचे गए सामान की लागत	औसत स्कंध	0.00	0.00	लागू नहीं	
व्यापार प्राप्य टर्नओवर अनुपात	प्रचालन से राजस्व	औसत व्यापार प्राप्य	0.00	0.00	लागू नहीं	
व्यापार देय टर्नओवर अनुपात	शुद्ध ऋण खरीद = सकल ऋण खरीद - खरीद प्रतिफल	औसत व्यापार देय	1.72	0.00	लागू नहीं	
शुद्ध पूंजी टर्नओवर अनुपात	प्रचालन से राजस्व	कार्यशील पूंजी = चालू संपत्ति - चालू देनदारियां	25.80	0.30	8500%	
शुद्ध लाभ अनुपात	शुद्ध लाभ	प्रचालन से राजस्व	0.00	-0.04	100.00%	
नियोजित पूंजी पर रिटर्न	ब्याज और करों पूर्व आय	नियोजित पूंजी = कुल मूल्य सम्पत्ति + कुल ऋण	0.00	0.00	0.00%	

साथ अनुपात की तुलना उचित परिणाम प्रदान नहीं करती है। इसलिए परिवर्तन का कारण नहीं बताया गया है।

		+ आस्थगित कर देयता			
निवेश पर वापसी	निवेश से उत्पन्न आय (वित्तीय आय)	निवेश	0.00	0.00	लागू नहीं

### 34. कोविड-19 प्रकटन

कंपनी ने संभावित प्रभावों पर विचार किया है जो वित्तीय और गैर-वित्तीय संपत्तियों की राशि की वसूली सहित अपने वित्तीय परिणामों की तैयारी में कोविड -19 से उत्पन्न हो सकते हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में संभावित भविष्य की अनिश्चितताओं से संबंधित धारणाओं को विकसित करने में कोविड-19 के कारण परिस्थितियों में, कंपनी ने सूचना के आंतरिक और बाहरी स्रोतों का उपयोग किया है और उम्मीद करती है कि परिसंपत्तियों की अग्रणी राशि की वसूली की जाएगी।

इस वैश्विक स्वास्थ्य महामारी का वास्तविक प्रभाव अनुमान से भिन्न हो सकता है, क्योंकि भारत और विश्व स्तर पर कोविड-19 की स्थिति विकसित हो रही है। हालाँकि, कंपनी भविष्य की आर्थिक स्थितियों में किसी भी भौतिक परिवर्तन की गहनता से निगरानी करना जारी रखेगी। "

### 26. हाल की घोषणाएं

कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय ("एमसीए") ने समय-समय पर जारी किए गए कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमों के तहत नए मानकों या मौजूदा मानकों में संशोधन को दिनांक 31 मार्च 2023 को अधिसूचित किया है। कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय ("एमसीए") ने कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियमों 2023 में निम्नानुसार संशोधन किया है :

**इंड एस1- वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति** - इस संशोधन में संस्थाओं को अपनी महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के स्थान पर अपनी सामग्री लेखांकन नीतियों का प्रकटन करने की आवश्यकता है। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि दिनांक 01 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद आरंभ होने वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने संशोधन का मूल्यांकन किया है और वित्तीय विवरणों में संशोधन का प्रभाव नगण्य है।

**इंड एस 8- लेखांकन नीतियां, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटि** - इस संशोधन ने 'लेखा अनुमान' की एक परिभाषा प्रस्तुत की है और इकाइयों को लेखांकन अनुमानों में परिवर्तनों से लेखांकन नीतियों में परिवर्तन को अलग करने में मदद करने के लिए इंड एस 8 में संशोधन प्रस्तुत किया है। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि दिनांक 01 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद आरंभ होने



वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने संशोधन का मूल्यांकन किया है और उसके वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

**इंड एस 12 - आयकर** - इस संशोधन ने प्रारंभिक मान्यता छूट के दायरे को सीमित कर दिया है, इसलिए यह उन लेनदेन पर लागू नहीं होता है जो समान और अस्थायी मतभेदों को उत्पन्न करते हैं। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि दिनांक 01 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद आरंभ होने वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने संशोधन का मूल्यांकन किया है और उसके वित्तीय विवरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

### 36 अन्य प्रकटन

- (i) कंपनी को दिनांक 24 दिसंबर 2021 को इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में निगमित किया गया है। पिछली अवधि के आंकड़े दिनांक 24 दिसंबर 2021 से दिनांक 31 मार्च 2022 तक की अवधि के लिए प्रदान किए गए हैं।
  - (ii) बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 570.82 करोड़ रुपये का सावधि ऋण को स्वीकृति दी है।
  - (iii) कंपनी के पास बैंकों और अन्य पक्षों से शेष राशि की आवधिक पुष्टि प्राप्त करने की एक प्रणाली है।
  - (iv) प्रबंधन के मतानुसार, व्यवसाय के सामान्य क्रम में वसूली पर परिसंपत्तियों का मूल्य, उस मूल्य से कम नहीं होगा जिस पर ये तुलन पत्र में प्रस्तुत किए गए हैं।
  - (v) आंकड़े लाख में निकटतम रुपये तक पूर्णांकित हैं।
37. वर्तमान अवधि की प्रस्तुतियों के साथ स्थिरता के लिए कुछ पूर्व अवधियों की राशि को पुनर्वर्गीकृत किया गया है। इन पुनर्वर्गीकरणों का संचालन के रिपोर्ट किए गए परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। साथ ही पिछले वर्ष के आंकड़ों को वर्तमान वर्ष के आंकड़ों से अलग करने के लिए प्रकोष्ठ ( ) के अंतर्गत दिखाया गया है

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार  
प्रताप विक्रम एंड एसोसिएट्स  
सनदी लेखाकार  
आईसीएआई फर्म पंजीकरण संख्या : 0018387एन  
विक्रम केसरवानी  
साझेदार  
आईसीएआई सदस्यता संख्या: 500354  
यूडीआईएन  
स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 12.05.2023

निदेशक मंडल के निमित्त और उनकी ओर से

मुगुंथन बोजू गौड़ा  
(निदेशक)  
(डीआईएन:-08517013)

मसूद अहमद  
(निदेशक)  
(डीआईएन:-09008553)

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग  
प्रधान निर्देशक लेखापरीक्षा का कार्यालय  
रेलवे वाणिज्यक नई दिल्ली

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT  
RAILWAY COMMERCIAL, NEW DELHI

संख्या: पी.डी.ए/आर.सी/ AA-ILRH/78-17/2023-24/265

दिनांक: 24.07.2023

सेवा में,

निदेशक,

इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड,  
सी-4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत,  
नई दिल्ली -110017.

विषय: 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष लिए इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (ख) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

महोदय,

मैं, इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड के 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष लिए वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (ख) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों अंग्रेषित कर रहा हूँ।

कृपया इस पत्र की संलग्न को सहित प्राप्त की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

डॉ नीलोत्पल गोस्वामी  
महानिदेशक (रेलवे वाणिज्यक)

संलग्न: यथोपरी

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम, के अनुच्छेद 143(6)(ख) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।

कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुसार 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड का वित्तीय विवरण तैयार करने का उत्तरदायित्व कंपनी के प्रबंधन का है। अधिनियम के धारा 139(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक, अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत निर्धारित अनुसार लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर अधिनियम के धारा 143 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरणों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी है। यहां यह उल्लेखनीय है कि दिनांक 12 मई 2023 की उनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उनके द्वारा ऐसा किया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का अधिनियम के धारा 143(6)(क) के अंतर्गत अनुपूरक लेखापरीक्षा न करने का निर्णय लिया है।

कृते एवं की ओर से  
भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक

ह/-  
डॉ नीलोत्पल गोस्वामी  
महानिदेशक लेखापरीक्षा  
रेल वाणिज्य, नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक: 24.07.2023



## इरकॉन लुधियाना रूपनगर हाईवे लिमिटेड

(इरकॉनएलआरएचएल)

पंजीकृत और निगमित कार्यालय :

सी-4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-110017, भारत

दूरभाष: +91-11-26530266 | फ़ैक्स: +91-11-26522000, 26854000

ई-मेल आईडी: [cospv.ircon@gmail.com](mailto:cospv.ircon@gmail.com)